THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 75 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ अमावस्या 2083 सोमवार, 15 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ❊ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

पिकअप कुएं में गिरा, 8 की मौत; 7 घायल

सोलापुर, 14 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में रविवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। मालशिरस तहसील के तंदुलवाड़ी गांव के पास 15 लोगों को ले जा रहा एक पिकअप सड़क किनारे कुएं में गिर गया। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 7 अन्य घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में पता चला है कि चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद पिकअप सीधे कुएं में जा गिरा।

ट्रेन से कट कर छह यात्रियों की मौत

मुरैना, 14 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले के हेतमपुर और घेर रेलवे स्टेशनों के बीच रविवार शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया। उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस में आग लगने की अफवाह फैलने के बाद घबराए यात्रियों ने चेन पुलिंग कर ट्रेन रोक दी। इसके बाद कुछ यात्री ट्रेन से उतरकर रेलवे ट्रैक पर आ गए और दूसरी लाइन पर आ रही पातालकोट एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। हादसे में तीन महिलाओं और एक मासूम बच्चे समेत कुल छह लोगों की मौत की सूचना है, जबकि कई अन्य यात्री घायल बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस ग्वालियर से मुरैना की ओर जा रही थी। इसी दौरान किसी यात्री ने डिब्बे में आग लगने की बात कही, जिससे बोगी में अफरातफरी मच गई। घबराए यात्रियों ने आपातकालीन चेन खींचकर ट्रेन रोक दी और कई लोग नीचे उतर गए।

मोदी ने दुनिया को राह दिखाई

दोनों देश एक सोच से आगे बढ़ रहे

पेरिस/ब्रातिस्लावा, 14 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 दिनों के फ्रांस-स्लोकाबिया दौरे पर हैं। पीएम ने रविवार को फ्रांस के नीस शहर में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की। दोनों ने 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

मोदी ने कार्यक्रम में कहा– दुनिया में कुछ देशों के रिश्ते ऐसे होते हैं जो एक सोच और विजन से आगे बढ़ते हैं। भारत और फ्रांस का रिश्ता भी ऐसा ही है। दोनों देशों के संबंध सिर्फ व्यापार या कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि साझा मूल्यों, भरोसे और भविष्य के लिए एक जैसी सोच पर आधारित हैं।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा– भारत इनोवेशन का देश है। फ्रांस रक्षा, तकनीक और कई अन्य क्षेत्रों में 'मेक इन इंडिया' का भागीदार रहा है। एआई और जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भारत और फ्रांस के बीच सच्ची रणनीतिक साझेदारी है। मैक्रों ने कहा- नागरिक परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने की बड़ी संभावनाएं हैं। स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर जैसी नई परमाणु तकनीकों में भी भारत और फ्रांस साथ काम कर सकते हैं।

फ्रांस में पीएम मोदी का संबोधन :

भारत-फ्रांस का रिश्ता खास : प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और फ्रांस का रिश्ता सिर्फ व्यापार या रणनीतिक साझेदारी तक सीमित नहीं है। यह भरोसे, साझा सोच और साझा लक्ष्यों पर आधारित है।

दोनों देश मिलकर दुनिया की कई बड़ी चुनौतियों का समाधान खोजने की दिशा में काम कर रहे हैं।

'भारत इनोवेट्स' युवाओं के लिए बड़ा मंच : मोदी ने कहा कि 'भारत इनोवेट्स' भारतीय प्रतिभा और यूरोपीय निवेश को जोड़ने वाला मंच है। इससे भारतीय स्टार्टअप्स, युवा उद्यमियों और नए आइडिया को दुनिया के बड़े निवेशकों और विशेषज्ञों तक पहुंचने का मौका मिलेगा।

भारत स्टार्टअप्स का बड़ा केंद्र : प्रधानमंत्री ने कहा कि कार्यक्रम में 100 से ज्यादा स्टार्टअप्स शामिल हैं, लेकिन भारत में 2 लाख से ज्यादा स्टार्टअप्स काम कर रहे हैं। ये स्टार्टअप्स भारत के साथ-साथ दुनिया की अर्थव्यवस्था और तकनीकी विकास में भी योगदान दे रहे हैं।

नई तकनीकें बदलेंगी भविष्य : मोदी ने कहा कि दुनिया कई चुनौतियों से गुजर रही है, लेकिन हर चुनौती नए मौके भी लेकर आती है। एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, बायोटेक्नोलॉजी और अंतरिक्ष तकनीक जैसी नई तकनीकें आने वाले समय में दुनिया का भविष्य तय करेंगी।

मैक्रों बोले- भारत इनोवेशन का देश

युवा दे रहे हैं समस्याओं का समाधान : प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में स्टार्टअप क्रांति चल रही है। देश के युवा नई सोच के साथ लोगों की समस्याओं का हल निकाल रहे हैं।

मैक्रों बोले भारत ग्लोबल इनोवेशन का नेतृत्व कर रहा : मैक्रों ने कहा कि भारत रिसर्च, इनोवेशन और तकनीकी विकास के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। भारत हर साल यूरोप और अमेरिका को मिलाकर जितने इंजीनियर तैयार होते हैं, उतने इंजीनियर तैयार करता है।

दुनिया भारत के साथ इनोवेशन करना चाहती है : मैक्रों ने कहा कि अब सवाल यह नहीं है कि भारत इनोवेशन करता है या नहीं। सवाल यह है कि दुनिया में कौन भारत के साथ मिलकर इनोवेशन करेगा।

एआई में खुले और सहयोगी मॉडल का समर्थन :

उन्होंने कहा कि कुछ देश एआई मॉडल्स को सीमित करना चाहते हैं। लेकिन भारत और फ्रांस खुले, बहुभाषी और सहयोगी एआई मॉडल के पक्षधर हैं।

मोदी के नेतृत्व की तारीफ : मैक्रों ने नरेंद्र मोदी को स्वतंत्रता के बाद सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उनकी दृढ़ कार्यशैली, भारत की ताकत और नेतृत्व क्षमता को दर्शाता है।

ऊर्जा और जलवायु पर साथ काम कर रहे दोनों देश : मैक्रों ने इंटरनेशनल सोलर अलायंस, जैतापुर परमाणु परियोजना और एसएमआर तकनीक का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस ऊर्जा आत्मनिर्भरता और जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

निर्मला सीतारमण ने राहुल गांधी पर साधा निशाना

कहा- मोदी विरोध में देश की उपलब्धियों को कमतर आंक रहे

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी और केंद्र सरकार का विरोध करने के चक्कर में भारत और यहां के लोगों की उपलब्धियों को नीचा दिखा रहे हैं।

वित्त मंत्री ने क्या कहा :

सीतारमण बेंगलूरू में 'विकसित भारत संकल्प समावेश' कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। यह कार्यक्रम पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के 12 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा, लोकसभा में विपक्ष के नेता जब भी बोलते हैं, तो वे हर चीज की आलोचना करते हैं। उन्हें लगता है कि वे सरकार को निशाना बना रहे हैं, लेकिन असल में वे देश की उपलब्धियों को कम करके आंकते हैं।

वित्त मंत्री ने राहुल गांधी पर साधा निशाना :

वित्त मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी कोरोना महामारी और पश्चिम एशिया के युद्ध जैसे बड़े संकटों के दौरान भी भारत की सफलताओं को अनदेखा कर देते हैं। उन्होंने साफ किया कि देश में कोई संकट नहीं आने वाला है, जैसा कि राहुल गांधी दावा कर रहे हैं। राहुल गांधी अक्सर कहते हैं कि अगले कुछ हफ्तों में सब कुछ बिखर जाएगा या कोई बड़ी आपदा आएगी, लेकिन भारत के सामने ऐसी कोई स्थिति नहीं है।

सीतारमण ने जोर देकर कहा कि भारत साल दर साल दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ सरकार का दावा नहीं है, बल्कि जीडीपी के आंकड़े और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) भी यही कह रहे हैं।

उन्होंने पश्चिम एशिया के संकट का उदाहरण देते हुए कहा कि इस कठिन समय में भी प्रधानमंत्री ने देश में ईंधन (तेल) की सप्लाई रुकने नहीं दी। वित्त मंत्री ने समझाया कि पश्चिम एशिया से ईंधन लाना बहुत चुनौतीपूर्ण काम था, लेकिन सरकार ने इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। उनके अनुसार, राहुल गांधी का यह कहना गलत है कि देश में सब कुछ खत्म होने वाला है, क्योंकि भारत लगातार तरक्की कर रहा है।

टीएमसी की बागी सांसद काकोली घोष का एलान

त्रिपुरा की नेशनलिस्ट सिटीजंस पार्टी में होगा विलय

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस में भारी बगावत हो गई है। पार्टी के भीतर की कलह अब संसद तक पहुंच गई है।

टीएमसी के बागी सांसदों ने एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने त्रिपुरा की 'नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी' के साथ विलय का एलान कर दिया है। बागी सांसदों ने यह कदम दलबदल विरोधी कानून से बचने के लिए उठाया है। इस फैसले से अपनी सांसदी बचाने की रणनीति तैयार की गई है। इस बड़े धमाके से दिल्ली से लेकर कोलकाता तक की राजनीति गरमा गई है।

इस एलान से पहले रविवार को काकोली घोष दस्तीदार, सुदीप बंदोपाध्याय और शताब्दी रॉय सहित टीएमसी के बागी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। इन बागी सांसदों ने लोकसभा के भीतर खुद के लिए अलग बैठने की व्यवस्था करने की औपचारिक मांग की है। बागी गुट का दावा है कि उनके साथ टीएमसी के 28 में से 20 से 22 लोकसभा सांसद मौजूद हैं। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष से संसद के भीतर उन्हें असली टीएमसी विधायी दल के रूप में मान्यता देने की अपील की है। स्पीकर से मिलने से पहले इन बागी सांसदों ने भाजपा के पश्चिम बंगाल प्रभारी और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के दिल्ली आवास पर जाकर लंबी रणनीति बैठक की। इस बैठक में सयानी घोष और माला रॉय भी शामिल थीं।

'नेशनलिस्ट सिटीजन पार्टी' में विलय क्यों?

कानूनी तौर पर सदन में सीधे किसी 'अलग गुट' को मान्यता मिलना नामुमकिन है। सदस्यता बचाने के लिए किसी मूल दल के साथ विलय अनिवार्य है। सूत्रों के मुताबिक, बागी सांसद पहले इस पार्टी में विलय करेंगे। इसके बाद नया संयुक्त मोर्चा केंद्र में भाजपा नीत एनडीए गठबंधन को अपना समर्थन सौंप देगा। हालांकि, इस विलय को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन इसे सबसे मजबूत विकल्प के रूप में देखा जा रहा है।

ममता बनर्जी कैंप का पलटवार

जैसे ही बगावत की खबर फैली, ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली मूल टीएमसी ने भी जवाबी कानूनी कार्रवाई तेज कर दी। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने रविवार को ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक कड़ा पत्र भेजा। कीर्ति आजाद और सागरिका घोष ने इस पत्र को व्यक्तिगत रूप से स्पीकर को सौंपा।

हर नागरिक तक पहुंची सस्ती और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)। पिछले 12 साल में देश में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को आम लोगों के लिए सस्ता और आसानी से उपलब्ध बनाने की दिशा में लगातार काम किया गया है। ये कहना है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का। पीएम मोदी ने रविवार को कहा कि स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए सरकार आगे भी ऐसी सभी पहल जारी रखेगी।

पीएम मोदी ने की तारीफ :

पीएम मोदी ने कहा कि सरकार को इस बात पर गर्व होता है कि भारत को दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना आयुष्मान भारत के लिए जाना जाता है, जो समाज के सबसे जरूरतमंद लोगों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराती है।

योजना से बड़ी संख्या में मिला लाभ :

उन्होंने 'एक्स' पर कहा कि पिछले 12 साल में भारत ने बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक किफायती और सुलभ बनाने के लिए लगातार काम किया है। मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना जैसी योजनाओं ने दवाइयों, स्टेंट और घुटने के प्रतिरोपण को किफायती बनाया है, जिससे बड़ी संख्या में लोगों को लाभ मिला है।

पहले की तुलना में बदली स्थिति :

उन्होंने कहा कि साथ ही, अधिक संस्थानों और सीट की उपलब्धता के कारण मेडिकल शिक्षा लोगों की पहुंच में पहले की तुलना में अधिक सुलभ हो गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए हम अब तक हुई प्रगति को आगे बढ़ाते हुए लगातार काम करते रहेंगे।

पीएम मोदी के नेतृत्व में की प्रगाति :

केंद्र सरकार के नागरिक सहभागिता मंच 'माईगोव इंडिया' के मुताबिक, स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुंच सुनिश्चित करना किसी भी देश के लिए सबसे महत्वपूर्ण निवेशों में से एक है। 'माईगोव इंडिया' पर बताया गया कि पिछले 12 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं ज्यादा लोगों तक, ज्यादा कुशलता से और कम खर्च में पहुंचाने की दिशा में बड़ी प्रगति की है। आज देश का स्वास्थ्य देखभाल तंत्र नागरिकों के लिए अधिक सुलभ, अधिक लचीला और भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार है।

'माईगोव इंडिया' के मुताबिक, एक मजबूत स्वास्थ्य देखभाल तंत्र की शुरूआत अधिक चिकित्सकों, बेहतर प्रशिक्षण और मेडिकल शिक्षा तक व्यापक पहुंच से होती है।

नक्सल प्रभावित इलाकों में हजारों करोड़ों की विदेशी फंडिंग

अमेरिकी संगठन पर भी कार्रवाई यूएपीए के तहत मामला दर्ज

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)। देश के वामपंथी उग्रवाद (नक्सल) प्रभावित इलाकों तक विदेशी धन पहुंचने के आरोपों ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शिकायत के आधार पर बेंगलूरू पुलिस ने अमेरिका स्थित एक संगठन समेत सात लोगों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। आरोप है कि विदेशी डेबिट कार्डों के जरिए करोड़ों रुपये भारत में निकाले गए और इस धन का कुछ हिस्सा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचा। इसी वजह से मामले को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़कर भी देखा जा रहा है।

प्राथमिकी के अनुसार जांच के दौरान छत्तीसगढ़ के धमतरी और बस्तर जैसे वामपंथी उग्रवाद प्रभावित इलाकों में संदिग्ध नकदी निकासी के मामले सामने आए हैं।

'अमेरिका माफी मांगने की जगह धमकी दे रहा'

सरकार के रुख पर प्रियंका गांधी ने साधा निशाना, कह दी बड़ी बात

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस की दिग्गज नेता और सांसद प्रियंका गांधी ने अमेरिका पर मोदी सरकार के रुख को लेकर निशाना साधा है। प्रियंका ने कहा कि अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों की हत्या के बाद मोदी सरकार का मौन शर्मनाक है। अमेरिका इन हत्याओं पर अफसोस जताने और माफी मांगने की जगह धमकी और आदेश की भाषा इस्तेमाल कर रहा है।

भारत एक संप्रभु और स्वतंत्र देश :

कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि अमेरिका को सख्ती से यह बताने की जरूरत है कि भारत एक संप्रभु और स्वतंत्र देश है, जो अपनी संप्रभुता की रक्षा करना जानता है। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री न देशवासियों की सुरक्षा कर पा रहे हैं, न ही देश की संप्रभुता की।

यूएस से माफी की मांग करनी चाहिए :

बता दें कि इससे पहले भी कांग्रेस के कई नेता इस मुद्दे पर मोदी सरकार की आलोचना कर चुके हैं। पार्टी नेता पवन खेड़ा ने कहा था कि सरकार को अमेरिका से माफी की मांग करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय कानून हैं और किसी संघर्ष के दौरान आप किसी तीसरे देश के कमर्शियल जहाज पर हमला नहीं कर सकते। विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान का जिक्र करते हुए खेड़ा ने कहा कि भारतीयों की जान जाने के बावजूद भारत की प्रतिक्रिया बहुत नरम लगी।

भारत का पक्ष स्पष्ट करने का आग्रह :

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने भी अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की टिप्पणियों की आलोचना करते हुए कहा कि उनमें सहानुभूति की कमी थी। वे बेवजह टकराव वाला रवैया अपना रहे थे। उन्होंने जयशंकर से बातचीत का विवरण सार्वजनिक करने और भारत का पक्ष स्पष्ट करने का आग्रह किया।

नाकेबंदी के उल्लंघन का लगा था आरोप :

बता दें कि ओमान की खाड़ी में अमेरिकी सेना ने पलाऊ के झंडे वाले टैंकर 'एमटी सेटेबेलो' पर हमला किया था, जिसमें तीन भारतीय नाविक मारे गए थे। अमेरिकी सेना का आरोप था कि इस जहाज ने ईरानी बंदरगाहों पर लगाए गए नाकेबंदी (ब्लॉकेड) का उल्लंघन किया था। यह टैंकर रणनीतिक रूप से अहम 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' के पास से गुजर रहा था, तभी उस पर हमला हुआ।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास हुआ था हमला :

हमले के वक्त जहाज पर 24 भारतीय क्रू मेंबर सवार थे। केंद्रीय शिपिंग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने पुष्टि की थी कि जिन 3 नाविकों के लापता होने की खबर थी, उन्हें मृत घोषित कर दिया गया है और उनके शव भारत लाए जाएंगे। यह घटना 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' के पास कमर्शियल जहाजों पर हुए हमलों की कड़ी में एक और घटना है। यह दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है।

भारतीय फौज ने उतारे गुलामी के दौर के निशान

अब परेड में रिव्यूइंग अफसर तलवार नहीं रखेगा, पहली बार फॉर्मल ड्रेस में बंदी जैकेट शामिल

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने जवानों की यूनिफॉर्म से गुलामी के दौर की निशानियों को हटा दिया है। 174 पेज की नई 'आर्मी यूनिफॉर्म-2026' बुक में कॉलोनियल एरा के नियमों में भी बदलाव किया है। सेना का कहना है कि ये बदलाव भारत की संप्रभु पहचान और राष्ट्रीय भावना के मुताबिक किए गए हैं।

नए नियमों में रिव्यूइंग ऑफिसर के लिए परेड में तलवार रखना वैकल्पिक कर दिया गया है। वहीं, कुछ मैस ड्रेस के साथ इस्तेमाल होने वाली पाउच बेल्ट हटाई गई है। इसके साथ ही रॉयल जैसे पुराने शब्दों का इस्तेमाल बंद किया गया है।

पहली बार फॉर्मल सिविल ड्रेस में स्वदेशी बंदी जैकेट को भी शामिल किया गया है। बंद गले वाली बंदी जैकेट को फुल स्लीव शर्ट, फॉर्मल ट्राउजर और बंद जूतों के साथ पहना जा सकेगा। सेना इससे पहले फरवरी 2023 में भी कई पुरानी परंपराएं खत्म कर चुकी है। इनमें समारोहों में घोड़ा-गाड़ी का इस्तेमाल, रिटायरमेंट के दौरान 'पुल आउट' इवेंट और डिनर में पाइप बैंड की परंपरा शामिल थी।

'कॉकरोच जनता पार्टी' ने शहर में किया पहला विरोध प्रदर्शन

देश को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएं युवा : सोनम वांगचुक

हैदराबाद, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। देशभर में चर्चा में रही 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) ने रविवार को हैदराबाद में अपना पहला विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। धरना चौक पर आयोजित इस विशाल प्रदर्शन में नीट परीक्षा पेपर लीक और शिक्षा प्रणाली में अनियमितताओं के खिलाफ जोरदार विरोध जताया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया, साथ ही पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अकुनुरी मुरली तथा अन्य लोग भी उपस्थित रहे। प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सोनम वांगचुक ने युवाओं से आह्वान किया कि वे देश को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि

नीट पेपर लीक के खिलाफ धरना चौक पर जोरदार प्रदर्शन

वे किसी भी व्यक्तिगत स्वार्थ या राजनीतिक महत्वाकांक्षा से प्रेरित नहीं हैं और न ही शिक्षा मंत्री बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि 'कॉकरोच जनता पार्टी' कोई सत्ता प्राप्ति का मंच नहीं बल्कि जनजागरूकता फैलाने का आंदोलन है। उन्होंने कहा कि यह पहल युवाओं को जागरूक करने और शिक्षा प्रणाली की खामियों को उजागर करने के लिए है। उन्होंने परीक्षा प्रणाली में बार-बार होने वाली गड़बड़ियों और पेपर लीक जैसी समस्याओं को समाप्त करने की मांग की। उन्होंने कहा कि जब भी प्रणाली विफल होती है, तो जिम्मेदारी तय होनी चाहिए, चाहे वह मंत्री हों या प्रधानमंत्री। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को भी शिक्षा जितना ही महत्वपूर्ण बताया और स्वच्छ हवा तथा पानी को भविष्य की पीढ़ियों के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने हैदराबाद के लोगों के पर्यावरण संघर्ष की सराहना की और इसे देश के लिए एक उदाहरण बताया। इस अवसर पर अकुनुरी मुरली ने कहा कि देश में अपार संपदा होते हुए भी बेरोजगारी गंभीर समस्या बनी हुई है। उन्होंने शिक्षा मंत्री पर आरोप लगाते हुए कहा कि छात्रों के साथ अन्याय हुआ है और उनके इस्तीफे की मांग की।

पीएम मोदी ट्रंप के सामने भारतीय नाविकों की मौत का मुद्दा उठाएंगे? कांग्रेस का सवाल

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस सप्ताह होने वाली मुलाकात से पहले कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस ने सवाल उठाया है कि क्या प्रधानमंत्री मोदी ओमान तट के पास एक जहाज पर हुए अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत का मुद्दा ट्रंप के सामने मजबूती से उठाएंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जल्द ही अपने 'स्वयं घोषित अच्छे मित्र' राष्ट्रपति ट्रंप से मिलने वाले हैं। ऐसे में देश के नागरिक यह जानना चाहते हैं कि क्या मोदी अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत पर भारत की कड़ी आपत्ति दर्ज कराएंगे। साथ ही उन्होंने यह भी पूछा कि क्या मोदी अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो द्वारा विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बातचीत में इस्तेमाल की गई कथित 'धमकी भरी और अस्वीकार्य भाषा' का मुद्दा भी उठाएंगे।

जयराम रमेश ने कहा कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर भी जल्द भारत आने वाले हैं ताकि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि फरवरी 2026 में घोषित अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे के तहत मोदी सरकार ने ऐसे बड़े समझौते किए हैं जो भारतीय किसानों और उद्योगों के हितों के लिए नुकसानदेह साबित हो सकते हैं। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रंप प्रशासन के टैरिफ ढांचे को निरस्त किए जाने के बाद मलेशिया जैसे देशों ने अमेरिका के साथ अपने व्यापार समझौतों को अमान्य घोषित कर दिया है। इसके बावजूद भारत सरकार ने न तो इस व्यापार समझौते पर पुनर्विचार किया है और न ही अमेरिकी दावों का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने दावा किया है कि भारत अगले पांच वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर का सामान खरीदेगा, जिससे अमेरिकी आयात लगभग दोगुना हो जाएगा।

ट्रक से टकराई कार; तीन युवकों की दर्दनाक मौत

जम्मू, 14 जून (एजेंसियां)। श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार तड़के हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा जम्मू के नगरोटा क्षेत्र के जगती-कारली इलाके में सुबह करीब 2:15 बजे हुआ।

जानकारी के अनुसार एक कार की तेज रफ्तार ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल ने उपचार के दौरान सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) जम्मू में दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान हरियाणा निवासी सिकंदर सैफी, शक्ति और मोहित वर्मा के रूप में हुई है।

वहीं, हादसे में घायल दीपक वर्मा और कुलदीप शर्मा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

द्रौपदी मुर्मू के ससुराल जाएंगे पीएम मोदी

20 जून को ओडिशा में करेंगे विकास परियोजनाओं का उद्घाटन

मयूरभंज, 14 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 जून को ओडिशा के मयूरभंज जिले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के ससुराल वाले गांव पहाड़पुर जाएंगे। पीएम मोदी यहां कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। पहाड़पुर, मुर्मू के दिवंगत पति श्याम चरण मुर्मू का पैतृक गांव है। यह रायरंगपुर शहर से लगभग 20 किलोमीटर दूर है, जहां ओडिशा में बीजेपी सरकार की दूसरी वर्षगांठ का मुख्य राज्य-स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। द्रौपदी मुर्मू का जन्म रायरंगपुर सब-डिविजन के ऊपरबेड़ा गांव में हुआ था और उनकी शादी पहाड़पुर के श्याम चरण मुर्मू से हुई थी। 2022 में राष्ट्रपति का पद संभालने से पहले ही उनके पति और दो बेटों का निधन हो गया था।

गांव में मुर्मू के पति और बेटों की याद में एक स्मारक बनाया गया है। अधिकारियों के अनुसार, 20 जून को रायरंगपुर के डंडाबोश

में एक बड़ा सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के साथ-साथ ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा, नए बुनियादी ढांचे के कामों की आधारशिला रखी जाएगी और वहां मौजूद नेता जनसभा को संबोधित करेंगे। राज्य सरकार ने आधिकारिक बयान में कहा कि सार्वजनिक कार्यक्रम से पहले, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री पहाड़पुर गांव जाएंगे। यहां वे स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेंगे और क्षेत्रीय उपलब्धियों और पहलों की प्रदर्शनी में भी पहुंचेंगे।" इस बीच, ओडिशा सरकार ने मयूरभंज जिले में वीवीआईपी दौरे की तैयारियां तेज कर दी हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू के 19 जून को रायरंगपुर पहुंचने का कार्यक्रम है, जबकि प्रधानमंत्री 20 जून को राज्य-स्तरीय समारोह में शामिल होंगे। दौरे से पहले, मुख्य सचिव अनु गर्ग ने शनिवार को एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और अधिकारियों को तय समय-सीमा के भीतर सभी तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया।

शरद पवार को रामदास अठावले की सलाह

कहा- कांग्रेस में जाने के बजाय एनडीए का हिस्सा बनें

मुंबई, 14 जून (एजेंसियां)। मुंबई में विपक्षी कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) के बीच संभावित विलय की चर्चाओं के बीच केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले का बड़ा बयान आया है। अठावले ने कहा है कि शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी को कांग्रेस में जाने के बजाय भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए (एनडीए) में शामिल हो जाना चाहिए। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले गुट) के प्रमुख अठावले ने शनिवार को कहा, उन्होंने खुद अतीत में पवार को अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय करने की सलाह दी थी। हालांकि, उनका मानना है कि अब कांग्रेस के पास कोई ताकत नहीं बची है।

अठावले ने चुटकी लेते हुए कहा कि कांग्रेस में जाने के बजाय उन्हें एनडीए में आना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अगर पवार को भाजपा से कोई परेशानी है, तो वे अपनी पार्टी का विलय आरपीआई में कर सकते हैं। हाल ही में शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने सुझाव दिया था कि टीएमसी और एनसीपी (एसपी) जैसी पार्टियों को कांग्रेस में वापस लौट जाना चाहिए। ये पार्टियां कांग्रेस छोड़कर ही बनी थीं। राउत का मानना है कि इन पार्टियों की वापसी से भाजपा के खिलाफ एक मजबूत विकल्प तैयार होगा।

राउत ने यह भी कहा था कि शरद पवार को छोटी पार्टियों का कांग्रेस में विलय कराने की पहल करनी चाहिए। राउत की यह टिप्पणी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में टीएमसी के प्रदर्शन के बाद आई थी।

होर्मुज में तीन भारतीयों की मौत पर

आया शशि थरूर का पहला रिएक्शन, अमेरिका के बयान संवेदनहीन

कोच्चि, 14 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने होर्मुज में तीन भारतीय क्रू मेंबर्स की मौत को लेकर अमेरिका की आलोचना की और वॉशिंगटन के रवैये पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आधिकारिक बयान में अफसोस या संवेदना भी जाहिर नहीं की गई। कांग्रेस नेता ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अमेरिका का यह आधिकारिक बयान पढ़कर गहरा सदमा लगा है, जिसमें बेगुनाह भारतीयों की मौत पर अफसोस या संवेदना जाहिर करने वाली कोई बात नहीं है।

कोई दोस्त और रणनीतिक साझेदार इतना असंवेदनशील कैसे हो सकता है?। कांग्रेस सांसद थरूर ने सवाल उठाया कि संबंधित जहाज को रोकने के लिए दूसरे तरीकों का इस्तेमाल क्यों नहीं किया गया। उन्होंने पूछा, नियम न मानने वाले कमर्शियल जहाज को दूसरे तरीकों से क्यों नहीं रोका जा सका? उन्होंने आगे कहा, क्या मिसाइल दागे बिना जहाज के प्रोपल्शन या स्टीयरिंग को बेकार करना मुमकिन नहीं है? विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के सामने तीन भारतीय नाविकों की मौत का मुद्दा उठाया, जबकि वॉशिंगटन ने सख्ती से कहा कि उनकी नौसैनिक नाकेबंदी के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रुबियो के साथ फोन पर बातचीत के बाद जयशंकर ने कमर्शियल जहाजों के खिलाफ अमेरिकी सेना की जानलेवा कार्रवाई को अनुचित बताया। 8 जून को अमेरिकी सेना ने पलाऊ के झंडे वाले एक ऑयल टैंकर मैरीवेल्स को निशाना बनाया, जिस पर 24 भारतीय नाविक सवार थे।

हालांकि जहाज पर मौजूद सभी क्रू सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया। 10 जून को अमेरिका ने पलाऊ के झंडे वाले एक और टैंकर 'सेंटेबेलो' पर हमला किया, जिस पर 24 भारतीय नाविक सवार थे। इस हमले में 3 भारतीयों की मौत हो गई। गुरुवार को एक और जहाज 'जलवीर' पर हमला हुआ, जो गिनी-बिसाऊ के झंडे वाला टैंकर था और उस पर 20 भारतीय नागरिक सवार थे।

बालेश्वर में हादसा: श्रद्धालुओं से भरी बस डिवाइडर से टकराई, ड्राइवर की मौत; 20 से अधिक घायल

भुवनेश्वर, 14 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के बालेश्वर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-16 पर रविवार तड़के एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। सोरो थाना क्षेत्र के आदिरूपा पेट्रोल पंप के निकट आंध्र प्रदेश लौट रही एक तीर्थयात्री बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बस चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक यात्री घायल हो गए। घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, मृत चालक की पहचान के. वेंकटेश्वर (54) के रूप में हुई है। घायलों में बी. नारायण, बी. सनसमा, मेगायम पद्मा, के. रामबाओ, सुशीला, बी. रामलामा, एम. नरसिंहम, पी. गोविंदा, के. रंगदेश्वरम और जी. श्यामसुंदरम के रूप में हुई है।

बताया गया है कि आंध्र प्रदेश के विजयनगरम से 'श्री लक्ष्मी' नामक निजी बस करीब 45 तीर्थयात्रियों को लेकर पश्चिम बंगाल के विभिन्न धार्मिक स्थलों की यात्रा पर गई थी। सभी यात्री कोलकाता से वापस आंध्र प्रदेश लौट रहे थे। इसी दौरान भोर में सोरो क्षेत्र से गुजरते समय चालक बस पर नियंत्रण खो बैठा और वाहन सीधे डिवाइडर से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया

'हम हिटलर जैसे नहीं, दरवाजे खुले रखने चाहिए'

पाकिस्तान से वार्ता पर बोले मोहन भागवत, होसबले का किया बचाव

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी दत्तात्रेय होसबाले के उस बयान का बचाव किया, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए एक विकल्प खुला रखने की बात कही थी। भागवत ने दो टूक कहा कि होसबाले ने पड़ोसी देश के लोगों के संदर्भ में यह बात कही थी। संघ प्रमुख ने कहा कि संगठन पाकिस्तान के संबंध में केंद्र सरकार की नीति का पालन करेगा। मोहन भागवत ने आरएसएस के शताब्दी समारोह के तहत आयोजित एक संवाद सत्र में कहा कि पाकिस्तान में ऐसे कई लोग हैं जो मानते हैं कि भारत का बंटवारा गलत था। वहां के कई पत्रकार आरएसएस और उसके काम की तारीफ करते हैं। वहां ऐसे लोगों की एक बड़ी संख्या है जो पाकिस्तान के खिलाफ और दो-राष्ट्र सिद्धांत के विरोध में हैं और कहते हैं कि साथ रहना बेहतर था मोहन भागवत ने कहा कि भविष्य में किसी युद्ध में अगर भारत पाकिस्तान को बुरी तरह हराता है, तो वहां के लोगों को या तो भारत में शामिल करना होगा या फिर उन्हें उसी देश में शांति से रहने लायक बनाना होगा। इसके लिए बातचीत के दरवाजे खुले रखने होंगे। उन्होंने आगे कहा कि हम हिटलर जैसे नहीं हैं।

यह हमारा स्वभाव या तरीका नहीं है। इसलिए हमें कोई न कोई रास्ता खुला रखना चाहिए। हमें अन्याय और अत्याचार को खत्म करना चाहिए, लेकिन जो अच्छा है, उसे भी बचाकर रखना चाहिए। दरअसल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने कहा था कि भारत को पाकिस्तान के साथ बातचीत के दरवाजे बंद नहीं करने चाहिए। उनके इस बयान को लेकर काफी विवाद खड़ा हो गया था। अब इसी मुद्दे पर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अहम टिप्पणी की है। होसबाले की टिप्पणी पर भागवत ने कहा कि उनका संदर्भ देश के बजाय वहां के लोगों से था। संघ प्रमुख ने जोर देकर कहा कि आरएसएस की किसी भी देश के बारे में कोई स्वतंत्र विदेश नीति नहीं है और वह पड़ोसी देश के मामले में केंद्र सरकार के रुख का पालन करता है।

एक नाबालिग ने दो बहनों से किया दुष्कर्म

फिर करने लगा ब्लैकमेल, आरोपी गुजरात से गिरफ्तार

मुंबई, 14 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पालघर जिले से एक बड़ी घटना सामने आई है। पुलिस ने एक 23 साल के युवक को पड़ोसी राज्य गुजरात के भरूच से गिरफ्तार किया है। इस युवक पर एक महिला और उसकी नाबालिग बहन के साथ दुष्कर्म करने और उन्हें ब्लैकमेल करने का गंभीर आरोप है। यह मामला पालघर के डहाणू इलाके का है। करीब दो हफ्ते पहले जब इस अपराध का पता चला, तब से आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस ने पीड़ित बहनों की शिकायत पर एक जून को मामला दर्ज किया था। इस केस में भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो एक्ट की कड़ी धाराएं लगाई गई हैं।

पीड़ितों ने पुलिस को बताया था कि आरोपी उनका यौन शोषण कर रहा था और उन्हें ब्लैकमेल भी कर रहा था। आरोपी को पकड़ने के लिए पालघर पुलिस ने एक बड़ा अभियान चलाया। पुलिस ने कई टीमें बनाईं और उन्हें पड़ोसी राज्यों में भेजा। काफी तलाश के बाद पुलिस ने आरोपी को भरूच से पकड़ लिया।

'चावल न लेने वालों के लिए डिजिटल मनी प्लान और राशन की दुकानों पर ज्यादा विकल्प': मंत्री नादेन्डला मनोहर

अमरावती, 14 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में सिविल सप्लाई मंत्री नादेन्डला मनोहर की सक्रिय लीडरशिप में पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम (पीडीएस) में बड़े बदलाव की तैयारी है। सरकार डिजिटल करेंसी के जरिए चावल के बदले राशन की दुकानों पर और भी सामान उपलब्ध कराने पर विचार कर रही है। मंत्री मनोहर ने बताया कि इस सिस्टम से राशन कार्ड धारकों को क्या फ़ायदा होगा, सरकार सिविल सप्लाई कॉर्पोरेशन को घाटे से उबारने के लिए क्या योजना बना रही है, क्या सरकार राशन के चावल की क्वालिटी बेहतर कर सकती है और इसकी हेराफेरी रोक सकती है? सिविल सप्लाई कॉर्पोरेशन धान खरीदता है, उसकी मिलिंग करवाता है

और पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम के ज़रिए लगभग 40 लाख परिवारों को चावल सप्लाई करता है। जहाँ 51 प्रतिशत चावल नेशनल फ़ूड सिक्योरिटी एक्ट के तहत आता है, वहीं बाकी का बोझ राज्य सरकार उठाती है। चावल की आर्थिक लागत लगभग 46 रुपये प्रति किलोग्राम होने के कारण, क्वालिटी सुनिश्चित करना और दुरुपयोग रोकना मुख्य प्राथमिकताएँ हैं। हमने मिड-डे मील स्कीम में

पायलट आधार पर बीपीटी और सोना मसूरी जैसी बढ़िया क्वालिटी के चावल पहले ही शुरू कर दिए हैं। इसका रिस्पॉन्स बहुत अच्छा रहा; 98-99 प्रतिशत छात्रों ने घर से लाए खाने के बजाय स्कूल का खाना पसंद किया। इस सफलता से उत्साहित होकर, हम टेक्नोलॉजी-आधारित सुधारों के ज़रिए पीडीएस को मज़बूत कर रहे हैं। उचित मूल्य की दुकानों की निगरानी के लिए मोबाइल ऐप का इस्तेमाल किया जा रहा है, और ऐप-आधारित सिस्टम के ज़रिए हर महीने कम से कम छह दुकानों का निरीक्षण किया जाता है। हेराफेरी रोकने के लिए संवेदनशील इलाकों में चेक पोस्ट भी बनाए गए हैं।

भाजपा नेता के कत्ल के बाद बवाल

हिंदूवादी नेताओं और लोगों ने आरोपी के घर में लगाई आग, भीड़ बेकाबू; इंटरनेट बंद

विकासनगर (देहरादून), 14 जून (एजेंसियां)। सहसपुर कोतवाली क्षेत्र के बैरागीवाला में देर रात भाजपा के ओबीसी मोर्चा के मीडिया प्रभारी विनोद की पीट कर हत्या के बाद गांव में सांप्रदायिक तनाव की स्थिति बनी हुई है। आज आरोपी के घर को जेसीबी से तोड़ने की मांग करते हुए बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता और स्थानीय लोग गांव में एकत्र हो गए। भीड़ में आप के घर में आग लगा दी है। पुलिस भीड़ को काबू करने का प्रयास कर रही है। जानकारी के अनुसार, सहसपुर में पुरानी रंजिश के चलते पूर्व प्रधान इस्हाक के भतीजे और अन्य लोगों ने मिलकर विनोद उसके भाई अशोक व राजेश पर हथियारों से हमला कर दिया था।

विनोद और उसके परिवार ने पूर्व प्रधान इस्हाक के कार्यकाल की सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत कई जानकारी मांगी थी। उन्होंने प्रधान के कार्यकाल में ग्राम समाज की भूमि और अन्य मामलों में शिकायत भी दर्ज करवाई थी। इससे दोनों पक्षों में रंजिश पैदा हो गई थी। दोनों परिवारों में अक्सर झगड़े होते रहते थे।

विनोद और उनके भाई सरकारी ट्यूबवेल से अपने खेत में पानी डाल रहे थे। बगल का खेत पूर्व प्रधान इस्हाक के भतीजे इम्तियाज का था। इम्तियाज के आपत्ति जताने पर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। इस दौरान अमन, यूनुस, अनीस और रज्जाक आदि भी मौके पर आ गए। फिर दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। आरोप है कि इम्तियाज और उसके साथियों ने विनोद, अशोक और राजेश पर भारी और धारदार हथियारों से हमला बोल दिया। रज्जाक ने विनोद के सिर पर हथौड़े से तीन वार किए। अन्य दोनों भाइयों को भी जमकर पीटा। घायल अवस्था में तीनों भाइयों को हरबर्टपुर स्थित लेहमन अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में उपचार के दौरान विनोद की मौत हो गई।

'आंध्र प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में दो साल में सुधार हुआ है': मंत्री सत्य कुमार यादव

अमरावती, 14 जून (एजेंसियां)। स्वास्थ्य मंत्री वाई सत्य कुमार यादव ने कहा कि पिछले दो सालों में सरकारी अस्पतालों में साफ़ तौर पर सुधार हुआ है और ज़्यादा मरीज़ प्राइवेट अस्पतालों के बजाय सरकारी सुविधाओं को चुन रहे हैं।

मंत्री ने कहा कि जवाबदेही, डिजिटल सुधार और हेल्थकेयर में देरी को खत्म करने पर ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि सीएम चंद्रबाबू नायडू के 'संजीवनी' मॉडल के ज़रिए 'आरोग्यांध्र प्रदेश' का लक्ष्य है, जिसका मकसद अस्पताल के अनावश्यक चक्कर कम करना और ग्रामीण-शहरी अंतर को पाटना है। उन्होंने कहा, मैं अक्सर मीडिया में सरकारी अस्पतालों के बाहर लोगों की लंबी कतारों की तस्वीरें देखता हूँ। इसका मतलब यह है कि ज़्यादा लोग सरकारी अस्पतालों में जा रहे हैं, जो इस बात का संकेत है कि जनता का सरकारी सुविधाओं पर भरोसा फिर से बढ़ रहा है। बिना इजाजत लंबे समय तक गैर-हाजिर रहने वालों के खिलाफ़ कार्रवाई के बाद, जिसमें 51 सीनियर डॉक्टरों को नौकरी

से निकालना भी शामिल है, दो सालों में स्टाफ़ की हाजिरी में सुधार हुआ है। विजयनगरम और कुरनूल जिलों के पीएचसी में ओपी (आउटपेशेंट) की संख्या ज़्यादा रही, जबकि प्रकाशम के एरिया अस्पतालों में लैब टेस्ट में अच्छी बढ़ोतरी देखी गई। विजाग और कुरनूल के बड़े सरकारी टीचिंग अस्पतालों में भी 2023-24 की तुलना में ज़्यादा सर्जरी हुईं। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार ने आयुष और डॉक्टरों के लिए 123.95 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता हासिल की है और एलोपैथी के साथ-साथ पारंपरिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए छह इंटीग्रेटेड आयुष अस्पतालों को मंज़ूरी दी है।

सीएम नायडू सिंगापुर में निवेशकों को लुभाएंगे

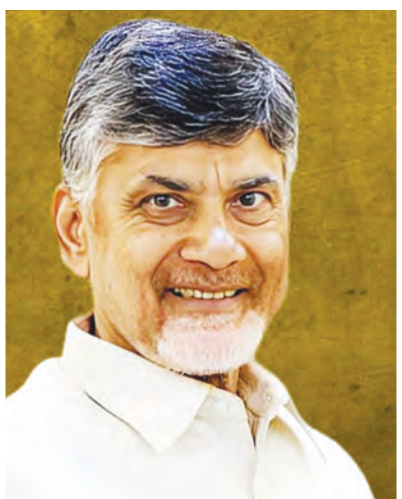

अमरावती, 14 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू 15 और 16 जून को सिंगापुर का दौरा करेंगे। इस दौरे का मकसद निवेश आकर्षित करना और अमरावती व अन्य अहम इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के विकास के लिए सहयोग की संभावनाएं तलाशना है।

तय कार्यक्रम के अनुसार, नायडू 15 जून को वह सिंगापुर में भारत के हाई कमिश्नर शिल्पाक अंबुले से सिंगापुर के समय के अनुसार सुबह 10:30 बजे मिलेंगे। इसके बाद वह स्टार्टअप वेंचर कैपिटलिस्ट के साथ एक राउंडटेबल कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेंगे और यूएन-हैबिटेट की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एनाक्लॉडिया रॉसबैक के साथ लंच मीटिंग में शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री सिंगापुर की सीनियर मिनिस्टर ऑफ स्टेट लो येन लिंग के साथ भी बातचीत करेंगे। बाद में, वह गूगल क्लाउड एशिया-पैसिफिक के प्रेसिडेंट करण बाजवा; जीआईसी की एग्जीक्यूटिव कमेटी के एडवाइजर लिम सियांग गुआन; वाईईपीच ग्रुप के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन रॉबर्ट याप; और नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के प्रेसिडेंट प्रोफेसर टैन एंग च्ये से मुलाकात करेंगे।

दौरे के दौरान, नायडू सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से मिलेंगे और सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे। वह सिंगापुर के विदेश मंत्री डॉ। विवियन बालाकृष्णन से भी मिलेंगे और कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) आंध्र प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से बातचीत करेंगे। गृह मंत्री के। षणमुगम और मैनपावर मंत्री डॉ। टैन सी लेंग के साथ भी बैठकें तय हैं। 16 जून को मुख्यमंत्री काकतीय कल्चरल एसोसिएशन द्वारा आयोजित सीबीएन@361 कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। वह एपीएसी सेमीकंडक्टर राउंडटेबल में हिस्सा लेंगे और सुरबाना जुरोंग-अमरावती प्लानिंग मीटिंग में शामिल होंगे। बाद में, वह सिंगापुर के डिप्टी प्राइम मिनिस्टर और ट्रेड एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर गन किम योंग के नेतृत्व वाली टीम के साथ बातचीत करेंगे।

मुख्यमंत्री वर्ल्ड सिटीज समिट में लीडरशिप प्लेनरी को संबोधित करेंगे और उसके बाद वर्ल्ड सिटीज समिट एग्जीबिशन का दौरा करेंगे, जहां वह सिंगापुर पैविलियन, इनोवेटर्स एली और गूगल टेक्नोलॉजीज़ के एग्जिबिट्स देखेंगे। उनका सीट्रियम के साथ एक बैठक में शामिल होने और बाद में सीआईआई पार्टनरशिप समिट 2026 बिजनेस रोडशो में भाग लेने का कार्यक्रम है, जो आंध्र प्रदेश के निवेश को बढ़ावा देने के प्रयासों का एक अहम हिस्सा है।

दो दिन के दौरे के दौरान मुख्यमंत्री के साथ म्युनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन और अर्बन डेवलपमेंट मंत्री पी। नारायण, स्पेशल चीफ सेक्रेटरी (म्युनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन) एस। सुरेश कुमार, इंडस्ट्रीज़ सेक्रेटरी एन। युवराज, एपी इकोनॉमिक डेवलपमेंट बोर्ड के सीईओ एन। शान मोहन और सीआरडीए अधिकारियों की एक टीम मौजूद रहेगी।

एंटी नारकोटिक्स टीम की बड़ी कार्रवाई:, 6 किलो हेरोइन बरामद पाकिस्तान से आया था नशे का सामान, 3 तस्कर गिरफ्तार

फिरोजपुर, 14 जून (एजेंसियां)। फिरोजपुर में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने तीन तस्करों को काबू किया है। तलाशी के दौरान तस्करों से छह किलो 155 ग्राम हेरोइन, दो किलो 795 ग्राम अफीम व अन्य नशीले पदार्थ बरामद किए गए हैं। एएनटीएफ ने उक्त तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एएनटीएफ फिरोजपुर रेंज के एआईजी गुरिंदरबीर सिंह के मुताबिक उनको गुप्त सूचना मिलने पर आरोपी दविंदर सिंह वासी धर्मकोट, जिला मोगा को तीन किलो 55 ग्राम हेरोइन के साथ काबू किया है। उक्त हेरोइन पाकिस्तान से मंगवाई गई थी। इसी तरह टीम ने आरोपी प्रेम सिंह वासी माछीवाड़ा को काबू कर उसके पास से तीन किलो 100 ग्राम हेरोइन बरामद की है।

ये हेरोइन किसी को सप्लाई करने जा रहा था। इसके अलावा एएनटीएफ की टीम ने शक की बुनियाद पर अमृतसर निवासी रणजीत सिंह की स्विफ्ट कार रोक कर तलाशी ली। तलाशी लेने पर कार में से दो किलो 795 ग्राम अफीम, 204 ग्राम नशीली जड़ी बूटी, 485 ग्राम सफेद नशीला पाउडर व एक किलो 35 ग्राम काले रंग का नशीला तरल पदार्थ बरामद हुआ है।

वाईएसआरसीपी प्रमुख जगन ने डीएससी -2025 को 'मेगा स्कैम' बताया

कडपा, 14 जून (एजेंसियां)। वाईएसआरसीपी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने आरोप लगाया कि 'मेगा डीएससी' असल में एक 'मेगा स्कैम' (बड़ा घोटाला) करने के लिए सोच-समझकर बनाई गई योजना थी। यह मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू और उनके बेटे नारा लोकेश (जो मंत्री-प्रभारी थे) की एक साजिश थी, जिसने काबिल उम्मीदवारों की ज़िंदगी को बुरी तरह नुकसान पहुँचाया। आज लाखों उम्मीदवार परेशान हैं और रो रहे हैं क्योंकि @एनसीबीएन सरकार ने उनके साथ हेरफेर और धोखा किया है। आंध्र प्रदेश ने पहले कभी इतनी खराब भर्ती प्रक्रिया नहीं देखी।

16,000 डीएससी पदों की भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने वाले सभी सुरक्षा उपायों को खत्म कर दिया गया और सभी संस्थागत जाँच-पड़ताल को कमज़ोर कर दिया गया। यह सब एक सोची-समझी धोखाधड़ी की योजना के तहत किया गया ताकि डीएससी भर्ती को पैसे कमाने वाले घोटाले में बदला जा सके। आंध्र प्रदेश के इतिहास में कभी भी भर्ती प्रक्रिया में इतने बड़े पैमाने पर गड़बड़ी नहीं हुई, जगन ने 'एक्स' पर पोस्ट किया। डीएससी लाखों बेरोजगार युवाओं की उम्मीदों और सपनों का प्रतीक है। डीएससी भर्ती प्रक्रिया में धांधली और भ्रष्टाचार, जिसे उस विभाग ने अंजाम दिया जिसके मंत्री-प्रभारी लोकेश हैं, बेहद निंदनीय है और इस स्थिति की सीबीआई जाँच होनी चाहिए, उन्होंने माँग की।

भ्रष्टाचार से भरी डीएससी भर्ती प्रक्रिया को कई स्तरों वाला घोटाला बताते हुए उन्होंने कहा कि टीडीपी सरकार ने बेहद असंवेदनशील और बेईमान तरीके से लाखों उम्मीदवारों की उम्मीदों का मज़ाक उड़ाया है। यह घोटाला बहुत गहरा है और इसे मौजूदा राज्य सरकार के शीर्ष लोगों, जिनमें मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री शामिल हैं, ने खतरनाक तरीके से रचा है। राज्य की जाँच एजेंसियाँ उन्हीं लोगों के अधीन काम करती हैं जिन्होंने यह घोटाला किया है, इसलिए, सच्चाई का पता लगाने के लिए सीबीआई जैसी स्वतंत्र एजेंसी से जाँच की ज़रूरत है, जगन ने 'एक्स' पर कहा।

सुविचार: जीवन है गलतियां होती रहती है, बस इरादे गलत नहीं होने चाहिए।

यादाद्री से लौट रहे श्रद्धालुओं की मिनीवैन दुर्घटनाग्रस्त, एक की मौत

नालगोंडा, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नालगोंडा जिले के यदगिरिपल्ली क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना उस समय हुई जब श्रद्धालु यादाद्री स्थित यदगिरिगुट्टा मंदिर में दर्शन करने के बाद वापस लौट रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रद्धालुओं को लेकर जा रही एक मिनीवैन अचानक अनियंत्रित होकर सड़क के डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन पलटकर सड़क किनारे जा गिरा, जिससे उसमें सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना में एक यात्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके अलावा दो यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने तत्काल राहत कार्य शुरू करते हुए घायलों को वाहन से बाहर निकाला। सूचना मिलने पर पुलिस और आपातकालीन सेवाओं की टीम मौके पर पहुंची तथा घायलों को उपचार के लिए निकटवर्ती सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में गंभीर रूप से घायल यात्रियों का इलाज जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

फर्जी निवेश योजना में सरकारी कर्मचारी से 2.22 करोड़ की साइबर ठगी

सोशल मीडिया विज्ञापन के झांसे में आकर रकम गंवाई, पुलिस ने दर्ज किया मामला

हैदराबाद, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के सनथनगर क्षेत्र में एक सरकारी कर्मचारी साइबर ठगों के जाल में फंसकर 2.22 करोड़ रुपये की ठगी का शिकार हो गया। ठगों ने सोशल मीडिया पर आकर्षक निवेश विज्ञापनों के जरिए उसे उच्च मुनाफे का लालच दिया और फर्जी ऑनलाइन निवेश योजना में बड़ी रकम निवेश करने के लिए प्रेरित किया। पुलिस के अनुसार पीड़ित को फेसबुक पर निवेश संबंधी विज्ञापन दिखाई दिए, जिनमें कम समय में भारी रिटर्न का दावा किया गया था।

विज्ञापन में रुचि दिखाने के बाद उससे संपर्क किया गया और उसे विभिन्न निवेश प्लेटफॉर्म से जुड़ने के लिए राजी किया गया। इसके बाद उसे कई व्हाट्सएप समूहों में शामिल किया गया, जहां खुद को वित्तीय विशेषज्ञ और बाजार विश्लेषक बताने वाले लोग निवेश संबंधी सलाह दे रहे थे।

साइबर अपराधियों ने धीरे-धीरे पीड़ित का विश्वास जीत लिया और उसे किस्तों में बड़ी रकम निवेश करने के लिए प्रेरित किया। योजना को वास्तविक समझते हुए सरकारी कर्मचारी ने ठगों द्वारा बताए गए विभिन्न बैंक खातों में कुल 2.22 करोड़ रुपये स्थानांतरित कर दिए। ठगों ने एक फर्जी निवेश एप्लिकेशन के डैशबोर्ड पर लगभग 3.10 करोड़ रुपये का बैलेंस दिखाया, जिससे पीड़ित को विश्वास हो गया कि उसके निवेश पर भारी मुनाफा हुआ है। हालांकि जब उसने अपनी रकम निकालने की कोशिश की तो जालसाजों ने कर, प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्कों के नाम पर अतिरिक्त भुगतान की मांग शुरू कर दी। बार-बार पैसे मांगने और रकम निकासी में बाधा आने पर पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ।

इसके बाद उसने पुलिस से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और साइबर अपराधियों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

नारायणखेड़ में बीएलए-2 प्रशिक्षण शिविर आयोजित

बूथ स्तर संगठन सशक्त करने पर जोर

हैदराबाद, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नारायणखेड़ विधानसभा क्षेत्र में बीएलए-2 प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव व तेलंगाना प्रभारी सचिन सावंत, विधायक संजीव रेड्डी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ सांसद सुरेश शेतकर तथा डीसीसी अध्यक्ष निर्मला सिंह भी मौजूद रहीं। इस अवसर पर कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। शिविर में संगठनात्मक ढांचे को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत करने, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बारे में कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने तथा यह सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई कि कोई भी पात्र मतदाता अपने मतदान अधिकार से वंचित न रहे। इस अवसर पर सचिन सावंत ने कहा कि बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) की भूमिका लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने में अत्यंत महत्वपूर्ण है और प्रत्येक कार्यकर्ता को पूरी सतर्कता के साथ मतदाता सूची की निगरानी करनी चाहिए।

मीनाक्षी नटराजन के खिलाफ शिकायत पर सुनवाई नहीं

अदालत ने लौटाई याचिका

हैदराबाद, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन के राज्यसभा नामांकन को लेकर उठे विवाद के बीच हैदराबाद की एक स्थानीय अदालत ने उनके खिलाफ दायर निजी शिकायत को अधिकार क्षेत्र के अभाव में याचिकाकर्ता को वापस कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि शिकायत की सुनवाई उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं आती और याचिकाकर्ता को उचित मंच के समक्ष याचिका प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा नामांकन रिटर्निंग अधिकारी द्वारा इस आधार पर खारिज कर दिया गया था कि उन्होंने अपने हलफनामे में एक लंबित मामले का उल्लेख नहीं किया था। इसी मामले को लेकर एक महिला ने निजी शिकायत दायर की थी। महिला का आरोप है कि कांग्रेस पार्टी ने नारायणपेट जिला इकाई के पूर्व अध्यक्ष के. शिव कुमार रेड्डी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की, जबकि उन्होंने उसके साथ यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार किया था।

शिकायत में कुल सात प्रतिवादियों को शामिल किया गया था, जिनमें चार विधायक और पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन भी शामिल हैं। इस कारण नामपल्ली स्थित चतुर्थ अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट ने अधिकार क्षेत्र की सीमाओं का हवाला देते हुए शिकायत को वापस कर दिया।

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए तेलंगाना भाजपा ने कहा कि कांग्रेस के लिए राहत महसूस करने का कोई कारण नहीं है। राज्य भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने कहा कि अदालत द्वारा याचिका लौटाए जाने का अर्थ यह नहीं है कि मामला समाप्त या खारिज हो गया है। उन्होंने कहा कि अदालत ने केवल क्षेत्राधिकार के आधार पर शिकायत वापस की है और इसे उचित अदालत में दायर करने का निर्देश दिया है।

रामचंद्र राव ने कहा कि मूल मुद्दा अब भी बरकरार है, जिसमें आरोप है कि नामांकन पत्र दाखिल करते समय हलफनामे में लंबित मामले का खुलासा नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि शिकायत का तकनीकी आधार पर वापस होना किसी भी तरह से क्लीन चिट नहीं माना जा सकता और मामला आगे भी कानूनी प्रक्रिया के तहत जारी रह सकता है।

दो साल बाद भी नहीं खुले जूनियर कॉलेज, क्षेत्रवासियों में नाराजगी

मंचेरियल, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बेल्लमपल्ली विधानसभा क्षेत्र के थंदूर और नेन्नल मंडल मुख्यालयों में जूनियर कॉलेज स्थापित करने का वादा किए हुए दो वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद अब तक इन संस्थानों की स्थापना नहीं हो सकी है। इससे क्षेत्र के लोगों और विद्यार्थियों में निराशा बढ़ती जा रही है। थंदूर और नेन्नल मंडलों के छात्र वर्तमान में इंटरमीडिएट शिक्षा के लिए बेल्लमपल्ली और मंचेरियल के कॉलेजों पर निर्भर हैं। उन्हें प्रतिदिन बस, ऑटो, मिनी वैन और अन्य साधनों से लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त लागत उठानी पड़ती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गरीब परिवारों के विद्यार्थियों को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी जी. विनोद ने क्षेत्र में जूनियर कॉलेज स्थापित कराने का वादा किया था। चुनाव जीतने के बाद भी यह वादा अब तक पूरा नहीं हो पाया है। हालांकि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने वर्ष 2025 में दोनों कॉलेजों को मंजूरी दे दी थी, लेकिन इसके बाद परियोजना में कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं हुई। जानकारी के अनुसार अब तक कॉलेजों के लिए उपयुक्त भूमि का चयन भी नहीं किया गया है।

महाठग गिरफ्तार: फाइनेंस के नाम पर 2 करोड़ की ऑनलाइन ठगी

जौनपुर, 14 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में पुलिस ने बजाज फाइनेंस कंपनी के नाम पर लोन, इंश्योरेंस, इन्वेस्टमेंट और टूर एंड ट्रैवल्स पैकेज के बहाने ऑनलाइन ठगी करने वाले एक बड़े अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस शातिर गिरोह में मुख्य आरोपी के साथ उसके सगे भाई, बहन और बहनोई भी शामिल हैं। करीब 2 करोड़ रुपये की साइबर ठगी के इस सनसनीखेज मामले में पुलिस ने गिरोह के मास्टरमाइंड को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

दरअसल, यह गिरोह सीधे-साधे ग्राहकों को बजाज कंपनी के नाम पर लोन, भारी इन्वेस्टमेंट और सस्ते टूर एंड ट्रैवल्स पैकेज का लालच देकर अपना शिकार बनाता था। इसके लिए आरोपियों ने प्रतिष्ठित कंपनी से हूबहू मिलती-जुलती फर्जी वेबसाइटें और एप्लिकेशन्स बना रखे थे। जौनपुर पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त कार्रवाई में बरसठी थाना क्षेत्र के पपरावन गांव निवासी मुख्य सरगना शुभम सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है।

राम मंदिर दान विवाद: अखिलेश बोले

अगर पुलिस दोषियों को नहीं ढूंढ पाई तो हम मदद करेंगे, साजिश की जड़ें पास में

लखनऊ, 14 जून (एजेंसियां)। अयोध्या के राम मंदिर दान फंड में कथित गड़बड़ियों को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। राज्य सरकार द्वारा इस मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल के गठन के बाद, समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर तीखा तंज कसा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि इस साजिश की जड़ें ज्यादा दूर नहीं हैं, और अगर पुलिस दोषियों की पहचान करने में नाकाम रहती है, तो वे खुद इसमें मदद करने को तैयार हैं।

अपने पोस्ट में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने लिखा, इस साजिश की जड़ दूर नहीं है, इसलिए अगर सच सामने लाना है तो कार्रवाई करने के लिए ज्यादा दूर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने आगे जोड़ा, अगर पुलिस दोषियों की पहचान नहीं कर पाती है, तो हम मदद कर सकते हैं। हालांकि, उन्होंने अपने इस बयान में सीधे तौर पर किसी का नाम नहीं लिया कि उनका इशारा किसकी तरफ था।

क्यों बैठी एसआईटी जांच?

यह पूरा विवाद तब और बढ़ गया जब राम मंदिर की देखरेख करने वाले 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' ने खुद सरकार से एक निष्पक्ष जांच की मांग की। ट्रस्ट का कहना था कि सोशल मीडिया और अन्य जगहों पर भ्रामक जानकारियां फैलाकर मंदिर की छवि को धूमिल करने की कोशिश की जा रही है।

ट्रस्ट का क्या है कहना?

इससे पहले अखिलेश यादव ने आरोप लगाया था कि राम मंदिर के दान से करोड़ों रुपये गायब होने की खबरें आ रही हैं, जिस पर कोर्ट को खुद संज्ञान लेना चाहिए। इन आरोपों को खारिज करते हुए ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि मंदिर का आंतरिक ऑडिट (जांच) चल रहा है। भारतीय स्टेट बैंक और ट्रस्ट के अधिकारी समय-समय पर खातों की जांच करते हैं, और अभी तक गबन या हेरफेर का कोई भी सबूत सामने नहीं आया है।

भाजपा के भीतर से भी उठे सुर

यह मामला केवल विपक्ष तक ही सीमित नहीं रहा। पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने भी बयान दिया था कि वे दान राशि के दुरुपयोग के बारे में जानते हैं, हालांकि उन्होंने खुलकर कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया। वहीं, वरिष्ठ भाजपा नेता रजनीश सिंह ने सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मांग की है कि ट्रस्ट की संपत्ति, बैंक खातों, खर्चों और जमीन के लेन-देन के ब्योरे को सार्वजनिक किया जाए।

दो युवकों पर सरेआम फायरिंग के बाद तनाव, एक की गर्दन में गोली लगने से मौत

मुरादाबाद, 14 जून (एजेंसियां)। कुंदरकी थाना क्षेत्र के ग्राम चक खिताबपुर उर्फ खनुपुरा में रविवार सुबह गोलीकांड से सनसनी फैल गई। कुछ लोगों ने दो युवकों पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इसमें एक युवक की मौके पर ही मौत जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। अंकित (22) पुत्र कल्लू जाटव अपने घर के दरवाजे पर खड़ा था जबकि आशीष चौधरी (35) पुत्र सुखवीर खेत पर जा रहा था। इसी दौरान हमलावरों ने दोनों को निशाना बनाकर गोली चला दी।

अंकित की गर्दन में गोली लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आशीष के सिर में गोली लगी है। गंभीर हालत में उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। युवक की हत्या से गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने का विरोध किया तथा आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

सीएम बनने के बाद आज पहली बार खिजरसराय पहुंचेंगे सम्राट चौधरी

टेक्नोलॉजी सेंटर का करेंगे भूमि पूजन

पटना, 14 जून (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी कल यानी 15 जून को गया जी जिले के खिजरसराय प्रखंड पहुंचेंगे। यह सम्राट चौधरी का पहला खिजरसराय दौरा होगा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के आगमन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर एनडीए नेताओं तक सभी कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हुए हैं। मुख्यमंत्री के आगमन से पहले सभा स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया गया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को लेकर पूरे इलाके में उत्साह और उत्सुकता का माहौल है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के प्रस्तावित दौरे को लेकर गया के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सभा स्थल का निरीक्षण किया।

अधिकारियों ने सुरक्षा, यातायात, मंच व्यवस्था और अन्य जरूरी तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। चिरैली पंचायत के पैक्स अध्यक्ष चंद्रभूषण शर्मा ने कहा कि देश की आजादी के बाद पहली बार उनके गांव में किसी मुख्यमंत्री का आगमन

होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह पूरे क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक क्षण है और गांव के लोग मुख्यमंत्री के स्वागत को लेकर काफी उत्साहित हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के हाथों प्रस्तावित टेक्नोलॉजी सेंटर के निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया जाएगा। इस परियोजना को क्षेत्र के विकास के लिए मील का पत्थर माना जा रहा है। स्थानीय लोगों का मानना है कि इससे युवाओं को रोजगार और तकनीकी प्रशिक्षण के नए अवसर मिलेंगे।

चंद्रभूषण शर्मा ने बताया कि जिस स्थान पर टेक्नोलॉजी सेंटर का निर्माण होना है, वह क्षेत्र पहले वीरान और जंगल जैसा था। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के प्रयासों से इस महत्वपूर्ण परियोजना को स्वीकृति मिली और अब मुख्यमंत्री के हाथों इसका भूमि पूजन होने जा रहा है। परियोजना स्थल पर बाउंड्री वॉल का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। वहीं शेष तैयारियों को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्रशासन और संबंधित विभाग कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दिन-रात जुटे हुए हैं। जानकारी के अनुसार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग (एमएसएमई) की ओर से एक्सटेंशन सेंटर का शिलान्यास किया जाएगा। इस केंद्र के शुरू होने से क्षेत्र में कौशल विकास, रोजगार सृजन और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

ट्रेन हादसे की साजिश या शरारत? ट्रैक पर रखा 50 किलो लोहे का चौखट, लोको पायलट ने ऐसे बचाई सैकड़ों जानें

लखनऊ, 14 जून (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में एक बार फिर रेल यात्रियों की जान से खिलवाड़ करते हुए ट्रेन को डिरेल करने की साज़िश की गई। कैंट के दिलकुशा ब्लॉक हट के पास शुक्रवार दोपहर पंजाब मेल के आने से पहले रेलवे ट्रैक पर 50 किलो वजनी लोहे का चौखट रख दिया गया। लोको पायलट ने सतर्कता दिखाते हुए इमरजेंसी ब्रेक लगा दी। इसके बावजूद लोहे का चौखट इंजन में फंस गया। इस मामले में कैंट थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। 13006 पंजाब मेल अमृतसर से हावड़ा जा रही थी। दोपहर करीब दो बजे ट्रेन जब कैंट के दिलकुशा ब्लॉक हट के पास पहुंची, तभी लोको पायलट ने ट्रैक पर लोहे का बड़ा चौखट पड़ा देखा। उन्होंने बिना देरी किए इमरजेंसी ब्रेक लगा दी। इसके बावजूद इंजन ट्रैक पर रखे 50 किलो वजनी लोहे के चौखट से टकरा गया और वह इंजन के नीचे फंस गया। लोको पायलट ने तत्काल स्टेशन मास्टर को सूचना दी। रेलवे के अधिकारी और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची। चौखट को हटाकर आरपीएफ को सुपुर्द कर दिया।

'डकैत एक घर लूटता है, यहां करोड़ों की आस्था लूटी गई'

अयोध्या राम मंदिर दान चोरी विवाद पर सपा सांसद ने भाजपा को घेरा

लखनऊ, 14 जून (एजेंसियां)। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे और दान के पैसों में कथित हेरफेर का मामला अब देश भर में गरमाता जा रहा है। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता और सांसद अवधेश प्रसाद ने इस मुद्दे को लेकर केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह कोई छोटा-मोटा घोटाला नहीं है, बल्कि देश के करोड़ों लोगों की आस्था पर डाली गई एक बहुत बड़ी डकैती है। सांसद के इस बयान के बाद राजनीति काफी तेज हो गई है। सांसद अवधेश प्रसाद ने मंदिर के पैसों में हुई कथित गड़बड़ी की तुलना करते हुए कहा कि अवधेश प्रसाद ने कहा कि एक आम डकैत सिर्फ एक या दो घरों को लूटता है, लेकिन राम मंदिर के पैसे में जो हेरफेर हुआ है, वह बिल्कुल अलग है। यह सीधे तौर पर उन करोड़ों सनातनियों और रामभक्तों के भरोसे को लूटना है, जो देश-विदेश से आकर अपनी कमाई का हिस्सा मंदिर में दान करते हैं।

उन्होंने साफ शब्दों में इसे भारत के इतिहास की सबसे बड़ी डकैती बताया है। सपा सांसद ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि इस पूरे मामले को सबसे पहले समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रमुखता से सामने रखा था। उन्होंने आरोप लगाया कि जब यह मुद्दा पहली बार सामने आया, तो इसे पूरी तरह से दबाने और रफा-दफा करने की पुरजोर कोशिशें की गईं। अवधेश प्रसाद के मुताबिक, इस गंभीर विषय पर सरकार की ओर से भी लंबे समय तक रहस्यमयी चुप्पी साधे रखी गई, जो कई तरह के सवाल खड़े करती है।

ज्ञान बिंदु के डायरेक्टर रौशन आनंद के भाई की नेपाल में हत्या

पटना, 14 जून (एजेंसियां)। राजधानी पटना के मुसल्लहपुर हाट स्थित खान ग्लोबल स्टडीज पर हुए बवाल मामले से जुड़ा एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मामले में फरार चल रहे ज्ञान बिंदु के डायरेक्टर रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की नेपाल में गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस बीच घटना के बाद बवाल की आशंका को देखते हुए पीरबहोर और कदमकुआं में भारी संख्या पुलिस बल को तैनात किया गया है। सूत्रों के अनुसार, खान सर की कोचिंग पर हुए बवाल के बाद से पुलिस लगातार आरोपितों की तलाश में जुटी थी। इसी दौरान प्रिंस यादव गिरफ्तारी से बचने के लिए नेपाल भाग गया था और वहां एक गेस्ट हाउस में छिपकर रह रहा था। बताया जा रहा है कि उसी गेस्ट हाउस में उसे गोली मारी गई। घटना की खबर से सनसनी फैल गई है। इधर, मुसल्लहपुर हाट में खान ग्लोबल स्टडीज पर हुए बवाल मामले में रौशन आनंद पहले से जेल में बंद हैं। बताया जाता है कि 2021 में भी खान सर के कोचिंग पर हमले का आरोप प्रिस यादव पर था।

घटना की सूचना मिलते ही स्वजन रवाना हो गए हैं। कोचिंग संस्थानों के बीच विवाद और उसके बाद हुए हंगामे ने पटना में काफी चर्चा बटोरी थी। अब प्रिंस यादव की हत्या के बाद यह मामला और अधिक संवेदनशील हो गया है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि नेपाल में हुई हत्या की परिस्थितियों, वहां उसकी मौजूदगी और संपर्कों की जांच की जा रही है। जल्द ही पूरे घटनाक्रम को लेकर विस्तृत जानकारी सामने आ सकती है। बता दें कि 2 जून की रात हुए बवाल के मामले में रौशन आनंद एवं उनके दो सहयोगियों को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। इस मामले में खान ग्लोबल स्टडीज के डायरेक्टर फैजल खान उर्फ खान सर को भी आरोपित किया गया है। दो गार्ड भी जेल में हैं।

सिपाही भर्ती परीक्षा- पाटलिपुत्र स्टेशन पर पथराव-तोड़फोड़ ट्रेनें रोकीं, छात्रों का आरोप- व्यवस्थाएं सही नहीं थीं; पुलिस ने फायरिंग की, 6 गिरफ्तार

पटना, 14 जून (एजेंसियां)। बिहार में आज सिपाही भर्ती परीक्षा हो रही है। परीक्षा शुरू होने से पहले पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन पर छात्रों ने जमकर हंगामा किया। परीक्षा देने पहुंचे छात्रों ने अव्यवस्थाओं का आरोप लगाया। मामले में 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। छात्रों ने कई ट्रेनों को रोक दिया था। स्टेशन पर दुकानों, एग्जाम स्पेशल ट्रेन में तोड़फोड़ की। इसके चलते कांच के टुकड़े स्टेशन पर बिखर गए।

आईजी जितेन्द्र राणा को हालात काबू करने के लिए फायरिंग करनी पड़ी। मौके पर पहुंचे पटना के डीएम डॉ. त्यागराजन ने बताया कि आधी रात के करीब हमें खबर मिली कि कुछ लोग हंगामा कर रहे हैं। हमने उनसे गुजारिश की कि वे हंगामा न करें और परीक्षार्थियों का सहयोग करें। कुछ असामाजिक तत्वों ने बार-बार इमरजेंसी चेन खींची और तरह-तरह की मांगें रखीं, जैसे कि स्पेशल ट्रेनों की मांग, जबकि पहले से ही दो स्पेशल ट्रेनें चलाई गई थीं। त्यागराजन ने यह भी बताया कि प्रदर्शनकारियों ने उन छात्रों को भी रोका, जो जाना चाहते थे। इन वजहों से हमें हल्का बल प्रयोग करना पड़ा।

कौन हैं बीजेपी विधायक रोमी साहनी

जिनको दलित पैंथर के नेता ने दी धमकी वीडियो जारी कर कहा- जूते से मारूंगा

लखीमपुर खीरी, 14 जून (एजेंसियां)। पलिया से भाजपा विधायक रोमी साहनी के खिलाफ दलित पैंथर संगठन के संयोजक एवं अध्यक्ष मनोज कुमार भारती का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वीडियो में मनोज भारती विधायक के खिलाफ अमर्यादित और विवादित टिप्पणी करते दिखाई दे रहे है। उन्होंने विधायक पर दलित समाज के लोगों को झूठे मामलों में फंसाने और एक पक्ष विशेष की मदद करने का आरोप लगाया है। साथ ही 15 जून को पलिया विधानसभा क्षेत्र में विधायक के खिलाफ प्रदर्शन करने का आवाहन भी किया है। जानकारी के अनुसार मामला 14 अप्रैल को मैलानी थाना क्षेत्र के मोतीपुर बाबूपुर गांव में अंबेडकर प्रतिमा स्थापना को लेकर हुए विवाद से जुड़ा है। उस दौरान प्रतिमा स्थापना को लेकर तनाव बढ़ गया था। ग्रामीणों ने पुलिस पर प्रतिमा तोड़े जाने का आरोप लगाया था। जिसके बाद बड़ी संख्या में महिलाएं और ग्रामीण प्रतिमा को दोबारा स्थापित करने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए थे। देखते ही देखते प्रदर्शन उग्र हो गया और पथराव शुरू हो गया।

आरोप है कि उपद्रव के दौरान तीन वाहनों में आग लगा दी गई थी, जबकि पत्थरबाजी और आगजनी की घटनाओं में करीब एक दर्जन पुलिसकर्मी भी घायल हुए थे। घटना के बाद पुलिस ने आगजनी सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और उपद्रव के आरोप में करीब 200 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस अब तक 38 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। इसी कार्रवाई को लेकर दलित पैंथर संगठन लगातार सवाल उठा रहा है। दलित पैंथर के संयोजक मनोज कुमार भारती का आरोप है कि पुलिस प्रशासन एकतरफा कार्रवाई कर रहा है और दलित समाज के लोगों को झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है। उन्होंने विधायक रोमी साहनी पर भी एक पक्ष की मदद करने का आरोप लगाया है।

सीएचसी प्रभारी नशे में गिरफ्तार, सीएस से बदसलूकी के बाद विभागीय कार्रवाई शुरू

रोहतास, 14 जून (एजेंसियां)। जिले के शिवसागर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के प्रभारी अभिषेक कुंदन को शराब के नशे में गिरफ्तार किया गया है। जिसके बाद उनको जेल भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार, सिविल सर्जन मणीराज रंजन जब सूचना मिलने पर उनका हालचाल जानने सरकारी क्वार्टर पहुंचे, तो वहां की स्थिति देख हैरान रह गए। प्रभारी नशे की हालत में थे। वहीं उन्होंने सिविल सर्जन के साथ बदसलूकी भी की। घटना के बाद तुरंत उत्पाद विभाग की टीम को बुलाया गया। टीम ने प्रभारी के क्वार्टर से एक भरी बोतल, एक आंशिक भरी बोतल, एक खाली बोतल के साथ ग्लास में मौजूद शराब सहित कुल 1.09 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त की।

ब्रेथ एनालाइजर जांच में नशे की पुष्टि होने के बाद अभिषेक कुंदन को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। सिविल सर्जन मणीराज रंजन ने इस घटना को बेहद गंभीर बताते हुए कहा कि एक डॉक्टर और सरकारी कर्मचारी से इस तरह की हरकत कतई बर्दाश्त नहीं की जा सकती। उन्होंने पूरे मामले की जानकारी वरीय अधिकारियों को दे दी है और अब विभागीय स्तर पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर पर डुमरिया पुल निर्माण को बड़ा बूस्ट

स्टील फ्रेम गर्डर स्वीकृत, तेज हुआ काम

गोपालगंज, 14 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजमार्ग-27 (ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर) पर डुमरिया स्थित गंडक नदी पर निर्माणाधीन पुल के कार्य में उपयोग होने वाले स्टील फ्रेम स्टील गर्डर की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इससे लंबे समय से प्रतीक्षित पुल निर्माण कार्य को नई गति मिलेगी। सांसद डॉ. आलोक कुमार सुमन के निरंतर एवं प्रभावी प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। सांसद ने इस महत्वपूर्ण जनहित परियोजना के संबंध में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से लगातार पत्राचार एवं व्यक्तिगत स्तर पर निरंतर प्रयास किया था। इस विषय पर त्वरित संज्ञान लेते हुए मंत्रालय ने आवश्यक स्वीकृति प्रदान कर दी है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा सांसद डॉ। आलोक कुमार सुमन को भेजे गए पत्र में इस बाबत अवगत कराया गया है। कहा गया है कि डुमरिया स्थित गंडक नदी पुल निर्माण में स्टील फ्रेम स्टील गर्डर के उपयोग की अनुमति दे दी गई है तथा संवेदक द्वारा साइट पर कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है। साथ ही सुरक्षा मानकों के अनुरूप सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। इस महत्वपूर्ण प्रगति से न केवल गोपालगंज बल्कि बिहार एवं पूर्वी भारत के लाखों यात्रियों को भविष्य में बेहतर और सुरक्षित आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। यह परियोजना क्षेत्र के आर्थिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक विकास को भी नई दिशा प्रदान करेगी। सांसद ने इस स्वीकृति के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का आभार जताया। कहा कि इस महत्वपूर्ण पुल परियोजना को शीघ्र पूर्ण कराने हेतु वे लगातार निगरानी एवं अनुश्रवण करते रहेंगे।

रिया बनकर हिंदू युवक से शादी करने वाली लुटेरी दुल्हन यासमीन गिरफ्तार

रामपुर, 14 जून (एजेंसियां)। अपनी असली पहचान छिपाकर हिंदू युवक से शादी करने वाली बरेली की यासमीन और उसके दो अन्य साथियों के खिलाफ सिविल लाइन पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की अब तक की जांच में वह लुटेरी दुल्हन निकली, जो शादी के बाद घर में रखा कीमती सामान और जेवर लेकर फरार होने की फिराक में थी, लेकिन कामयाब नहीं हो सकी। अपने को घिरता देख उसने खुद ही पुलिस को फोन करके बुलाया था। अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह ने बताया महिला लुटेरी दुल्हन है। पुनीत कुमार नाम के युवक से उसके दो साथियों कल्लू और राम सिंह ने एक लाख रूपये लेकर शादी कराई थी। लुटेरी दुल्हन और उसके दो साथियों पर ठगी के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा जाएगा।

'राम मंदिर में चोरी जैसे मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए बेटी को बना रहे निशाना', भाजपा पर भड़कीं डिंपल यादव

फर्रुखाबाद, 14 जून (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं सांसद डिंपल यादव ने फर्रुखाबाद में आयोजित एक पारिवारिक एवं सामाजिक कार्यक्रम में भाजपा पर जमकर निशाना साधा। वह वरिष्ठ समाजसेवी एवं चिकित्सक डॉ. नवल किशोर शाक्य के नए प्रतिष्ठान एम्पायर रिसोर्ट के शुभारंभ तथा उनके छोटे पुत्र धैर्य शाक्य के जन्मोत्सव समारोह में शामिल होने पहुंचीं। इस अवसर पर उन्होंने परिवार को शुभकामनाएं देते हुए क्षेत्रवासियों से मुलाकात की और राजनीतिक मुद्दों पर भी खुलकर अपनी बात रखी। समारोह के दौरान बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी तथा क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में डिंपल यादव का भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने डॉ. नवल किशोर शाक्य और उनके परिवार को नए प्रतिष्ठान की सफलता तथा धैर्य शाक्य के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इसके बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने प्रदेश और देश की राजनीति से जुड़े कई मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। मीडिया से बातचीत के दौरान डिंपल यादव ने अपनी बेटी आदित्य

यादव को लेकर हाल के दिनों में की गई कथित अभद्र टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि भाजपा से जुड़े कुछ लोगों द्वारा जिस प्रकार की भाषा और टिप्पणियां की गई हैं, वह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादाओं के भी खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब एक सुनियोजित राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। डिंपल यादव ने कहा कि भाजपा के लोग वास्तविक मुद्दों से जनता का ध्यान हटाने के लिए इस तरह के विवाद खड़े कर रहे हैं। उनके अनुसार, राम मंदिर में हुई चोरी जैसी घटनाओं से लोगों का ध्यान भटकाने के उद्देश्य से झूठे विवादों को हवा दी जा रही है और उनकी बेटी को अनावश्यक रूप से निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक परिवार या व्यक्ति पर हमला नहीं है, बल्कि राजनीति के स्तर को गिराने का प्रयास है। जनता अब समझने लगी है कि किन मुद्दों को जानबूझकर उछाला जा रहा है और किन गंभीर विषयों को दबाने की कोशिश की जा रही है। डिंपल यादव ने भाजपा पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब प्रदेश में संवेदनशील और दर्दनाक घटनाएं होती हैं, तब सत्ता पक्ष के नेताओं की आवाज सुनाई नहीं देती।

उन्होंने कहा कि हाथरस जैसी हृदयविदारक घटनाओं पर भाजपा के नेताओं ने अपेक्षित संवेदनशीलता नहीं दिखाई। उन्होंने कानपुर की उस घटना का भी उल्लेख किया, जिसमें एक बेटी के पिता की थाने में मौत होने का मामला सामने आया था। डिंपल यादव ने कहा कि ऐसे मामलों में न्याय और संवेदना की बात करने के बजाय भाजपा के नेता चुप्पी साध लेते हैं। लेकिन जब राजनीतिक लाभ लेने का अवसर दिखाई देता है तो झूठ, भ्रम और आरोपों की राजनीति शुरू कर दी जाती है।

झारखंड में मौसम का कहर: आकाशीय बिजली गिरने से 24 घंटें में 7 लोगों की मौत रांची में गई 2 जान

रांची, 14 जून (एजेंसियां)। झारखंड में मानसून पूर्व मौसम के बीच आकाशीय बिजली लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के विभिन्न जिलों में बिजली गिरने से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं और एक 10 साल का बच्चा भी शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सबसे अधिक प्रभावित जिलों में रांची और गढ़वा शामिल हैं, जहां दो-दो लोगों की जान गई। रांची जिले के पिथोरिया थाना क्षेत्र के बड़हू गांव निवासी जीतू महली (55) और कटमकुली गांव की निराशा देवी (33) खेत में काम कर रहे थे, तभी अचानक बिजली गिरने से दोनों की मौत हो गई। पिथोरिया थाना के सब-इंस्पेक्टर सत्यदेव प्रसाद ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

वहीं गढ़वा जिले में खरौंधी थाना क्षेत्र के सुंडी गांव की रीना देवी (30) और केतार थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर गांव निवासी राम अवतार पाल (65) की भी बिजली गिरने से मौत हो गई। इसके अलावा चतरा, गिरिडीह और सरायकेला-खरसावां जिलों में भी आकाशीय बिजली की अलग-अलग घटनाओं में तीन अन्य लोगों की जान चली गई।

बागी सांसद काकोली घोष के बेटे ने ममता समेत इन नेताओं को भेजा नोटिस

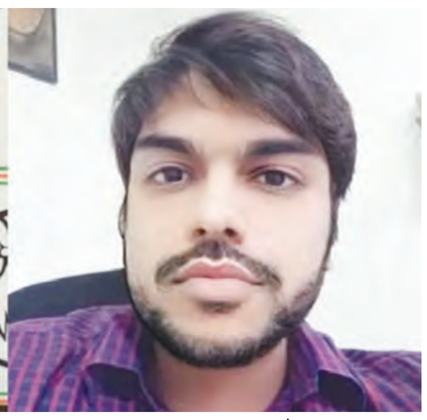

कोलकाता, 14 जून (एजेंसियां)। टीएमसी की बागी सांसद काकोली घोष दस्तीदार के बेटे डॉ बैद्यनाथ घोष दस्तीदार ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कई बड़े नेताओं को आज कानूनी नोटिस भेजा है। इन नेताओं में सांसद महुआ मोइत्रा, कल्याण बनर्जी, सौगत रॉय और सोनाली गुहा के नाम शामिल हैं। उन्होंने यह नोटिस अपनी वकील पूजा शुक्ला के माध्यम से भेजा है।

नोटिस में डॉ बैद्यनाथ ने उन सभी आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि उन्होंने बारासत विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए टिकट मांगा था। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि उनकी राजनीति में आने की कोई इच्छा नहीं है। उन्होंने दावा किया कि उल्टा आई-पैक और टीएमसीपी के प्रतिनिधियों ने ही उनसे कई बार संपर्क किया था और चुनाव लड़ने का दबाव बनाया था। उन्होंने सोहम पाल, चंद्र भूषण राव और श्रीतमा बोस जैसे नामों का जिक्र करते हुए कहा कि इन लोगों ने उन्हें चुनाव के लिए तैयार करने की कोशिश की थी। डॉ बैद्यनाथ ने सोनाली गुहा के उन दावों को भी झूठा और अपमानजनक बताया है, जिनमें उनके शराब पीने की बात कही गई थी। इसके अलावा, उन्होंने कल्याण बनर्जी की टिप्पणियों पर भी कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि इन गलत बयानों से उनकी सामाजिक और पेशेवर छवि को बहुत नुकसान पहुंचा है। डॉ बैद्यनाथ एक प्रतिष्ठित मनोचिकित्सक हैं और उन्होंने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी और लंदन के बड़े संस्थानों से शिक्षा प्राप्त की है।

नोटिस में यह भी बताया गया है कि जिस समय उन पर टिकट मांगने के आरोप लगे, उस समय वह अमेरिका के बोस्टन में अपनी पेशेवर जिम्मेदारियां निभा रहे थे। उन्होंने इन सभी नेताओं से 15 दिनों के भीतर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और अपनी बात वापस लेने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर तय समय में माफी नहीं मांगी गई और स्थिति स्पष्ट नहीं की गई, तो वह दीवानी और आपराधिक कानूनी कार्रवाई शुरू करेंगे। डॉ बैद्यनाथ ने स्पष्ट किया कि वह किसी भी राजनीतिक विवाद या चर्चा का हिस्सा नहीं बनना चाहते हैं।

ओमान में जहाज पर भारतीय नागरिक की मौत

पार्थिव शरीर को भारत लाने की तैयारी तेज, दूतावास क्या कदम उठा रहा?

मस्कट, 14 जून (एजेंसियां)। ओमान के दुक्म पोर्ट पर खड़े एक जहाज में सवार भारतीय नागरिक की मौत हो गई है। भारतीय दूतावास ने बताया कि निशांत उर्थनाथन नामक भारतीय नागरिक का निधन चिकित्सकीय जटिलताओं के कारण हुआ। यह घटना उस समय हुई जब वह एमटी सेलेस्टियल नामक जहाज पर मौजूद थे। घटना के बाद भारतीय दूतावास ने शोक व्यक्त करते हुए परिवार के प्रति संवेदना जताई है और पार्थिव शरीर को जल्द भारत भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। भारतीय दूतावास के अनुसार निशांत उर्थनाथन की मौत मेडिकल जटिलताओं के कारण हुई। उनका पार्थिव शरीर फिलहाल ओमान के दुक्म पोर्ट पर खड़े एमटी सेलेस्टियल जहाज पर रखा गया है।

दूतावास ने बताया कि मामले की जानकारी मिलते ही आवश्यक प्रक्रिया शुरू कर दी गई। हालांकि मेडिकल जटिलताओं की विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। घटना के बाद जहाज प्रबंधन और संबंधित एजेंसियों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखा गया है। मस्कट स्थित भारतीय दूतावास ने कहा है कि वह जहाज प्रबंधन कंपनी और सभी संबंधित पक्षों के साथ लगातार समन्वय कर रहा है। अधिकारियों का प्रयास है कि सभी औपचारिकताएं जल्द पूरी कर पार्थिव शरीर को भारत भेजा जा सके। विदेश में किसी भारतीय नागरिक की मृत्यु होने पर स्थानीय प्रशासन, जहाज प्रबंधन और दूतावास के बीच समन्वय की प्रक्रिया अपनाई जाती है, ताकि परिवार को जल्द सहायता मिल सके। दूतावास ने स्पष्ट किया है कि पार्थिव शरीर की शीघ्र स्वदेश वापसी के लिए आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं।

इसके लिए स्थानीय नियमों और दस्तावेजी प्रक्रियाओं को पूरा किया जा रहा है। भारतीय मिशन ने मृतक के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया है कि सभी जरूरी कदम तेजी से उठाए जा रहे हैं। घटना के बाद परिवार को सूचना दे दी गई है और उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की कोशिश की जा रही है।

'बीजेपी की ही कॉपी है टीवीके'

थलापति विजय पर भड़के स्टालिन? कहा- 'अपनी ही सरकार पर भरोसा नहीं कर रहे

चैन्नई, 14 जून (एजेंसियां)। द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (डीएमके) के अध्यक्ष एमके स्टालिन ने आरोप लगाया कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय अब अन्नाद्रमुक के विधायकों की खरीद-फरोख्त कर रहे हैं। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि विजय बीजेपी की 'जेरॉक्स कॉपी' की तरह व्यवहार कर रहे हैं, जिसकी वजह से उनका समर्थन करने वाले दल गहरी शर्मिंदगी महसूस कर रहे हैं। डीएमके की महिला विंग की परामर्श बैठक को संबोधित करते हुए स्टालिन ने ये बयान दिया। एमके स्टालिन ने कहा कि आमतौर पर लोग खरीदारी के दौरान कपड़े और घर-गृहस्थी की जरूरत का सामान खरीदते हैं। तमिलनाडु सीएम पर निशाना साधते हुए स्टालिन ने कहा कि क्या आप जानते हैं कि हमारे मुख्यमंत्री अभी क्या कर रहे हैं? वह अन्नाद्रमुक के विधायकों की 'खरीद-फरोख्त' कर रहे हैं।

हमें संदेह है कि क्या उन्हें अपनी ही सरकार पर भरोसा नहीं है, या फिर उन अन्य दलों पर विश्वास नहीं है जो उनका समर्थन कर रहे हैं?। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, "सबसे पहले अपनी सरकार बचाने के लिए उन्होंने अन्नाद्रमुक विधायकों से टीवीके के पक्ष में मतदान करवाया। फिर उन्होंने उन विधायकों से इस्तीफा दिलवाया और अगले ही पल उन्हें अपनी पार्टी में शामिल कर लिया।" स्टालिन ने कहा, "मुख्यमंत्री विजय वही कर रहे हैं जो बीजेपी दूसरे राज्यों में करती है। दूसरे शब्दों में कहें तो वह बीजेपी की ज़ेरॉक्स कॉपी की तरह व्यवहार कर रहे हैं। जिन दलों ने उनका समर्थन किया, वे अब इस मुद्दे पर सवाल पूछे जाने पर गहरी शर्मिंदगी और असहजता महसूस कर रहे हैं।" अन्ना अरिवलयम में पार्टी की महिला विंग की बैठक में स्टालिन ने कहा कि अब तमिलनाडु के जिन वोटरों ने टीवीके को वोट दिया था, उन्हें लग रहा है कि उन्होंने क्यों ही वोट दिया। इस सरकार में अपराध बढ़ गए हैं।

हर टीवी चैनल पर गंभीर अपराधों की खबरें चल रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में श्रीवैकुंटम में सत्ताधारी पार्टी के ही एक कार्यकर्ता ने यौन उत्पीड़न किया है। टीवीके अध्यक्ष ने चुनाव से पहले महिलाओं की सुरक्षा पर बात की थी उन्होंने कहा था कि उनके कार्यकर्ता महिलाओं की सुरक्षा करेंगे लेकिन अब खबर आ रही है कि उनके ही कार्यकर्ता यौन अपराधों में शामिल हैं।

गिरिडीह में पत्नी की हत्या के आरोप में पति गिरफ्तार इलाके में दहशत

सिरमाडीह, 14 जून (एजेंसियां)। बिरनी प्रखंड के भरकट्टा ओपी क्षेत्र अंतर्गत सिरमाडीह गांव में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। सिरमाडीह निवासी दौलत साव पर अपनी ही पत्नी कुलसी देवी का गला रेतकर हत्या कर दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना बीते शुक्रवार या शनिवार की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि दौलत साव का अवैध संबंध एक महिला के साथ था।

इस मामले में पत्नी अड़चन बन रही थी, इसी वजह से हत्या की गई है। हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने का प्रयास किया जा रहा था, लेकिन जब ठिकाना लगाने में दौलत साव सफल नहीं हुआ, तो रविवार लगभग 9 बजे सुबह भरकट्टा ओपी जाकर पुलिस को सूचना दिया कि पत्नी की गला रेतकर हत्या कर दिया गया है।

एआई से जिंदा हो रहे युद्ध में मारे गए रूसी सैनिक, परिवार बना रहे वीडियो

कीव, 14 जून (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन युद्ध में मारे गए या लापता सैनिकों को लेकर रूस में एआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। कई रूसी परिवार एआई की मदद से अपने प्रियजनों की तस्वीरों और वीडियो को इस तरह तैयार करवा रहे हैं, जैसे वे परिवार के पास लौट आए हों। जुलाई 2025 से सोशल मीडिया पर ऐसे एआई वीडियो बड़ी संख्या में दिखाई देने लगे हैं। इनमें सैनिकों को अपने परिवार को गले लगाते, घर लौटते या स्वर्ग से अपने परिजनों के पास आते हुए दिखाया जाता है। ज्यादातर वीडियो में रूसी सैनिकों को देश और परिवार की रक्षा करने वाले नायकों के रूप में पेश किया जाता है। वहीं, यूक्रेन में युद्ध से हुई तबाही या पीड़ितों का जिक्र आमतौर पर नहीं होता। इसी वजह से कई यूक्रेनी लोगों ने इन वीडियो की आलोचना की है।

रूसी ब्लॉगर कट्या जिन ने अपने लापता सैनिक पति को लेकर ऐसे कई एआई वीडियो बनाए थे। बाद में उन्होंने लोगों को भी ऐसे वीडियो बनवाने की सुविधा दी। लोग अपनी और अपने मृत या लापता रिश्तेदारों की तस्वीरें भेजते हैं, जिसके बाद एआई उनकी नकली लेकिन असली जैसी दिखने वाली तस्वीरें और वीडियो तैयार कर देता है।

इनमें भावुक संदेश और खास दृश्य भी जोड़े जाते हैं। रूस में अन्ना कोराबलेवा नाम की महिला भी ऐसे फेयरवेल वीडियो बनाती हैं। उनका कहना है कि इससे लोगों को अपने प्रियजनों को आखिरी बार देखने या उनसे विदाई लेने जैसा एहसास मिलता है। उनके पास सबसे ज्यादा अनुरोध यूक्रेन युद्ध में मारे गए रूसी सैनिकों के परिवारों से आते हैं। हालांकि एक्सपर्ट्स इस तकनीक को लेकर सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी की रिसर्चर कैटार्जीना नोवाचिक-बासिंस्का के मुताबिक, अभी यह साफ नहीं है कि ऐसे एआई वीडियो लोगों के दुख को कम करते हैं या उसे और बढ़ा देते हैं। उन्होंने इसे एक बड़ा सामाजिक और तकनीकी प्रयोग बताया है। रूस में ऐसे वीडियो बनवाने की कीमत 200 रूबल से 10,000 रूबल तक होती है।

'सुरक्षाबलों पर गोली चलाई तो सख्ती से निपटेंगे'

मणिपुर डीजीपी ने दिया सख्त संदेश; फर्जी खबरों पर भी रहेगी नजर

इंफाल, 14 जून (एजेंसियां)। मणिपुर में कानून-व्यवस्था बहाल करने की कोशिशों के बीच राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मुकेश सिंह ने उपद्रवियों और अवैध हथियार रखने वालों को कड़ा संदेश दिया है। चुराचांदपुर जिले के दौरे के बाद उन्होंने कहा कि जो लोग कानून को अपने हाथ में लेने की कोशिश करेंगे या सुरक्षाबलों पर गोली चलाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि सुरक्षाबलों पर हमला होता है तो आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की जाएगी। राज्य में सामान्य स्थिति बहाल होने तक सुरक्षा बलों के अभियान जारी रहेंगे।

चुराचांदपुर में आयोजित प्रेस वार्ता में डीजीपी ने कहा कि हथियार लेकर कानून तोड़ने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि जिन लोगों के पास अवैध हथियार पाए जाएंगे, उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। डीजीपी ने कहा कि सुरक्षाबलों पर फायरिंग करने वालों से आत्मरक्षा के तहत

निपटा जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य में अब तक लूटे गए लगभग 70 प्रतिशत हथियार बरामद किए जा चुके हैं। सुरक्षा एजेंसियां शेष हथियारों की बरामदगी के लिए लगातार अभियान चला रही हैं। डीजीपी ने कहा कि सोशल मीडिया पर बड़ी मात्रा में भ्रामक और झूठी सूचनाएं फैलाई जा रही हैं, जो विभिन्न समुदायों के बीच तनाव बढ़ा सकती हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस के पास एक विशेष सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल है, जो ऐसे संदेशों और पोस्टों पर नजर रखती है। यह सेल फर्जी जानकारी फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। साथ ही समाज विरोधी और राष्ट्र विरोधी सामग्री प्रसारित करने वाले प्लेटफॉर्म और खातों के खिलाफ भी कदम उठाए जा रहे हैं। उनका कहना था कि अफवाहों पर रोक लगाना शांति बहाली के लिए बेहद जरूरी है। डीजीपी ने अपने दौरे के दौरान बिष्णुपुर और चुराचांदपुर जिलों का भी निरीक्षण किया।

उन्होंने पुलिस, अर्धसैनिक बलों, असम राइफल्स, सेना के अधिकारियों और विभिन्न नागरिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें कीं। बैठकों में सुरक्षा व्यवस्था, कानून-व्यवस्था और शांति बहाली के प्रयासों की समीक्षा की गई। डीजीपी ने अवैध हथियारों की बरामदगी, मादक पदार्थों की जब्ती और सशस्त्र अपराधियों की गिरफ्तारी में जिला पुलिस की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि राज्य में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए सभी सुरक्षा एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं।

26 साल के भारतीय युवक की चाकू मारकर हत्या, पुलिस ने 7 लोगों को पकड़ा

लंदन, 14 जून (एजेंसियां)। लंदन में 26 साल के भारतीय मूल के युवक गुरभेज सिंह की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना पश्चिमी लंदन के साउथॉल इलाके में नॉर्थ रोड और डॉर्मर्स वेल्स लेन के पास हुई। पुलिस के मुताबिक, गुरभेज सिंह पर तड़के करीब 12:30 बजे एक दुकान के बाहर हमला किया गया था। हमले में उन्हें चाकू से गंभीर चोटें आईं। सूचना मिलने पर पुलिस और एम्बुलेंस की टीम मौके पर पहुंची। डॉक्टरों और पैरामेडिक्स ने उनकी जान बचाने की कोशिश की, लेकिन उनकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। इस घटना में एक और व्यक्ति भी घायल हुआ था, जिसकी उम्र लगभग 30 साल बताई जा रही है। उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया था। बाद में उसकी हालत में सुधार होने पर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। मामले में 7 लोगों को हिरासत में लिया गया, लेकिन 6 को बिना किसी कार्रवाई के छोड़ दिया गया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस की स्पेशलिस्ट क्राइम कमांड की अधिकारी एलिसन फॉक्सवेल ने कहा कि गुरभेज सिंह की मौत बेहद दुखद है और पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है।

नाइजीरिया: खेत में काम कर रहे 17 किसानों की बंदूकधारियों ने की हत्या, 13 घायल

अबूजा, 14 जून (एजेंसियां)। उत्तर पश्चिमी नाइजीरिया से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां बंदूकधारियों ने 17 किसानों की हत्या कर दिया है। इस घटना में 13 किसान घायल भी बताए जा रहे हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों का इलाज किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि बंदूकधारियों ने यह हमला तब किया जब किसान अपने खेतों में काम कर रहे थे। हालांकि अभी तक किसी भी गुट ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। एक स्थानीय अधिकारी और एक निवासी ने बताया कि उत्तर पश्चिमी नाइजीरिया में यह घटना हुई है। यहां खेतों में काम कर रहे कम से कम 17 किसानों की बंदूकधारियों ने हत्या कर दी। इतना ही नहीं इस हमले में कम से कम 13 अन्य घायल हो गए हैं। यह हमला जमफारा राज्य के मरादुन क्षेत्र के गोरॉन नामाये कस्बे में हुआ। हालांकि किसी भी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन हाल के महीनों में सशस्त्र गिरोहों के हमलों में वृद्धि हुई है। मरादुन निवासी शेहू मूसा ने शनिवार को बताया, किसान अपने खेतों में काम कर रहे थे, तभी अचानक डाकुओं ने हमला कर दिया और उनमें से 17 को मार डाला। उन्होंने आगे बताया कि घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

मरादुन में स्थानीय सरकार के अध्यक्ष सानुसी दोसारा ने एक बयान में कहा कि यह हमला जमफारा राज्य सरकार द्वारा बंदूकधारियों के साथ बातचीत करने से इनकार करने का परिणाम था। दोसारा ने सरकारी बलों से मरादुन जंगल में स्थित बायन-रुवा एन्क्लेव को ध्वस्त करने की अपील की, जहां बंदूकधारी छिपे हुए थे।

छत्तीसगढ़ में 16 जून से खुलेंगे स्कूल, शिक्षा विभाग ने जारी किया आदेश, प्रवेश उत्सव की तैयारी शुरू

रायपुर, 14 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में शिक्षा विभाग ने 16 जून से स्कूल खोलने का फैसला किया है। राज्य में मंगलवार को प्रवेश उत्सव मनाया जाएगा। इस बारे में शिक्षा विभाग ने आधिकारिक आदेश जारी किया है। इसके अनुसार छत्तीसगढ़ में नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 की शुरुआत 16 जून 2026 से होगी। लोक शिक्षण संचालनालय ने इस संबंध में स्पष्ट आदेश जारी कर कहा है कि सभी सरकारी, अनुदान प्राप्त और प्राइवेट स्कूलों में 16 तारीख से कक्षाएं शुरू होंगी। शिक्षा विभाग ने पहले गर्मी को देखते हुए छुट्टियों को 20 अप्रैल से 15 जून तक बढ़ाया था, लेकिन अब विभाग ने 16 जून से स्कूल खोलने का फैसला किया है।

शाला प्रवेश उत्सव 16 जून को पूरे राज्य में मनाया जाएगा। इस दौरान नए छात्रों का स्वागत, दाखिला अभियान और उत्साहपूर्ण माहौल बनाने के निर्देश दिए गए हैं। 16 जून से सभी सरकारी स्कूलों के शिक्षक और कर्मचारी ऑनलाइन उपस्थिति और ऑनलाइन अवकाश आवेदन प्रणाली का पालन करेंगे। अनुपालन न करने पर जून महीने का वेतन रोका जा सकता है। स्कूलों में प्रवेश उत्सव को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

'जिस दिन हमारी सत्ता आएगी हम टुकड़े-टुकड़े कर देंगे '

बीजेपी के ऑपरेशन टाइगर पर संजय राउत ने दे डाली चेतावनी

मुंबई, 14 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे गुट के नेता और सांसद संजय राउत ने भारतीय जनता पार्टी के कथित 'ऑपरेशन टाइगर' की चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी है। इस दौरान उन्होंने तीखा हमला बोलते हुए कहा, जिस दिन हमारी सत्ता आएगी, उस दिन बीजेपी नहीं बचेगी। हम उसे टुकड़े-टुकड़े कर देंगे और उनके नेताओं का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो जाएगा। संजय राउत ने उद्धव ठाकरे के आवास मातोश्री पर बुलाई गई सांसदों की मीटिंग पर कहा, आज पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सांसदों की बैठक बुलाई है, जो एक नियमित संगठनात्मक प्रक्रिया है। जिस तरह विधायकों की बैठकें होती हैं, उसी तरह आज सांसदों की बैठक बुलाई गई है।

हमारे सभी सांसद बैठक में उपस्थित रहेंगे। जो सांसद किसी कारणवश नहीं आ पाएंगे, उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक से जोड़ा जाएगा और उनसे चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि "ऑपरेशन टाइगर" की चर्चा पिछले दो वर्षों से लगातार हो रही है, लेकिन ऐसा कोई ऑपरेशन नहीं हुआ है। हाल ही में महाराष्ट्र की राजनीति में 'ऑपरेशन टाइगर'

की चर्चा जोरों पर है। इसके तहत शिवसेना (यूबीटी) के कुछ सांसदों और नेताओं के एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने की अटकलें लगाई जाती रही हैं। शिवसेना (यूबीटी) के कुछ सांसदों के पाला बदलने की अटकलों के बीच पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को अपने सांसदों की बैठक बुलाई है। पार्टी के एक सांसद ने बताया कि यह बैठक रविवार दोपहर मुंबई के बांद्रा पूर्व इलाके में ठाकरे के आवास मातोश्री पर बुलाई गई है। यह घटनाक्रम इस चर्चा के बीच अहम हो जाता है कि 'ऑपरेशन टाइगर' के तहत कुछ सांसद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना में शामिल हो सकते हैं।

पंजाब में पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़: हथियार बरामदगी के दौरान हुई वारदात, एक पुलिसकर्मी घायल

फतेहगढ़ साहिब, 14 जून (एजेंसियां)। फतेहगढ़ साहिब में जिला पुलिस के सीआईए स्टाफ सरहिंद और थाना बडाली आला सिंह की संयुक्त टीम ने गांव वासियां वैदवान के पास एसवाईएल नहर पुल के पास हथियार बरामदगी के दौरान दो आरोपियों के साथ हुई मुठभेड़ में उन्हें काबू कर लिया। इस दौरान दोनों आरोपी घायल हो गए, जबकि एक पुलिसकर्मी भी जख्मी हुआ है। तीनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। एसपी शुबहम अग्रवाल ने बताया कि सीआईए स्टाफ सरहिंद, थाना बडाली आला सिंह तथा पुलिस चौकी चुन्नी कलां की टीम ने पहले तीन लोगों को हथियारों सहित गिरफ्तार किया था।

गिरफ्तार आरोपियों में सहजप्रीत सिंह, महिकप्रीत सिंह और मनजोत सिंह शामिल हैं। इन आरोपियों को अदालत से पुलिस रिमांड हासिल करने के बाद हथियारों की बरामदगी के लिए गांव वासियां वैदवान के पास एसवाईएल नहर के पास एक सुनसान स्थान पर ले जाया गया था। पुलिस के अनुसार बरामदगी के दौरान आरोपी महिकप्रीत सिंह ने वहां छिपाकर रखी हुई पिस्तौल निकाल ली और पुलिस टीम पर हमला कर दिया।

भरुच में 700 साल पुरानी जामा मस्जिद में हिंदू देवी-देवताओं और जैन तीर्थंकरों की मूर्तियां दिखने का दावा

भरुच, 14 जून (एजेंसियां)। गुजरात के भरुच की लगभग 700 साल पुरानी जामा मस्जिद विवादों में है। इस ऐतिहासिक स्थल की जमीन और मूल स्वरूप को लेकर अलग-अलग तरह के दावे सामने आने के बाद यह मामला धार्मिक-ऐतिहासिक बहस में तब्दील हो गया है। दरअसल, हाल में सामने आए एक वीडियो के बाद जामा मस्जिद का विवाद और गहरा गया है, जिसमें मस्जिद के तहखाने में जैन तीर्थंकरों और हिंदू देवी-देवताओं की प्राचीन मूर्तियां व नक्काशीदार पत्थर दिखने का दावा किया गया है। इस दावे के बाद प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है। हाल ही में जामा मस्जिद के अंडरग्राउंड हिस्से का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें हिंदू देवी-देवताओं और भगवान मल्लिनाथ सहित जैन तीर्थंकरों की प्राचीन मूर्तियां और नक्काशीदार पत्थर दिखाई देने का दावा किया गया है।

इस वीडियो के सामने आने के बाद जामा मस्जिद के मूल स्वरूप को लेकर बहस तेज हो गई है और अलग-अलग तरह के दावे किए जा रहे हैं। हिंदू और जैन संत समुदायों का दावा है कि यह स्थल मूल रूप से 'समी विहार' या प्राचीन मंदिर था, जिसे तोड़कर मुगल काल में जामा मस्जिद का निर्माण किया गया। वे पूरे परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराने की मांग कर रहे हैं।

हिंदू और जैन पक्ष की मांग है कि जामा मस्जिद के मूल स्वरूप की जांच होनी चाहिए। वे इसके प्राचीन मंदिर को तोड़कर बनाई गई मस्जिद होने का दावा कर रहे हैं। जामा मस्जिद ट्रस्ट और मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों ने इन दावों को खारिज किया है। उनका कहना है कि इस स्थान के उनके पास ऐतिहासिक और धार्मिक प्रमाण हैं जो इसे मस्जिद साबित करते हैं। मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाए जाने का दावा गलत है। वर्तमान में भरुच की जामा मस्जिद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण यानी एएसआई के संरक्षण में है। इस विवाद के बाद से एएसआई और स्थानीय प्रशासन अलर्ट पर हैं और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। जामा मस्जिद के आसपास आने-जाने वालों पर नजर रखी जा रही है। यहां सुरक्षाकर्मियों की तैनाती बढ़ा दी गई है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 15 जून - 2026

जनसांख्यिकीय परिवर्तन का प्रश्न

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा जनसांख्यिकीय परिवर्तन की जांच के लिए गठित उच्चस्तरीय समिति के साथ बैठक कर उसे आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जो इस बात का संकेत है कि केंद्र सरकार इस विषय को गंभीरता से ले रही है। पिछले कुछ दशकों में देश के कई सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसंख्या संरचना में आए बदलाव ने सामाजिक, सांस्कृतिक और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को जन्म दिया है। इन परिवर्तनों के कारणों, प्रभावों और उनसे उत्पन्न चुनौतियों का हर तरह का अध्ययन समय की आवश्यकता है। जनसांख्यिकीय परिवर्तन को लेकर सबसे अधिक चर्चा पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर के राज्यों में हुई है। सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध घुसपैठ के कारण स्थानीय आबादी की संरचना में परिवर्तन के आरोप लंबे समय से लगते रहे हैं। विशेष रूप से बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ को इस संदर्भ में प्रमुख कारण माना जाता है। इसका प्रभाव केवल पश्चिम बंगाल तक सीमित नहीं है, बल्कि असम, मेघालय, त्रिपुरा, झारखंड और बिहार जैसे राज्यों में भी रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि घुसपैठिए समय के साथ देश के अन्य हिस्सों तक भी पहुंच गए, जिससे कुछ क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय संतुलन प्रभावित हुआ है। घुसपैठ को बढ़ावा देने वाले संगठित नेटवर्क कथित रूप से अवैध रूप से आए लोगों को पहचान संबंधी दस्तावेज उपलब्ध कराने में सहायता करते हैं। आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और अन्य दस्तावेज प्राप्त कर लेने के बाद उनकी पहचान करना और अधिक कठिन हो जाता है। यह विषय केवल जनसंख्या वृद्धि का नहीं, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की विश्वसनीयता से भी जुड़ा हुआ है। असम में लंबे समय से जनसांख्यिकीय बदलाव और स्थानीय संस्कृति पर उसके प्रभाव को लेकर आंदोलन होते रहे हैं। इसी पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) की प्रक्रिया अपनाई गई थी। हालांकि इस प्रक्रिया से जुड़े अनेक विवाद सामने आए, फिर भी इसने यह प्रश्न अवश्य उठाया कि देश में वैध और अवैध निवासियों की पहचान के लिए प्रभावी व्यवस्था कैसे विकसित की जाए। उचित होगा कि इस विषय पर राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर तथ्य आधारित राष्ट्रीय नीति तैयार की जाए। ध्यान रखना होगा कि अवैध घुसपैठ की चुनौती केवल बांग्लादेश तक सीमित नहीं है। म्यांमार से लगती सीमाओं वाले क्षेत्रों में भी समय-समय पर ऐसी समस्याएं आती रही हैं। इसलिए जनसांख्यिकीय परिवर्तन के प्रश्न को व्यापक दृष्टि से देखने की जरूरत है। समिति से अपेक्षा है कि वह सीमावर्ती क्षेत्रों का अध्ययन कर यह स्पष्ट करेगी कि किन क्षेत्रों में बदलाव हुए, उनका सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव क्या पड़ा और भविष्य में ऐसी चुनौतियों से कैसे निपटा जा सकता है। निश्चित रूप से समिति की रिपोर्ट आने में समय लगेगा, क्योंकि उसे विभिन्न सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा कर विस्तृत पड़ताल करनी होगी। किंतु तब तक केंद्र और राज्य सरकारों को सीमा प्रबंधन मजबूत करने, दस्तावेज सत्यापन प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने तथा अवैध घुसपैठ पर कठोर निगरानी रखने की दिशा में सक्रिय रहना चाहिए। साथ ही बांग्लादेश, म्यांमार और नेपाल से लगने वाली सीमाओं पर सतर्कता बढ़ाना भी आवश्यक है।

काकरोच जनता पार्टी क्या 2010 की पुनरावृत्ति ?

रघु ठाकुर

भारत के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने पिछले दिनों जो टिप्पाणियां की हैं उन्हें जिम्मेदार नहीं माना जा सकता है। उन्होंने कुछ नये वकीलों, के लिये जो युवा है, पर जिनके आचरण उनकी दृरुिट से जिम्मेवार नहीं रहे हैं, कॉकरोच शब्द का इस्तेमाल किया है। यहां तक कि उन्होंने यह भी टिप्पणी की थी कि कई ऐसे वकील बनकर आ जाते हैं जिनकी डिग्रियां संदिग्ध हैं और इनकी भी सीबीआई से जांच कराना पड़ेगी।यह बात भी सही है कि पिछले कुछ वरुों में नये वकीलों में एक बड़ा समूह उभरा है जो वकील होने का अर्थ अपनी गलतियों पर पर्दा डालने का लाइसेंस मानता है। इलाहाबाद और यहां तक की दिल्ली की कई अदालतों में गवाही देने वालों पुलिसध्कर्मचारी जिनसे आमजन भयभीत रहता है, वे अब वकीलों के इस नये समूह से भयभीत रहते हैं। अगर पुलिस थाने में या अन्य संस्थानों में किसी वकील के साथ बदसलूकी हुई या पुलिस से किसी कारण से वाद विवाद हुआ तो कोर्ट प्रांगण में आने पर वकील मित्रों ने उनकी पिटाई तक की। दिल्ली की स्थिति तो यह है कि ट्रैफिक पुलिस या पुलिस गाड़ी के ऊपर वकील का लोगो देखकर ही उन्हें अपराध मुक्त कर देते हैं। यह एक हिस्सा है पर सारे नये वकील ऐसे नहीं हैं। नये वकीलों का एक बड़ा हिस्सा अब कारपोरेट क्षेत्र में जा रहा और वह कंपनियों के वकील बन रहे हैं। वैसे भी इस सारे तबके के प्रति या सारे युवाओं के प्रति मुख्य न्यायाधीश महोदय की टिप्पणी उचित नहीं मानी जा सकती है। ऐसी टिप्पणियों से और उसके ऊपर हो रही प्रतिक्रियाओं से अब न्यायपालिका का सम्मान गिर रहा है तथा न्यायपालिका विवादास्पद बन रही है।

जब मुख्य न्यायाधीश महोदय की टिप्पणी के बाद मीडिया और विशेरुाकर सोशल मीडिया में उनके खिलाफ भारी प्रतिक्रियायें आना शुरू हुईं तब मुख्य न्यायाधीश महोदय ने अपनी सफाई दी और कहा कि उनका आशय यह नहीं था। बहरहाल उनका आशय जो भी हो सर्वोच्च न्यायालय की जो गरिमा गिरना थी और विवादास्पद छबि बनना थी वह तो बन गई। इसके कुछ ही समय बाद एक नई चर्चा शुरू हुई, अचानक एक बयान आया कि कुछ युवक कॉकरोच जनता पार्टी बना रहे हैं और सोशल मीडिया पर इनके समाचार आने के कुछ ही दिनों में कॉकरोच जनता पार्टी की फालोअर्स की संख्या 80 लाख के आसपास पहुंच गई। अब कहा जा रहा है कि दो करोड़ फालोअर्स हो गये हैं, याने भाजपा और कांग्रेस से ज्यादा। यह भी बताया जाता है कि जिन सज्जन ने यह चर्चा शुरू की थी वे अमेरिका में रह रहे हैं और अन्ना हजारे के अभियान और बाद में आम आदमी पार्टी के निर्माण के समय में उनकी कुछ सामान्य सी भूमिका थी। अगर यह खबर सही है तो इसके कई अर्थ निकलते हैं। अब तो यह सबकी जानकारी में है परंतु मैंने तो जब अन्ना हजारे के माध्यम से कारपारेट खेल शुरू हुआ था तभी याने वरुा 2010 के आसपास ही यह लिखना और बोलना शुरू किया था कि अन्ना हजारे का अभियान भ्ररुटाचार मिटाने का नहीं बल्कि भ्ररुटाचार बचाने का है। भ्ररुटाचार के खिलाफ कार्यवाही के लिये कई कानून देश में थे और हैं, परंतु टू जी स्पेक्ट्रम में फँसने वाले कारपोरेटस समूह उनके लाइजनिंग करने वाली रीना राडिया, पत्रकार देसाई आदि को बचाने की, कारपोरेट के प्रचार तंत्र के माध्यम से यह खेल शुरू किया गया था। जो जन आक्रोश भ्ररुटाचार के खिलाफ देश में उभरा था जो कि कोई अच्छे बदलाव का माध्यम बन सकता था, उसे पीछे कर एक कारपोरेट समर्थक के और मीडिया से जन्मी और चलने वाली पार्टी, आम आदमी पार्टी खड़ी कराई गई। अब इन 16-17 वरुों के बाद जब उन घटनाओं का अध्ययन होता है तो सभी लोग अन्ना हजारे व आम आदमी पार्टी के विरुद्ध निराशा व्यक्त करते हैं परंतु इसके परिणामस्वरूप ईमानदार राजनीति तो पीछे कर ही दी गई। जिस प्रकार अचानक दिल्ली में आम आदमी पार्टी का मीडिया के माध्यम से तूफान खड़ा किया गया था कहीं ऐसे ही अब इस कॉकरोच जनता पार्टी के माध्यम से कारपोरेट व वैश्विक लॉबी का खेल पुनरू शुरू तो नहीं हो रहा है? देश में मोदी सरकार को बने 12 साल हो गये और देश के एक बड़े हिस्से में उनके प्रति निराशा का भाव है, लोग बदलाव चाहते हैं परंतु कांग्रेस जो फिलहाल देश में दो नंबर की पार्टी है और अन्य क्षेत्रीय दल जो अपने-अपने क्षेत्रों में कुछ आधार रखते हैं उन्हें भी पीछे करना है। साथ ही समता के विचार की लो.स.पा. जैसी पार्टियों को भी धकेलता है। ऐसे अभियानों के पीछे कारपोरेट, कास्ट और कास्मोपालिटिन कल्चर याने ईलीट वर्ग की सभ्यता ये सभी शामिल होते हैं। बहुत संभव है इस कॉकरोच जनता पार्टी के पीछे भी ऐसे कुछ खेल की पुनरावृत्ति हो रही हो। जिसे देश में विकल्प के तौर पर पेश किया जाये, वह कारपोरेट व वैश्विक लॉबियों के हाथ का खिलौना हो और वास्तविक बदलाव या समाजवादी बदलाव को पीछे खिसका दे। ऐसे आंतरिक कूप के कई प्रयोग पिछले दशकों में दुनिया ने देखे हैं। जैस्मीन क्रांति नाम से मिस्त्र में सत्ता परिवर्तन हो गया। एक लड़की के आवाहन पर मिस्त्र की सत्ता पलट गई। वो लड़की कौन थी, कहाँ की थी, किसी को पता नहीं। कुछ देशों में जेन जी के नाम से आंदोलन हुए, अचानक तोड़फोड़ और हिंसा की घटनायें हुईं, वहां की सरकारें भी बदल गईं, परंतु व्यवस्था जस की तस बनी हुई है। बांग्लादेश में, नेपाल में, उसके पूर्व श्रीलंका में, जेन जी या ऐसे ही किसी नाम से अचानक विद्रोह पनपे और सरकारें बदलीं। परंतु जो नई सरकारें आईं उन सरकारों का नियंत्रण कहां है और वास्तव में वे कितना बदलाव ला रही हैं यह दुनिया देख रही है। नेपाल में अचानक बालेन शाह का उदय हुआ और वहां जेन जी आंदोलन के माध्यम से मार्क्सवादी सरकारों को समाप्त कर चुनाव कराये। परंतु चुनावों के बाद जेन जी आंदोलनकारी पीछे हो गये और बालेन शाह सत्ता में आ गये। बालेन शाह समान शिक्षा लाये और राजतंत्रीय सामंतवाद पर रोक लगाई, परंतु उसके तत्काल बाद छात्र संघों पर भी रोक लगाई। याने कोई नया नेतृत्व न उभर सके। बंगलादेश में ऐसे ही जेन जी की उम्र की एक पीढ़ी के द्वारा हिंसक आंदोलन चला, अचानक हुए इस आंदोलन ने पूरे देश को जकड़ लिया और अब वहां खालिदा जिया के बेटे के नेतृत्व में बीएनपी की सरकार है।

जेन जी के आंदोलन की कुछ चर्चायें पिछले दिनों भारत में भी चली थी परंतु भारत जैसे विशाल देश में जेन जी की सफलता संदिग्ध है। वैसे भी यह जेन जी का वर्ग आयु सीमा वर्गीकरण किये जाने का औचित्य क्या है? इसे किसने किया है? और 1997 के बाद जन्मे जो 30 वरुा से नीचे की आयु वर्ग के युवक हैं उन्हें एक श्रेणी में शामिल करने की कल्पना कहां से आई। कहीं यह कारपोरेट जगत के द्वारा अपनी आर्थिक सत्ता को कायम रखने या अपने अनुकूल बदलाव के लिये तथा वास्तविक बदलाव को रोकने के लिये यह एक नई श्रेणी का निर्माण तो नहीं कराया गया।

नरेंद्र मोदी के बारह वर्ष : विचार विश्वास और परिवर्तन की यात्रा

डॉ. वकुलाभरणम कृष्ण मोहन राव

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कुछ कालखंड ऐसे होते हैं जो केवल राजनीतिक घटनाओं के रूप में दर्ज नहीं होते, बल्कि राष्ट्रीय जीवन की दिशा और गति को प्रभावित करने वाले दौर के रूप में याद किए जाते हैं। वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुई यात्रा आज बारह वर्ष पूरे कर तेरहवें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। यह केवल एक सरकार की अवधि नहीं है, बल्कि शासन, विकास, राष्ट्रीय आत्मविश्वास और भारत की वैश्विक भूमिका में आए परिवर्तनों को समझने का अवसर भी है। स्वतंत्र भारत के राजनीतिक इतिहास में अनेक सरकारें आईं और गईं। अनेक नेताओं ने अपने-अपने समय में महत्वपूर्ण योगदान दिया। किंतु किसी भी लोकतंत्र में लगातार तीन आम चुनावों में व्यापक जनसमर्थन प्राप्त करना साधारण उपलब्धि नहीं माना जाता।

यह केवल राजनीतिक संगठन की शक्ति का परिणाम नहीं होता, बल्कि जनता की अपेक्षाओं, विश्वास और अनुभवों से भी जुड़ा होता है। यही कारण है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की चर्चा केवल चुनावी सफलता तक सीमित नहीं रहती, बल्कि शासन और नीति के व्यापक संदर्भ में भी होती है।यदि पिछले बारह वर्षों की यात्रा को केवल सरकारी योजनाओं की सूची तक सीमित कर दिया जाए, तो तस्वीर अधूरी रह जाएगी। इस अवधि की सबसे बड़ी राजनीतिक विशेषता यह रही कि विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा, कल्याणकारी योजनाएं और नेतृत्व की विश्वसनीयता पहली बार एक साझा राजनीतिक कथा का हिस्सा बने। भारतीय मतदाता ने कई राज्यों और तीन लोकसभा चुनावों में जिस प्रकार समर्थन दिया, वह केवल संगठनात्मक शक्ति का परिणाम नहीं माना जा सकता। इसके पीछे शासन के प्रति विश्वास, निर्णय लेने की क्षमता और नेतृत्व की व्यापक स्वीकार्यता भी महत्वपूर्ण कारक रहे हैं। पिछले बारह वर्षों की यात्रा को समझने के लिए यह देखना आवश्यक है कि भारत किन परिस्थितियों से आगे बढ़ा। लंबे समय तक देश में विकास, प्रशासनिक दक्षता, भ्रष्टाचार, आधारभूत संरचना और सेवाओं की पहुंच जैसे विषय सार्वजनिक चर्चा के केंद्र में रहे। ऐसे समय में केंद्र सरकार ने शासन की शैली में परिवर्तन लाने का प्रयास किया। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग और योजनाओं की निगरानी के नए तंत्र इसी सोच का हिस्सा रहे। वित्तीय समावेशन इस दौर की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में सामने आया। जनधन योजना के माध्यम से करोड़ों लोगों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा गया। पहले जो परिवार औपचारिक वित्तीय प्रणाली से दूर थे, वे धीरे-धीरे बैंकिंग सेवाओं का हिस्सा बने। इससे सरकारी सहायता सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाने की प्रक्रिया को भी मजबूती मिली। शासन और नागरिक के बीच की दूरी कम करने का यह प्रयास व्यापक परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। डिजिटल इंडिया अभियान ने प्रशासन और नागरिक जीवन दोनों को प्रभावित किया। यूपीआई आधारित भुगतान प्रणाली ने भारत को डिजिटल लेन-देन के क्षेत्र में वैश्विक पहचान दिलाई। आज छोटे दुकानदार से लेकर बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों तक डिजिटल भुगतान सामान्य बात बन चुकी है। यह परिवर्तन केवल तकनीक का विस्तार नहीं, बल्कि व्यवस्था में पारदर्शिता और सुविधा बढ़ाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जाता है।

वर्ष 2014 में भारत की प्रति व्यक्ति आय लगभग 86 हजार रुपये के आसपास थी, जो आज 2.3 लाख रुपये से अधिक के स्तर तक पहुंच चुकी है। जनधन योजना के अंतर्गत 55 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले जा चुके हैं। डिजिटल भुगतान व्यवस्था ने करोड़ों नागरिकों को औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्टार्टअप क्षेत्र में भी भारत दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल हुआ है। ये आंकड़े केवल आर्थिक परिवर्तन की कहानी नहीं बताते, बल्कि उस सामाजिक बदलाव की ओर भी संकेत करते हैं जिसमें सामान्य नागरिक की भागीदारी पहले की तुलना में अधिक दिखाई देती है। सामाजिक क्षेत्र में भी अनेक पहलें देखने को मिलीं। स्वच्छ भारत अभियान ने स्वच्छता को जन आंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया।

उज्ज्वला योजना ने करोड़ों परिवारों तक स्वच्छ ईंधन पहुंचाने का लक्ष्य रखा। आयुष्मान भारत ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने का प्रयास किया। जल जीवन मिशन और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी पहलें भी जीवन स्तर में सुधार की व्यापक सोच का हिस्सा रहीं। इन योजनाओं की प्रभावशीलता पर विभिन्न मत हो सकते हैं, किंतु यह स्पष्ट है कि सामाजिक कल्याण को शासन की प्राथमिकताओं में प्रमुख स्थान मिला। आधारभूत संरचना के क्षेत्र में हुए निवेश ने भी व्यापक ध्यान आकर्षित किया। राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार, रेलवे नेटवर्क का आधुनिकीकरण, नए हवाई अड्डों का निर्माण, बंदरगाहों का विकास और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को मजबूत करने के प्रयासों ने विकास की नई संभावनाओं को जन्म दिया। किसी भी देश की आर्थिक प्रगति के लिए मजबूत आधारभूत संरचना आवश्यक मानी जाती है। इस दृष्टि से पिछले वर्षों में किए गए निवेश को दीर्घकालिक विकास रणनीति के रूप में देखा जा सकता है। नरेंद्र मोदी की यात्रा का एक महत्वपूर्ण पक्ष उनकी वैचारिक दृष्टि से भी जुड़ा है।

आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत 2047, सबका साथ–सबका विकास और अंत्योदय जैसे विचार केवल राजनीतिक नारे भर नहीं हैं, बल्कि शासन की दिशा को परिभाषित करने वाले सूत्रों के रूप में प्रस्तुत किए गए हैं। समर्थकों का मानना है कि इन विचारों ने विकास को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की सोच को बल दिया है। आलोचकों की अपनी आपत्तियां हो सकती हैं, किंतु यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि इन अवधारणाओं ने राष्ट्रीय विमर्श में अपनी जगह बनाई है। नरेंद्र मोदी की राजनीतिक दृष्टि को समझने के लिए उनकी नीतियों को केवल प्रशासनिक निर्णयों के रूप में नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय दृष्टि के हिस्से के रूप में देखना होगा। इस दृष्टि में विकास, सांस्कृतिक आत्मविश्वास, सुशासन, तकनीकी आधुनिकता और वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका को समान महत्व दिया गया है। यही कारण है कि समर्थकों के लिए यह यात्रा केवल एक सरकार का कार्यकाल नहीं, बल्कि भारत की संभावनाओं को नए रूप में परिभाषित करने का प्रयास भी है।

खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते

अशोक भाटिया

खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते..... भारत का यह कड़ा रुख अब पाकिस्तान के लिए काल बनता जा रहा है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के बाद भारत ने जब से ऐतिहासिक 'सिंधु जल समझौते' को ठंडे बस्ते में डाला है, तब से इस्लामाबाद के हुक्मरानों की रातों की नींद उड़ी हुई है। अब हालत यह हो गई है कि पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसने की आशंका से घबराए पाकिस्तान ने भारत को सीधे 'युद्ध' की गीदड़भभकी दे डाली है।भारत के कड़े तेवरों को देखकर पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी बुरी तरह बौखला गए हैं। अंद्राबी ने एक बयान जारी कर कहा कि भारत के इस कदम से 25 करोड़ से अधिक पाकिस्तानियों की जिंदगी दांव पर लग जाएगी। इंटरनेशनल नियमों की दुहाई देते हुए अंद्राबी ने कहा कि पाकिस्तान पानी को एक राजनीतिक हथियार या दबाव बनाने के साधन के रूप में इस्तेमाल करने के विचार को खारिज करता है। पानी रोकने की किसी भी कोशिश के गंभीर नतीजे होंगे और इसे UN चार्टर के आर्टिकल 51 के तहत 'युद्ध की कार्रवाई' माना जा सकता है।पानी की कमी का सबसे ज्यादा असर सिंध पर पड़ा है, जहां पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कराची स्थित है। यहां राजनेता, किसान और जल विशेषज्ञ पानी की घटती सप्लाई और असमान वितरण को लेकर लगातार चिंता जाहिर कर रहे हैं।

सिंध और बलूचिस्तान में पानी की भारी कमी के कारण यह संकट पाकिस्तान की लगभग एक-तिहाई आबादी को प्रभावित कर रहा है। पाकिस्तानी अखबार डॉन के अनुसार, सिंधु नदी पर बने सबसे बड़े और अहम सिंचाई ढांचों में से एक सुक्कुर बैराज के आसपास यह संकट तेजी से साफ दिखाई दे रहा है। यह बैराज सिंध और बलूचिस्तान के कुछ हिस्सों में लाखों एकड़ खेती की जमीन के लिए पानी का स्रोत है इसलिए यह पाकिस्तान की कृषि अर्थव्यवस्था के लिए बहुत जरूरी है। सिंध के नहर नेटवर्क में पानी की कमी चिंताजनक स्तर तक पहुंच गई है।डॉन के सूत्रों के मुताबिक, नॉर्थ वेस्ट नहर में 64।1 प्रतिशत, राइस नहर में 38 प्रतिशत और दादू नहर में 82 प्रतिशत की भारी कमी देखी जा रही है। ऊपरी इलाकों में पानी की अवैध निकासी और असमान वितरण के आरोपों से स्थिति और भी बिगड़ रही है।सिंध के सिंचाई विभाग के आंकड़ों से पता चलता है कि पंजाब अपने तय हिस्से (44,000 क्यूसेक) के मुकाबले 53,394 क्यूसेक पानी ले रहा है, जो उसके हक से 21 प्रतिशत से ज्यादा है। इसी तरह, कहा जा रहा है कि टौंसा बैराज अपने मंजूरशुदा हिस्से (24,000 क्यूसेक) के मुकाबले 25,694 क्यूसेक पानी ले रहा है, जो लगभग 9।3 प्रतिशत ज्यादा है।वहीं दूसरी ओर चश्मा बैराज में पानी का स्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे पता चलता है कि ऊपरी इलाकों में पानी जमा हो रहा है, जबकि निचले इलाकों में पानी की भारी कमी हो रही है। इस बिगड़ते संकट ने पाकिस्तान में तीखी राजनीतिक बहस छेड़ दी है। जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख हाफिज नईम-उर-रहमान ने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की अगुवाई वाली सिंध सरकार पर आरोप लगाया है कि वह सालों तक सत्ता में रहने के बावजूद कराची में पानी की पुरानी किल्लत को दूर करने में नाकाम रही है।पीपीपी सिंध के अध्यक्ष निसार अहमद खुहरो ने बार-बार चेतावनी दी है कि पाकिस्तान के सबसे ज्यादा कृषि उत्पादन वाले इलाकों में से एक होने के बावजूद सिंध को पानी का उसका वाजिब हिस्सा नहीं मिल रहा है।

उन्होंने बताया कि सिंध हर साल लगभग 55 लाख टन चावल का उत्पादन करता है और चावल के निर्यात से लगभग 1।4 अरब डॉलर कमाता है। आर्थिक नतीजों के बारे में चेतावनी देते हुए खुहरो ने सिंध के खरीफ सीजन के पानी के आवंटन में कटौती को प्रांत का आर्थिक नरसंहार बताया।खुहरो का कहना है कि सिंध देश के कुल कृषि उत्पादन का 67 प्रतिशत हिस्सा पैदा करता है, फिर भी उसे पानी का उसका वाजिब हिस्सा नहीं मिल रहा है। नहरें सूखने से किसान परेशान। जमीनी स्तर पर संकट का असर दिखने लगा है। डॉन के अनुसार, सुक्कुर बैराज सिस्टम की राइट बैंक नहरों में पानी की भारी कमी है। ये नहरें लरकाना, कंबर-शहदादकोट, दादू, शिकारपुर और बलूचिस्तान के कुछ हिस्सों में सिंचाई करती हैं।

सिंध आबादगार बोर्ड के कंबर-शहदादकोट चैप्टर के पूर्व अध्यक्ष इशाक मुघेरी ने बताया कि नॉर्थ वेस्टर्न कैनाल में 64।1 प्रतिशत, राइस कैनाल में 38 प्रतिशत और दादू कैनाल में 82 प्रतिशत पानी की कमी है। दादू नहर, जिसके लिए 4,995 क्यूसेक पानी तय किया गया था, उसे अभी सिर्फ 860 क्यूसेक पानी मिल रहा है।नॉर्थ वेस्टर्न नहर को 6,260 क्यूसेक के तय हिस्से के मुकाबले 2,100 क्यूसेक पानी मिल रहा है।जबकि राइस नहर को 8,700 क्यूसेक के मंजूर हिस्से के मुकाबले 5,300 क्यूसेक पानी मिल रहा है।सालों से बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने में देरी और सिंचाई नहरों का काम अधूरा रहने से स्थिति और खराब हो गई है, जिससे किसान मौसमी खेती शुरू नहीं कर पा रहे हैं।

दूसरी ओर, जल की कमी का असर पाकिस्तान के सबसे महत्वपूर्ण सिंचाई ढांचे सुक्कुर बैराज पर साफ दिखाई दे रहा है।

बोझ नहीं, घर की नींव हैं बुजुर्ग

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 15 जून को विश्वभर में 'विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस' मनाया जाता है, जिसका प्रमुख उद्देश्य बुजुर्गों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करना, उन्हें जागरूक करना और इसे रोकने के प्रयास करना ही है। वर्ष 2026 में विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस का वैश्विक विषय है 'जागरूकता से परेः बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार की रोकथाम को कारगर बनाना।' इस विषय का मुख्य उद्देश्य बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार के प्रति जागरूकता को ठोस, कार्रवाई योग्य नीतियों में बदलना और ऐसे मजबूत, सुरक्षात्मक तंत्र सुनिश्चित करना है जो बुजुर्गों के अधिकारों का सम्मान करते हों। भारतीय संस्कृति में तो बुजुर्गों को अनुभवों की खान माना जाता रहा है लेकिन चिंताजनक स्थिति यह है कि हमारे यहां भी अब बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार और उनकी उपेक्षा के मामले निरन्तर बढ़ रहे हैं। भारत में संयुक्त परिवारों के बजाय आधुनिक युग में एकल परिवारों के बढ़ते चलन के कारण भी बुजुर्गों की उपेक्षा के मामलों में वृद्धि हो रही है।

आज की आधुनिक दुनिया में बुजुर्गों के साथ ऐसे बर्ताव के बढ़ते मामलों के पीछे सोशल स्टेट्स भी प्रमुख वजह माना जाता है। दरअसल समाज में स्वयं की हैसियत बड़ी दिखाने की चाहत में कुछ लोगों को अपने ही परिवार के बुजुर्ग मार्ग की बड़ी रूकावट लगने लगते हैं। ऐसी ही रुढ़िवादी सोच के कारण उच्च वर्ग से लेकर मध्यम वर्ग तक में अब वृद्धजनों के प्रति स्नेह की भावना कम हो रही है। बुजुर्गों की उपेक्षा के मामले हालांकि केवल भारत तक ही सीमत नहीं हैं बल्कि विदेशों में तो बुजुर्गों की हालत और भी बुरी है लेकिन भारत के संदर्भ में यह स्थिति ज्यादा चिंताजनक इसीलिए है क्योंकि भारतीय समाज में सदैव सयुंक्त परिवार को अहमियत दी जाती रही है, जहां बुजुर्गों का सर्वोपरि स्थान रहा है। हमारे यहां दादा-दादी, माता-पिता, ताऊ-ताई, चाचा-चाची तथा कई बच्चों के साथ भरा-पूरा परिवार होता था, परिवार में बड़ों को सम्मान और छोटों को प्यार दिया जाता था लेकिन आज के बदलते दौर में छोटे और एकल परिवार की चाहत में संयुक्त परिवार की धारणा खत्म होती जा रही है, जिसके कारण लोग जहां अपने बुजुर्गों से दूर हो रहे हैं, वहीं बच्चे भी दादा-दादी, नाना-नानी के प्यार से वंचित हो रहे हैं। अकेले रहने के कारण जहां अब बुजुर्गों के प्रति अपराध बढ़ने लगे हैं, वहीं छोटे परिवारों में बच्चों को परिवार के बुजुर्गों का सानिध्य नहीं मिलने के कारण उनकी कार्यशैली पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ऐसे में दुनियाभर में वृद्धों एवं प्रौढ़ों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने और वृद्धजनों के प्रति उदारता तथा उनकी देखभाल की जिम्मेदारी के अलावा उनकी समस्याओं के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने की सख्त जरूरत महसूस होने लगी है। हमारे बुजुर्ग ही हमारे घर की नींव और समाज की अमूल्य विरासत होते हैं, जिनके अनुभव पूरे परिवार, समाज और देश के काम आते हैं। जिस घर में बुजुर्गों का सम्मान होता है, वह घर स्वर्ग से भी सुंदर माना जाता है। इसके बावजूद बहुत से परिवारों में बुजुर्गों को निरन्तर अपने ही परिजनों की उपेक्षा का शिकार होना पड़ता है। ऐसे परिजनों को इस बात का आभास कराया जाना बेहद जरूरी है कि आज के युवा भी आने वाले समय में वृद्ध होंगे। जीवन में हम आज जो भी हैं, अपने घर के बुजुर्गों की बदौलत ही हैं, जिनके व्यापक अनुभवों और शिक्षाओं से हम जीवन में सभी प्रकार की कठिनाईयों को पार करने में सक्षम होते हैं। सही मायनों में हमारे बुजुर्ग ही हमें जीवन जीने का सही मार्ग सिखाते हैं। ऐसे में यदि बुजुर्गों को अपनापन और उचित मान-सम्मान दिया जाए, उनकी पसंद-नापसंद का ख्याल रखा जाए तो वे घर के लिए बेहद महत्वपूर्ण सिद्ध होते हैं।

एलन मस्क की नानी और हमारी सनातन 'टेस्ला'

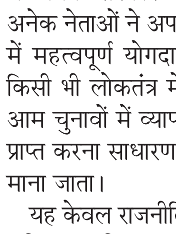

सुरेश कुमार मिश्रा

एक सुबह जब एक सबसे आधुनिक, बिना ड्राइवर वाली चमचमाती विदेशी कार भारत की एक धूल भरी सड़क पर उतरी, तो उसे सामने से आती अपनी सगी परदादी यानी हमारी सनातन बैलगाड़ी से आमना-सामना होने की बिल्कुल उम्मीद नहीं थी। कार के भीतर बैठे कृत्रिम बुद्धि के सारे सॉफ्टवेयर और सेंसर वैसे ही चकरा गए जैसे किसी संस्कारी वीआईपी शादी में बिना घूंघट वाली आधुनिक बहू के सामने अचानक गांव की घूंघट वाली बुजुर्ग महिला आकर खड़ी हो जाए। कार की बड़ी सी स्क्रीन पर लाल बत्तियां इस कदर भभकने लगीं मानो वह इस आदि-स्वदेशी सवारी को देखकर सम्मान में अपनी सांसें रोक रही हो। सच कहूं तो हमारी बैलगाड़ी ही दुनिया की सबसे पहली और असली स्वचालित गाड़ी है। जब पश्चिमी देशों के पुरखे पेड़ों की छाल लपेटकर पत्थरों से आग जलाना सीख रहे थे, तब हमारे पुरखों ने बिना किसी लिथियम-आयन बैटरी के, सीधे दो बैलों के कंधों पर 'ऑटोपायलट' मोड एक्टिवेट करके इतिहास रच दिया था। इस आदि-सवारी में न तो कभी ब्रेक फेल होने का कोई डर रहता है और न ही इसके जीपीएस को किसी इंटरनेट नेटवर्क की बैसाखी की जरूरत पड़ती है, क्योंकि इसका पूरा नेविगेशन सिस्टम बैलों की पूंछ और उनकी पुरानी स्मृतियों से जुड़ा होता है; जिसके सामने आज की यह संकर विदेशी कार पानी भरती नजर आती है।

इस प्राचीनतम गाड़ी के अनोखे गुणों का लेखा-जोखा अगर बारीक और पैनी नजर से देखा जाए, तो इसमें 'जीरो मेंटेनेंस' का ऐसा शाश्वत दर्शन छुपा है जिसे समझने में विदेशी कंपनियों की सात पीढ़ियां गंजी हो जाएं। इसमें न तो हर तीन महीने में कीमती मोबिल ऑयल बदलने की झंझट है और न ही किसी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दफ्तर में जाकर घूस देने की आत्मग्लानि होती है। इसका ईंधन पूरी तरह से जैविक और सस्ता है। दो मुट्ठी हरी घास सामने डालो और गाड़ी बिना किसी कार्बन उत्सर्जन के पूरे आठ किलोमीटर प्रति घंटे की कछुआ चाल से दौड़ने को तैयार हो जाती है। मजे की बात देखिए कि इसका साइलेंसर पीछे से जो 'बायो-वेस्ट' छोड़ता है, वह देश के खेतों के लिए सोना उगलने वाली खाद बन जाता है, जबकि विदेशी कारों का धुआं फेफड़ों को छलनी करता है। आधुनिक कार में अगर कोई तकनीकी खराबी आ जाए तो आपको सीधे विदेश से कोई सॉफ्टवेयर इंजीनियर बुलाना पड़ेगा या फिर अपनी जमीन बेचकर उसका पुर्जा बदलना पड़ेगा, मगर हमारी इस सनातन गाड़ी का टायर अगर बीच सड़क पर टूट भी जाए, तो राह चलता कोई भी बढ़ई या पास के नीम के पेड़ की मजबूत टहनी इसका तुरंत सफल ऑपरेशन करके इसे दोबारा जीवनदान दे देती है।अरे साहब, इस गाड़ी की सबसे बड़ी खूबी तो इसका 'ऑटो-क्रैश प्रिवेंशन सिस्टम' है जिसे देखकर बड़ी-बड़ी बीमा कंपनियां दिवालिया हो जाएं। आज की आधुनिक गाड़ियां एक्सीडेंट होने के वक्त हवा वाला बैलून फुलाती हैं ताकि आपकी खोपड़ी स्टीयरिंग व्हील से न टकराए, मगर हमारी इस स्वदेशी गाड़ी के दोनों इंजन यानी हमारे प्यारे बैल, इतने दयालु और समझदार होते हैं कि सामने कोई गड्ढा या किसी नेता की चमचमाती गाड़ी देखकर खुद ही अपने पैर जाम कर लेते हैं।

इन्हें किसी मंहगे कैमरे या राडार की कोई जरूरत नहीं होती, इनकी बड़ी-बड़ी आंखें ही इनका असली राडार होती हैं जो रात के घाघ अंधेरे में भी सामने से आ रहे किसी शराबी या आवारा सांड को दूर से ही पहचानकर गाड़ी की गति को अपने आप इको-मोड पर ले आती हैं। इस गाड़ी में बैठने वाले मुसाफिर को जीवन में कभी जिम जाकर पसीना बहाने की आवश्यकता नहीं पड़ती, क्योंकि इसके भारी लकड़ी के पहियों से जो प्राकृतिक वाइब्रेशन पैदा होता है, वह बैठे-बैठे ही इंसान के पेट की चर्बी को वैसे ही पिघला देता है जैसे सावन के महीने में तेज धूप देसी घी को पिघला देती है। यह केवल एक सवारी नहीं है, बल्कि यह तो साक्षात चलता-फिरता एक योग केंद्र है।

7 धाराओं के बीच छिपा है तेलंगाना का प्राचीन शिवलिंग

12वीं शताब्दी में निर्मित, एडुपयालु वन दुर्गा भवानी मंदिर इस क्षेत्र के सबसे प्रसिद्ध और शक्तिशाली तीर्थ स्थलों में से एक है, जो देवी कनकदुर्गा को समर्पित है। यह एक सुरम्य मंदिर है जो हरे-भरे जंगल और प्राकृतिक पत्थर की संरचनाओं के बीच एक गुफा में स्थित है। यह स्थान सात छोटी नदियों के संगम का प्रतीक है जो मंजिरा नदी में मिलती हैं, इसलिए इसका नाम एडुपयाला पड़ा, जिसका अर्थ है एडु (सात) और पायलु (धाराएँ)। यह स्थान प्रतिवर्ष लगभग 30 लाख भक्तों को आकर्षित करता है, जो न केवल तेलंगाना राज्य से बल्कि कर्नाटक और महाराष्ट्र जैसे पड़ोसी राज्यों से भी देवी दुर्गा के दर्शन करने आते हैं।

पौराणिक कथा के अनुसार, महाराजा परीक्षित (महाभारत के महान योद्धा अर्जुन के पोते) ने एक श्राप से मुक्ति पाने के लिए सर्प यज्ञ किया था। जब गरुड़ नामक बाज यज्ञ में प्रयुक्त सर्पों को ले जा रहा था, तब उनका रक्त सात अलग-अलग स्थानों पर गिरा और जहां रक्त गिरा, वहां नदियां बहने लगीं। हाल ही में एक पुल के निर्माण के दौरान मंजिरा नदी के तल के नीचे राख की एक परत पाई गई।

गर्भगृह में नदी का प्रवेशः एक अलौकिक दृश्य

माँ कनक दुर्गा का यह मंदिर एक प्राकृतिक गुफा के भीतर स्थित है, जो इसकी दिव्यता को और बढ़ा देता है. इस मंदिर का सबसे रोमांचक और चमत्कारिक दृश्य मानसून के दौरान देखने को मिलता है. जब मंजीरा नदी पर बने 'सिंगूर बांध' के गेट खोले जाते हैं और नदी का जलस्तर बढ़ता है, तो पानी की धाराएं सीधे मंदिर के गर्भगृह तक पहुँच जाती हैं और माता के चरणों को स्पर्श करते हुए आगे बढ़ती हैं. भक्तों के लिए यह किसी दैवीय चमत्कार से कम नहीं होता कि नदी स्वयं अपनी सीमाओं को विस्तार देकर अपनी आराध्या का अभिषेक करने आती है. चट्टानों के बीच स्थित इस मंदिर की शांति और यहाँ बहती नदी की कल-कल ध्वनि किसी को भी अध्यात्म की गहराई में ले जाने के लिए पर्याप्त है

सड़क द्वारा

तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) द्वारा मेडक के लिए नियमित बसें चलती हैं, जो हैदराबाद, वारंगल, सिद्दिपेट, निज़ामाबाद, करीमनगर और संगारेड्डी को जोड़ती हैं। मेडक तक सभी महत्वपूर्ण शहरों और कस्बों से बसें उपलब्ध हैं। मेडक से एडुपयालु मंदिर की दूरी 19.5 किलोमीटर है। मेडक से एडुपयालु तक बस/टैक्सी उपलब्ध हैं।

ट्रेन से

मेडक में रेलवे स्टेशन नहीं है। अक्कन्नापेट (19.1 किमी) और कामारेड्डी (60 किमी) मेडक के निकटतम रेलवे स्टेशन हैं, जहाँ से बैंगलोर, चेन्नई, निज़ामाबाद, महबूबनगर, नांदेड़, विशाखापत्तनम और हैदराबाद आदि प्रमुख शहरों के लिए ट्रेनें चलती हैं। रेलवे स्टेशन से मेडक पहुँचने के लिए टैक्सी/कैब और बसें भी उपलब्ध हैं। मेडक से एडुपयाला मंदिर की दूरी 19.5 किमी है, और यहाँ से बसें/टैक्सी उपलब्ध हैं।

हवाईजहाज से

हैदराबाद में राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (मेडक से 146 किमी दूर) निकटतम हवाई अड्डा है। मेडक से एडुपयालु मंदिर तक की दूरी 19.5 किमी है। मेडक से एडुपयाला मंदिर तक बस/टैक्सी उपलब्ध हैं।

4 दिनों में दिखेगा बुध, शुक्र और गुरु का 'प्लैनेट परेड', 5 राशिवालों को करियर में उन्नति

आज से 15 जून के बीच आसमान में बुध, शुक्र और गुरु का 'प्लैनेट परेड' देखने को मिलेगा. 11 से 14 जून के बीच शाम को आसमान में इन ग्रहों की सुंदर श्रृंखला देखने को मिली. आज 15 जून से 4 दिनों में बुध ग्रह शुक्र और गुरु के साथ मिलकर एक आकर्षक कतार बनाएगा. इसे आसमान में देखा जा सकेगा. सबसे चमकीला ग्रह शुक्र गुरु के पास दिखाई देगा, वहीं बुध क्षितिज के बेहद करीब रहेगा. ज्योतिष में ये तीनों ही ग्रह बेहद शुभ होते हैं. गुरु ज्ञान, सौभाग्य, उन्नति का प्रतीक है, वहीं शुक्र प्रेम, भौतिक सुख-सुविधाओं और ऐश्वर्य का कारक है, जबकि बुध ग्रह बुद्धि, वाणी, शिक्षा, व्यापार से जुड़ा है. आसमान में इन तीन ग्रहों की एक साथ परेड 5 राशिवालों के करियर, बिजनेस, शिक्षा, आर्थिक स्थिति आदि पर प्रभाव डालेगा।

मेषः बुध, शुक्र और गुरु की इस स्थिति से मेष वालों को लाभ होगा. काम में आने वाली परेशानियां दूर होंगी. नई जॉब का प्रस्ताव मिल सकता है, पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि का योग बनेगा. बिजनेस में आगे बढ़ने के मौके मिलेंगे. धन लाभ का योग बनेगा, जिससे आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. वाणी का प्रभाव बढ़ेगा।

मिथुनः बुध, शुक्र और गुरु की वजह से मिथुन वालों को करियर में लाभ प्राप्त होगा. बिजनेस में नई डील या करियर में नए काम मिलेंगे. पुराने अटके हुए पैसे वापस मिल सकते हैं या बोनस मिलने से आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी. शिक्षा और प्रतियोगिता से जुड़े लोगों को सफलता प्राप्त होगी. आपके सुख और सुविधाओं में वृद्धि हो सकती है।

सिंहः बुध, शुक्र और गुरु के शुभ प्रभाव से सिंह वालों के यश और कीर्ति में इजाफा होगा. नौकरी में प्रमोशन मिलने की उम्मीद है. इस समय में वेतन वृद्धि की खुशखबरी मिल सकती है. परिवार में खुशहाली रहेगी. कार्यक्षेत्र में लोगों का सहयोग प्राप्त होगा. आपके पुराने काम बनेंगे. आपका सोशल नेटवर्क मजबूत होगा. दांपत्य जीवन में सुख और शांति रहेगी।

तुलाः बुधक, शुक्र और गुरु की विशेष स्थिति तुला वालों के लिए लाभदायक हो सकती है. आपकी लव लाइफ ठीक रहेगी. पार्टनर के साथ अच्छा समय व्यतीत करने का मौका मिल सकता है. जो लोग शादीशुदा हैं, उनकी लाइफ भी ठीक रहेगी. पार्टनर का पूरा सहयोग प्राप्त होगा. कहीं पर घूमने का प्लान बना सकते हैं. आप आय के नए स्रोत बना सकते हैं या अचानक धन लाभ हो सकता है. करियर के लिए यह समय अनुकूल रहेगा।

धनुः बुध, शुक्र और गुरु का शुभ प्रभाव धनु राशिवालों के जीवन में देखने को मिल सकता है. जो लोग विदेश में पढ़ने या नौकरी करने का सपना देख रहे हैं, वे सफल हो सकते हैं, उनको खुशखबरी मिल सकती है. विदेश से धन लाभ हो सकता है. नौकरी बदलने की सोच रहे हैं तो मौका मिल सकता है. बिजनेस करने वालों को काम के विस्तार का अवसर मिलेगा. मांगलिक कार्य और पूजा पाठ में मन लगेगा. धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं।

अखंड सौभाग्य का गुप्त सूत्र है सोमवती अमावस्या पर सोना धोबिन की कथा

हिंदू धर्म में सोमवती अमावस्या का पर्व सुहागिनों के लिए किसी वरदान से कम नहीं माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार, इस दिन किया गया व्रत और दान न केवल पति की आयु लंबी करता है, बल्कि सोए हुए भाग्य को भी जगा देता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक ऐसी भी कन्या थी। जिसके भाग्य में विवाह का योग ही नहीं था, फिर भी सोना धोबिन के त्याग और सोमवती अमावस्या के प्रताप से उसे अखंड सौभाग्य की प्राप्ति हुई? आज हम आपको सुनाएंगे वह पौराणिक और चमत्कारिक कथा, जिसमें ईंट के टुकड़ों से की गई 108 परिक्रमा ने यमराज के फैसले को भी बदल दिया था।

बहुत वर्ष पहले की बात है गरीब ब्राह्मण परिवार में पति-पत्नी और उनकी एक पुत्री निवास करते थे। सारा परिवार प्रभु भक्ति में लीन रहता था। उनकी पुत्री सुंदर, संस्कारी और गुणवान थी। वह उसके लिए वर की तलाश कर रहे थे किंतु निर्धन होने के कारण उसके विवाह में अड़चने आ रही थी। प्रभु कृपा से उनके घर में एक महात्मा आए। उस कन्या की सेवा भावना से खुश होकर उन्होंने उसे आशीष दिया तो उस लड़की के पिता ने कहा, महात्मा जी बहुत समय से हम अपनी लड़की के लिए वर की तलाश कर रहे हैं मगर हमारी गरीबी की वजह से हर बार बात बनते-बनते रह जाती है। कृपया बताएं कब हमारी बेटी के हाथ पीले होंगे।

महात्मा जी ने उस लड़की का हाथ देखा और बोले, इस लड़की के हाथ में तो विवाह की रेखा ही नहीं है।

लड़की के पिता बोले, माफ करना! महात्मा जी, मैं आपके कहने का तात्पर्य नहीं समझ पाया।

महात्मा जी ने कहा, इस लड़की के भाग्य में विवाह सुख नहीं है।

महात्मा जी के मुख से ऐसे वचन सुन कर ब्राह्मण दम्पति रोते-रोते महात्मा जी के चरणों में गिर गए और उन से इस समस्या का समाधान बताने के लिए विनती करने लगे। महात्मा जी ने उन्हें अपने चरणों से उठाया और बोले, पास के ही एक गांव में सोना नामक धोबिन जाति की एक पतिव्रता महिला अपने पति, बेटे और बहू के साथ निवास करती है। जोकि एक महान पतिव्रता स्त्री है। यदि आपकी लड़की उसे अपनी सेवा से प्रसन्न कर लेती है तो आशीष स्वरूप उस से उसकी मांग का सिंदूर ले ले तभी इस लड़की का विवाह संभव है। ऐसा करने से इसे अमोघ सुहाग भाग की प्राप्ति भी होगी। मगर याद रहे वह पतिव्रता महिला कहीं आती-जाती नहीं हैं।

महात्मा जी ब्राह्मण दम्पति के घर से विदा हो गए। ब्राह्मणी ने अपनी लड़की को अगले दिन भोर फटते ही धोबिन की सेवा करने भेज दिया। लड़की पूरे दिल से सोना धोबिन के घर की साफ-सफाई और अन्य सारे कार्य कर उनके उठने से पूर्व ही अपने घर लौट आती। यह क्रम बहुत दिन तक चलता रहा। एक दिन सोना धोबिन अपनी बहू को शाबाशी देते हुए बोली, तुम तो ब्रह्म मूर्हत में उठकर ही घर का सारा काम कर लेती हो और मुझे अभास तक नहीं होता।

बहू बोली, नहीं माता जी, मैं तो सुबह देरी से उठती हूं। मुझे लगा घर के सारे काम आप करती हैं।

अगले दिन भोर फटते ही सास-बहू उठ कर घर के एक कोने में छिप कर निगरानी करने लगी कि कौन है जो ब्रह्म मुहूर्त में ही घर का सारा काम करके चला जाता है। अपने निर्धारित समय पर ब्राह्मण की बेटी आई और मुख से भजन करते-करते घर का काम दिल से करने लगी। अपना काम पूरा होने पर जब वह जाने लगी तो सोना धोबिन ने उस से पूछा, तुम कौन हो बेटी और इस तरह छुप कर मेरे घर का काम क्यों करती हो?

ब्राह्मण की लड़की ने उन्हें महात्मा के द्वारा कही गई सारी बात बताई। सोना धोबिन पतिव्रता होने के साथ-साथ नेक दिल की थी। वह उस लड़की की मदद के लिए तैयार हो गई। उस दिन सोमवती अमावस्या थी। वह उस लड़की के साथ बिना अन्न जल ग्रहण किए उसके घर की ओर चल पड़ी। उसने सोचा रास्ते में कहीं पीपल का पेड़ मिलेगा तो उसे भंवरी देकर और उसकी परिक्रमा करके ही जल ग्रहण करेगी। लड़की के घर पहुंचकर धोबिन ने जैसे ही अपनी मांग से सिन्दूर उस कन्या की मांग में लगाया तो उसके पति के प्राण पखेरू उड़ गए। उसे ज्ञात हो गया की उसके पति इस दुनियां में नहीं रहे।

वह ब्राह्मण परिवार से विदा लेकर चल पड़ी। रास्ते में पीपल का पेड़ देखकर उसने ईंट के टुकड़ों से 108 बार भंवरी देकर 108 बार पीपल के पेड़ की परिक्रमा की तत्पश्चात जल ग्रहण किया। तभी उसके पति की मृत देह में प्राण लौट आए। सोमवती अमावस्या के दिन अपने मनोरथों की पूर्ति के लिए धोबी परिवार को भेंट इत्यादि देने का भी विधान है।

अटके काम पूरे नहीं हो रहे? व्यापार में भी आ रही है रुकावट?

कई बार इंसान मेहनत तो पूरी करता है, लेकिन फिर भी काम अटकते रहते हैं, कारोबार में मनचाही तरक्की नहीं मिलती या घर का माहौल लगातार तनावपूर्ण बना रहता है।ऐसे में लोग धार्मिक और ज्योतिषीय उपायों की तरफ रुख करते हैं।भारतीय परंपरा में पान का पत्ता सिर्फ एक साधारण पत्ता नहीं माना जाता, बल्कि इसे शुभता, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक समझा जाता है।पूजा-पाठ से लेकर विवाह और मांगलिक कार्यक्रमों तक पान के पत्ते का विशेष स्थान रहा है।ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में भी पान के पत्ते को खास महत्व दिया गया है।

मान्यता है कि इसका संबंध बुध और शुक्र ग्रह से होता है, जो बुद्धिमत्ता, संवाद क्षमता, सुख-सुविधाओं और आर्थिक समृद्धि के कारक माने जाते हैं।यही वजह है कि पान के पत्ते से जुड़े कुछ आसान उपाय लंबे समय से लोगों के बीच लोकप्रिय हैं।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ये उपाय जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने, अटके काम पूरे कराने और आर्थिक स्थिति मजबूत करने में मददगार माने जाते हैं।हालांकि इन्हें आस्था और विश्वास से जुड़े उपायों के रूप में देखा जाता है।

अटके हुए कामों को गति देने का पारंपरिक उपाय

जीवन में ऐसे दौर अक्सर आते हैं जब महत्वपूर्ण काम बार-बार रुक जाते हैं।नौकरी से जुड़ा मामला हो, किसी जरूरी दस्तावेज़ का काम हो या फिर कोई पारिवारिक फैसला, कई बार लगातार कोशिशों के बाद भी सफलता नहीं मिलती।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ऐसी स्थिति में शुक्रवार या रविवार के दिन पान के पत्ते पर थोड़ा सा सफेद चूना लगाकर उसे घर के मुख्य द्वार के पास ऐसी जगह रखा जाता है, जहां किसी की सीधी नजर न पड़े।मान्यता है कि यह उपाय घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा को कम करने और सकारात्मक माहौल बनाने में सहायक माना जाता है।कई लोग इसे नए काम की शुरुआत से पहले भी करते हैं.

क्यों माना जाता है खास?

ज्योतिष के जानकारों के अनुसार मुख्य द्वार को घर की ऊर्जा का प्रवेश द्वार माना जाता है।ऐसे में वहां किए गए कुछ धार्मिक उपाय वातावरण को सकारात्मक बनाने का प्रतीक माने जाते हैं।हालांकि इसके साथ लगातार प्रयास और सही योजना भी उतनी ही जरूरी मानी जाती है।

व्यापार में तरक्की के लिए पान की माला

छोटे और बड़े कारोबारियों के बीच पान के पत्ते का यह उपाय काफी चर्चित माना जाता है।जब व्यापार में लगातार मंदी महसूस हो, ग्राहक कम आने लगें या कामकाज में रुकावटें बढ़ जाएं, तब कुछ लोग इस पारंपरिक उपाय को अपनाते हैं।मान्यता के मुताबिक शनिवार के दिन पांच ताजे और बिना कटे पान के पत्ते लेकर उन्हें एक धागे में पिरोकर माला तैयार की जाती है।इसके बाद इस माला को दुकान, प्रतिष्ठान या कार्यालय के मुख्य द्वार की पूर्व दिशा में टांग दिया जाता है।पत्ते सूख जाने पर उन्हें सम्मानपूर्वक बहते जल में प्रवाहित किया जाता है और जरूरत पड़ने पर नई माला लगाई जाती है।

कनखजूरा घर में दिखना शुभ है या अशुभ?

किस जगह दिखना बदल सकता है आपकी किस्मत

घर में अचानक कोई छोटा जीव दिख जाए तो अक्सर लोग उसे सिर्फ सामान्य घटना नहीं मानते। खासकर जब बात कनखजूरे यानी गोजर की हो, तब कई घरों में इसे लेकर तरह-तरह की मान्यताएं सुनने को मिलती हैं। कोई इसे आने वाली समृद्धि का संकेत मानता है तो कोई इसे राहु और नकारात्मक ऊर्जा से जोड़कर देखता है।ज्योतिष, शकुन शास्त्र और वास्तु परंपराओं में ऐसे संकेतों को सीधे भविष्यवाणी नहीं माना जाता, बल्कि इन्हें जीवन में चल रही ऊर्जा और परिस्थितियों के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। यही वजह है कि घर में कनखजूरे का दिखना कई लोगों के लिए जिज्ञासा का विषय बन जाता है।लेकिन इसका अर्थ इस बात पर भी निर्भर करता है कि वह आपको कहां, कब और किस स्थिति में दिखाई देता है।

क्या घर में कनखजूरा दिखना हमेशा अशुभ होता है?

लोक मान्यताओं के अनुसार इसका उत्तर नहीं है।कनखजूरे को कई परंपराओं में दोहरे संकेत वाला जीव माना गया है।कभी इसे बदलाव, ऊर्जा परिवर्तन और छिपी हुई गतिविधियों का प्रतीक माना जाता है, तो कभी इसे सावधानी का संकेत समझा जाता है। कुछ ज्योतिषीय मान्यताओं में माना जाता है कि ऐसे जीव अचानक दिखाई दें तो यह संकेत हो सकता है कि घर के वातावरण में कोई परिवर्तन आने वाला है। हालांकि इसका अर्थ हर बार नकारात्मक नहीं होता।

शुभ संकेतः जब कनखजूरा सकारात्मक संदेश माना जाता है

अचानक बिना नुकसान पहुंचाए दिखना

मान्यता है कि यदि कनखजूरा घर में अचानक दिखाई दे और बिना किसी परेशानी के अपने रास्ते चला जाए, तो यह घर में रुके हुए कार्यों के आगे बढ़ने और आर्थिक स्थिति में सुधार का प्रतीक माना जाता है।ग्रामीण क्षेत्रों में कई लोग इसे "घर की ऊर्जा बदलने" का संकेत भी मानते हैं।हालांकि यह पूरी तरह धार्मिक और सांस्कृतिक विश्वासों पर आधारित धारणा है।

मुख्य द्वार या सीढ़ियों से बाहर जाता दिखे

शकुन शास्त्र से जुड़ी मान्यताओं में कहा जाता है कि यदि कनखजूरा घर के मुख्य द्वार या सीढ़ियों की ओर बाहर जाता दिखाई दे, तो इसे नकारात्मकता के बाहर निकलने का प्रतीक माना जाता है।कई लोग ऐसे समय घर में दीपक जलाना या साफ-सफाई करना शुभ मानते हैं।

फर्श पर बार-बार रेंगता दिखना

कुछ वास्तु मान्यताओं में कहा गया है कि यदि बार-बार कनखजूरा घर के बीचोंबीच फर्श पर दिखाई दे, तो यह घर के वातावरण में अव्यवस्था या आर्थिक दबाव की ओर संकेत माना जाता है।

घर के मंदिर में दक्षिण मुखी मूर्ति रखना शुभ या अशुभ?

सामान्यतः जनमानस में यह असमंजस रहता है कि घर के मंदिर में देवी-देवताओं की मूर्तियां किस दिशा की ओर मुख करके रखी जानी चाहिए। कुछ मान्यताओं के अनुसार हनुमान जी, गणेश जी और मां दुर्गा की मूर्ति दक्षिण मुखी होनी चाहिए, तो श्री राम व श्री कृष्ण की मूर्ति उत्तर या पूर्व मुखी। कई विद्वान घर के मंदिर में भगवान का मुख दक्षिण दिशा में होना पूरी तरह वर्जित बताते हैं। परंतु, क्या यह नियम हर जगह लागू होता है?

यदि हम प्राचीन और सिद्ध मंदिरों का अध्ययन करें, तो दिशाओं को लेकर कोई एक तय नियम नहीं दिखता। मेरे गृह नगर उज्जैन के ये अत्यंत प्रसिद्ध और प्राचीन मंदिर इसके प्रत्यक्ष प्रमाण हैं, जहां हमेशा भक्तों का तांता लगा रहता है-

उज्जैन के विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में भगवान महाकाल का मुख दक्षिण दिशा की ओर है। हनुमान जी का प्राचीन मंदिर उत्तर मुखी है।

चिंतामण गणेश जी का मंदिर, यहां गणेश जी की मूर्ति पूर्व मुखी है। गढ़कालिका माता मंदिर, इस सिद्धपीठ में मां पश्चिम मुखी विराजमान हैं। मां हरसिद्धि, राजा विक्रमादित्य की आराध्य देवी मां हरसिद्धि यहां पूर्व मुखी विराजित हैं।

कई धार्मिक स्थलों के वास्तु विश्लेषण में मैंने पाया है कि मंदिर की प्रसिद्धि और समृद्धि के लिए केवल मूर्ति की दिशा नहीं, बल्कि मंदिर की बनावट का वास्तु अनुकूल निर्माण होना सबसे महत्वपूर्ण होता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में पूजा के लिए सबसे श्रेष्ठ स्थान ईशान कोण या उत्तर और पूर्व दिशा है, जो सकारात्मक ऊर्जा का मुख्य केंद्र है। जब हम ईशान कोण या उत्तर और पूर्व दिशा में मंदिर स्थापित करते हैं, तो सामान्यतः दो स्थितियां बनती हैं-

उत्तर की दीवार पर मंदिरः यदि मंदिर उत्तर की दीवार पर होगा, तो मूर्ति का मुख स्वाभाविक रूप से दक्षिण की ओर होगा। इस स्थिति में पूजा करते समय आपका मुख उत्तर की ओर रहेगा।

पूर्व की दीवार पर मंदिरः यदि मंदिर पूर्व की दीवार पर होगा, तो मूर्ति का मुख पश्चिम की ओर होगा और पूजा करते समय आपका मुख पूर्व की ओर रहेगा। घर के मंदिर में भगवान का मुख पश्चिम या दक्षिण की ओर इसलिए रखा जाता है, ताकि पूजा करने वाले का मुख क्रमशः पूर्व या उत्तर की ओर रहे, जो ध्यान और प्रार्थना के लिए सर्वश्रेष्ठ दिशाएं मानी गई हैं।

सबसे अजीब अफवाह थी मैं गे हूं: मौनी रॉय

सेक्शुअलिटी की अटकलों पर तोड़ी चुप्पी, मुश्किल समय में दोस्तों के सपोर्ट का किया जिक्र

एक्ट्रेस मौनी रॉय ने हाल ही में अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी सोशल मीडिया चर्चाओं और अफवाहों पर खुलकर बात की। मोनिका शर्मा के डिजिटल टॉक शो में उनसे पूछा गया कि बॉलीवुड में आने के बाद उन्होंने अपने बारे में सबसे अजीब अफवाह कौन-सी सुनी। इस पर मौनी ने जवाब दिया, "यह कि मैं गे हूं।"मौनी ने इस सवाल का जवाब हल्के अंदाज में दिया और साफ किया कि वह ऐसी अटकलों को गंभीरता से नहीं लेतीं। पिछले कुछ समय से उनकी निजी जिंदगी चर्चा में रही है और सोशल मीडिया पर उनके रिश्तों व दोस्ती को लेकर कई तरह के अनुमान लगाए जाते रहे हैं। मौनी ने कहा कि उनके अच्छे-बुरे और मुश्किल दौर में करीबी महिला दोस्तों ने हमेशा साथ दिया। उनके मुताबिक मजबूत दोस्ती और सपोर्ट सिस्टम किसी भी इंसान को मुश्किल समय से बाहर आने में मदद करता है।

एक्ट्रेस ने युवा महिलाओं के लिए संदेश देते हुए कहा कि उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और भावनात्मक रूप से मजबूत बनना चाहिए। उनके मुताबिक आत्मनिर्भरता सिर्फ करियर नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक मजबूती से भी जुड़ी होती है।

मौनी ने कहा कि लोगों की राय और सोशल मीडिया की प्रतिक्रियाएं आती-जाती रहती हैं, लेकिन सबसे जरूरी खुद को समझना और अपने फैसलों पर भरोसा रखना है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को मजबूत सपोर्ट सिस्टम बनाना चाहिए और अपनी पहचान किसी बाहरी धारणा से तय नहीं होने देनी चाहिए। मौनी का यह बयान सोशल मीडिया पर चर्चा में है और लोग उनकी बेबाकी व आत्मनिर्भरता के संदेश पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना ने निभाया वादा, 180 स्टूडेंट्स को दी स्कॉलरशिप

साउथ के पसंदीदा कपल रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा इन दिनों चर्चा में आ गए हैं. हाल ही में उन्होंने एक ऐसा कदम उठाया है, जिससे सभी उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं. उन्होंने तेलंगाना के मेधावी छात्रों की पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप दी हैं, जिसकी लिस्ट उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की.

विजय ने दिखाई लिस्ट

विजय देवरकोंडा ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'हम थुम्मनपेट गांव जा रहे हैं, जो एक छोटा-सा गांव है और जहां मेरे पिता का जन्म हुआ था. फरवरी में मैंने और रश्मिका ने अपने एक छोटे से सपने की शुरुआत करने का ऐलान किया था. हमारा मकसद तेलंगाना के अचंपेट मंडल के 9वीं और 10वीं कक्षा के उन छात्रों को सम्मानित करना है, जिन्होंने कड़ी मेहनत और लगन से पढ़ाई की है. ये उन 180 बच्चों की लिस्ट है, जिन्होंने अपनी मेहनत से अपने माता-पिता का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है.' इस लिस्ट के साथ विजय ने अपनी और रश्मिका की फोटो भी शेयर की, जिसपर फैंस खूब प्यार बरसा रहे हैं और उनकी तारीफ कर रहे हैं.

रश्मिका ने बढ़ाया हौसला

वहीं इस कार्यक्रम से जुड़ी वीडियो भी सामने आई, जिसमें रश्मिका ने बच्चों को हिम्मत देते हुए कहा, 'जिंदगी में कभी हम जीतते हैं, तो कभी हारते हैं. लेकिन हर बार हमें कुछ न कुछ सीखने को जरूर मिलता है. अपने माता-पिता और शिक्षकों से सीखते रहें और जीवन में आगे बढ़कर बड़ी सफलता हासिल करें.' रश्मिका मंदाना, स्कॉलरशिप और सम्मान समारोह में.'

विजय-रश्मिका ने किया था वादा

बता दें कि विजय आर रश्मिका ने शादी के बाद नए घर में सत्यनारायण व्रत पूजा और गृह प्रवेश रखा. इसके बाद वो अपने पैतृक गांव थुम्मनपेट गए, जहां उन्होंने स्टूडेंट्स की शिक्षा में मदद करने के लिए वादा किया था. वहीं बात करें रश्मिका और विजय के रिश्ते और काम की, तो दोनों ने इसी साल फरवरी में ग्रैंड शादी की, जिसकी तस्वीरें खूब वायरल हुई. दोनों के बीच दोस्ती 'गीता गोविंदम' फिल्म से शुरू हुई, इसके बाद वो साथ में 'डियर कॉमरेड' में भी नजर आए. वहीं दोनों जल्द ही 'राणाबली' फिल्म में नजर आएंगे, जो 11 सितंबर को रिलीज होने वाली हैं.

कॉकटेल 2 के प्रमोशन में मची अफरा-तफरी भीड़ में फंसीं रश्मिका को कृति ने बचाया

बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'कॉकटेल 2' के प्रमोशन में जोर-शोर से जुटे हुए हैं. इसी सिलसिले में जब ये तीनों स्टार्स पुणे के एक नामी मॉल में पहुंचे, तो वहां अपने चहेते सितारों को देखने के लिए फैंस की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. देखते ही देखते यह इवेंट एक बड़े हंगामे और अफरातफरी में बदल गया. भीड़ इतनी बेकाबू हो गई कि स्टार्स को वहां से सुरक्षित निकालना मुश्किल होने लगा.

इसी बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें कृति सेनन अपनी को-स्टार रश्मिका मंदाना को भीड़ से बचाती और उनकी सुरक्षा करती नजर आ रही हैं. कृति का यह केयरिंग अंदाज इंटरनेट पर लोगों का दिल जीत रहा है और फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं.

फैंस ने तोड़े बैरिकेड्स, बीच में ही रोकना पड़ा इवेंट

पुणे के मॉल में यह प्रमोशनल इवेंट फैंस के साथ एक आम मुलाकात के तौर पर शुरू हुआ था, लेकिन जैसे ही तीनों स्टार्स स्टेज की तरफ बढ़े, वहां मौजूद भीड़ बेकाबू हो गई. खबरों के मुताबिक, फैंस अपने पसंदीदा कलाकारों की एक झलक पाने और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाने के लिए सुरक्षा घेरा (बैरिकेड्स) तोड़कर आगे बढ़ आए. मॉल में तैनात सिक्योरिटी स्टाफ के लिए इस जनसैलाब को संभालना नामुमकिन हो गया. हालात को हाथ से निकलता देख आयोजकों ने तुरंत बड़ा फैसला लिया और सुरक्षा कारणों से इवेंट को तय समय से पहले ही खत्म करके तीनों स्टार्स को वहां से बाहर निकालने का रास्ता ढूंढा.

इंटरनेट पर वायरल हो रहे वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि मॉल के अंदर पैर रखने तक की जगह नहीं बची थी. इस हंगामे के बीच शाहिद कपूर खुद आगे रहकर भीड़ को हटाते हुए रास्ता बनाने की कोशिश कर रहे थे, वहीं कृति सेनन लगातार रश्मिका मंदाना के साथ डटी रहीं. वीडियो में कृति, रश्मिका को बेहद करीब से पकड़े हुए और उन्हें चारों तरफ से घेरकर आगे बढ़ती दिख रही हैं. पूरी अफरातफरी के दौरान कृति ने रश्मिका का हाथ नहीं छोड़ा और उन्हें रास्ता दिखाते हुए मॉल से सुरक्षित बाहर निकाला. कृति के इस कदम की वजह से कोई बड़ा हादसा होने से टल गया.

तृषा कृष्णन के हाथ में हीरे की अंगूठी और गले में चेन देख गुपचुप सगाई की चर्चा! पर फैंस ने दी रईसी की दाद

एक्ट्रेस तृषा कृष्णन को हाल ही में एक इवेंट में देखा गया, जहां उन्होंने हीरे की चेन और अंगूठी पहनी थी। अंगूठी से उनकी सगाई का अंदाजा लगाया जा रहा है। तृषा के हाथों में रिंग देखकर हर कोई सवाल ही कर रहा है कि क्या तृषा ने गुपचुप सगाई कर ली है।

एक्ट्रेस तृषा कृष्णन अपनी सगाई की खबरों को लेकर चर्चा में हैं, क्योंकि ऐसी अफवाहें हैं कि उन्होंने गुपचुप तरीके से सगाई कर ली है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों और वीडियो में तृषा को पेंडेंट और अंगूठी पहने देखा जा सकता है, जिससे उनकी गुपचुप सगाई को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। लोग इस पर जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और साउथ इंडियन मीडिया में एक्ट्रेस की गुपचुप सगाई की खूब चर्चा हो रही है। हालांकि, अगर उनकी सगाई हुई भी है, तो यह पता नहीं चल पाया है कि उन्होंने किसके साथ सगाई की है और एक्ट्रेस ने भी इस मामले पर अभी तक कोई कमेंट नहीं किया है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और एक्टर थलपति विजय के साथ रिश्ते की अफवाहों की वजह से तृषा कृष्णन काफी समय से चर्चा में हैं। तमिलनाडु चुनावों के दौरान तृषा को विजय के घर पर उनके परिवार के साथ देखा गया था, जिससे काफी चर्चा हुई और लोगों को लगा कि उनके रिश्ते की पुष्टि हो गई है। हालांकि, तृषा ने विजय के साथ अपने रिश्ते को एक खास दोस्ती बताया है। कुछ लोग सगाई की अटकलों को थलपति विजय से जोड़ रहे हैं, लेकिन इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, वीडियो के कमेंट सेक्शन में फैंस ने बचाव किया है और लिखा है कि वो अमीर हैं, कुछ भी पहन सकती हैं।

तृषा कृष्णन की पहली सगाई

तृषा कृष्णन की सगाई 2015 में चेन्नई के बिजनेसमैन वरुण मनियन से हुई थी, लेकिन कहा जाता है कि अलग-अलग प्राथमिकताओं के कारण यह सगाई टूट गई।

उन्होंने 9 जनवरी, 2015 को ट्विटर पर वरुण मनियन के साथ अपनी सगाई की घोषणा की थी और बताया था कि 23 जनवरी को एक प्राइवेट सेरेमनी होगी। हालांकि, तृषा ने 2015 में वरुण मनियन से अपनी शादी रद्द कर दी और इस रिश्ते को खत्म करने का फैसला किया, क्योंकि वह अपना एक्टिंग करियर नहीं छोड़ना चाहती थीं।

बेबाक बयानों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं पूनम पांडे

अभिनय से कहीं अधिक विवादों तथा बेबाक बयानों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहने वाली पूनम पांडे 14 सालों से फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा बनी हुई है। पूनम ने बड़े-बड़े कारनामे करके दिखाए हैं, जिनके कारण वह विवादों में भी रही। अपने फिल्मी प्रोजेक्ट्स से ज्यादा उसे अपनी बोल्ड अदाओं, बातों और हरकतों के लिए पहचाना जाता है। पूनम की पर्सनल लाइफ भी विवादों में रह चुकी है। इस सबके बावजूद उसने फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स से खुद को जज न करने की दरख्वास्त की है।

बहुत कुछ नहीं सहन कर सकती पूनम ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया । इसमें वह काफी शांत मगर परेशान नजर आ रही थी। वीडियो में वह कह रही है, दोस्तों मैं ऐसा वीडियो कभी नहीं बनाती हूं, लेकिन आज पता नहीं क्यों मुझे थोड़ा इमोशनल महसूस हो रहा था । मैंने सोचा मैं एक छोटी-सी आपसे दरख्वास्त करूं, मैं बहुत कुछ नहीं सहन कर सकती, मैं भी इंसान हूं। मैं इस इंडस्ट्री में 14 साल पहले आई थी। काम मांगने आई थी। काम ढूंढने आई थी। तब भी ढूंढ रही थी, आज भी ढूंढ रही हूं। मैं आज भी खुद को पुश करती हूं कि मैं ऐसा क्या करूं कि लोग मुझे नोटिस करें। मैं थिएटर करती हूं। मैं खुद को पुश करती हूं जितनी मेरी लिमिट बन सके। जज करना बंद कर दीजिए। अगर आपको मेरी बैक स्टोरी नहीं पता है तो कम से कम गाली मत दो। मैंने कभी किसी को गाली नहीं दी है। मुझे गाली मत दीजिए मैं आपसे रिक्वेस्ट करती हूं। इस वीडियो के साथ कैप्शन में उसने लिखा, आपने वे रातें कभी नहीं देखीं जब मैं बेहतर बनने की कोशिश में रोई हूं इसलिए प्लीज, उन हिस्सों को जज मत कीजिए जो आपने कभी समझने की कोशिश भी नहीं की ।

कुछ ही समय में उसका यह वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। यूजर्स ने उसके कमैंट सैक्शन में अपने रिएक्शन भी खुल कर दिए। कुछ उसकी तारीफ कर रहे हैं, उसकी खूबसूरती को सराह रहे हैं और कुछ उससे पूछ रहे हैं कि आखिर क्या हो गया, जो उसे यह वीडियो बनाना पड़ा और वह इतनी परेशान क्यों है ?

मिस्ट्री मैन के साथ आई नजर

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले पूनम ने इंस्टाग्राम पर अपनी नई फोटोज से फैंस को चौंका दिया था । इन तस्वीरों में उसे एक मिस्ट्री मैन के साथ देखा जा सकता था। माना गया कि यह उसका नया ब्वॉयफ्रैंड हो सकता है । हालांकि, उसने अभी तक इस पर कोई रिएक्शन नहीं दिया है। प्रैग्नेंट होने की अफवाहें

इससे पहले पूनम के प्रैग्नेंट होने की अफवाहें भी फैली थीं, जिन्हें उसने नकार दिया था।

किया था मौत का नाटक

पिछले साल पूनम पांडे ने अपनी मौत का नाटक भी किया था, जिसकी वजह सर्वाइकल कैंसर को बताया गया। चारों तरफ अफरा-तफरी मचाने और 24 घंटे गायब रहने के बाद पूनम सामने आई और कहा कि वह तो सर्वाइकल कैंसर के लिए जागरूकता फैलाने के लिए यह नाटक कर रही थी । इसकी वजह से उसे खूब आलोचना झेलनी पड़ी थी ।

सीन खत्म होने के बाद भी बार-बार जबरदस्ती किस करता रहा : प्रिया बापट

आए दिन इंडस्ट्री में कुछ ऐसे राज खुलते रहते हैं, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह जाता है। हाल ही में मुन्नाभाई एमबीबीएम की एक्ट्रेस प्रिया बापट ने अपना एक किस्सा शेयर किया और बताया कि कैसे उनका एक साथी एक्टर सीन खत्म होने के बाद भी बार-बार किस करता रहा है। बात यहां तक खत्म नहीं हुई, इसके बाद वो प्रिया को मिलने के लिए बुलाने लगा। अपने इस बुरे समय को याद करते हुए प्रिया बपाट ने बताया कि वो समय मेरी जिंदगी का सबसे बुरा और खतरनाक समय था। तो चलिए जानते हैं क्या था पूरा मामला-

प्रिया बापट ने शेयर किया अपना इंडस्ट्री का अनुभव

हाल ही में हुए एक इंटरव्यू के दौरान प्रिया ने अपने करियर के शुरुआत से जुड़ी कुछ ऐसी बातें बताईं, जिसने सबको हैरान करके रख दिया। उन्होंने बताया कि यह बात उस समय की है, जब उन्हें बहुत ज्यादा सफलता नहीं मिली थी। एक फिल्म की शूटिंग के दौरान बीच में एक किसिंग सीन भी आया। शुरू से ही वो उस सीन के लिए सहमत नहीं थीं। स्क्रिप्ट पढ़ते दौरान ही प्रिया के मन में बहुत से स्वाक उठने लगे। उन्होंने बार-बार यह सवाल पुछा कि इस सीन की इसमें क्या जरुरत लेकिन न चाहते हुए भी मुझे वो सीन करना पड़ा।

प्रिया ने बताया कि वो मेरे करियर के शुरूआती दिन थे और हर कोई कलाकार अपने शुरुआत के दिनों में काफी असुरक्षित महसूस करता है। मुझे भी कुछ इसी तरह की फीलिंग आ रही थी। न्यू कमर को इंडस्ट्री में अपनी छाप छोड़ने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है और न चाहते हुए भी वो काम करना पड़ता है, जो वो नहीं करना चाहते।

सीन खत्म होने के बाद बार-बार किस करता रहा को-स्टार

इसी के साथ प्रिया ने आगे बताया कि जब किसिंग सीन खत्म हो गया था लेकिन मेरे को-स्टार ने बार-बार इस सीन को रिटेक किया और जबरदस्ती बार-बार किस करता रहा। इसके बाद कुछ ऐसा हुआ कि अभिनेता अपनी मर्जी से कुछ न कुछ करता रहा और में चाहते हुए भी कुछ न कर पाई।

बार-बार मैसेज करता था को-स्टार

प्रिया बापट ने यह भी खुलासा किया कि शूटिंग के दौरान उनके एक सह-कलाकार का व्यवहार उन्हें काफी असहज करता था। उनके मुताबिक, दोनों एक ही होटल में ठहरे हुए थे, हालांकि उनके कमरे अलग-अलग थे। इसके बावजूद वह अभिनेता उन्हें लगातार मैसेज भेजता रहता था और बार-बार मिलने के लिए कहता था। वह विभिन्न बहाने बनाकर उन्हें अपने साथ समय बिताने के लिए आमंत्रित करता था।प्रिया ने बताया कि उन्होंने शुरुआत से ही स्पष्ट कर दिया था कि उन्हें ऐसी किसी भी गतिविधि में कोई रुचि नहीं है। उन्होंने अपनी सीमाएं साफ शब्दों में सामने रखीं और इस तरह के व्यवहार को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

ऑफिस में 'फिट' और 'हैल्दी' रहने के उपाय

आधुनिक ऑफिस अधिकतर एयर कंडीशंड होते हैं, साथ ही हर किसी के पास टेबल पर कंप्यूटर भी होता है ।

लगातार कई घंटों तक कंप्यूटर पर काम करना और ए.सी. वातावरण में कुर्सी पर चिपक कर बैठे रहना कई तरह की बीमारियों को निमंत्रण देता है। हमें इसका पता ही नहीं चलता और बीमारियां धीरे-धीरे हमारे शरीर में अपना स्थान बना लेती हैं।

हमें इनका अहसास तब होता है जब हमारी पीठ, कंधे, गर्दन व सिर में दर्द होने लगता है, आंखें भारी होने लगती हैं, चक्कर आने लगते हैं। फिर भी हम इन परेशानियों को टालते रहते हैं और काम करते रहते हैं । जब ये अपना भयंकर रूप लेना प्रारंभ करती हैं तब हम सावधान होते हैं और भागते हैं डॉक्टरों के पास परामर्श लेने के लिए।

बेहतर यही होगा अगर हम प्रारंभ से काम करने के साथ-साथ अपनी सेहत का भी ध्यान ऑफिस में रखें तो हमें इन से नहीं जूझना पड़ेगा। बस आवश्यकता है कुछ टाइम और वर्क मैनेजमैंट की । थोड़ा सा समय देकर हम स्वस्थ बने रह सकते हैं।

हर आधे या पौने घंटे बाद कुर्सी से उठें लगातार कुर्सी पर बैठकर काम करना सेहत की दृष्टि से सही नहीं है क्योंकि हम कई घंटे तक सही पॉश्चर में बैठ नहीं सकते। इससे कमर दर्द को बढ़ावा मिलता है। सही पॉश्चर कुर्सी की बैक से अपनी बैक को सटा कर बैठना है जो अधिक समय के लिए संभव नहीं ।

अगर हम आधे पौने घंटे में उठ कर वाशरूम तक या अपने लिए पानी लेने तक उठ जाते हैं तो कमर और आंखों को थोड़ा आराम मिलता है। साथ ही पैरों और टांगों में रक्त संचार सुचारू हो जाता है।

ए.सी. से होता है डिहाइड्रेशन एयर कंडीशंड रूम में वातावरण सामान्य से कहीं अधिक ठंडा हो जाता है। ठंडे वातावरण में पानी की प्यास कम लगती है और शरीर से प्राकृतिक नमी का भी ह्रास होता है। इसलिए हमें थोड़ी-थोड़ी देर में थोड़ा-थोड़ा पानी पीते रहना चाहिए। शरीर में खुश्की आने से बालों और त्वचा पर सीधा प्रभाव पड़ता है । बाल निस्तेज और त्वचा खिंची- खिंची लगने लगती है। प्रकृति का आनन्द जरूर लें

अगर ऑफिस के आस-पास हरियाली है तो लंच टाइम में पार्क में जाएं और आनन्द उठाएं हरे-हरे पेड़ पौधों का और रंग-बिरंगे फूलों का ।

अगर ऐसा संभव नहीं है तो अपने कमरे के पर्दे या ब्लाइंड्स को हटा दें ताकि शीशे से बाहर का नजारा देख सकें।

इससे माइंड भी फ्रैश होगा और आंखों को आराम महसूस होगा। खिड़की से पक्षियों को उड़ता हुआ निहारें, पौधों को झूमता हुआ देखें ।

अगर घास वाला मैदान है तो आंखों को घास देखते हुए खोलें व बंद करें। यह आंखों के लिए एक अच्छा व्यायाम है।

इसके अतिरिक्त आप कुछ व्यायाम अपनी सीट पर बैठे-बैठे समय मिलते ही कर सकते हैं जैसे कि-

-पांव से चप्पल-जूते उतारें, पैरों को स्ट्रैच करें। बाहर की ओर, फिर अंदर की ओर

5 बार दोनों पैरों को मिलाकर गोल-गोल घुमाएं। पूरी तरह खिंचाव बनाते हुए 5 बार क्लॉकवाइज, 5 बार एंटीक्लॉकवाइज अपनी उंगलियों को पूरी तरह खोलें, बंद करें कम से कम 5 बार । जमीन पर पैर टिके रहने से उनमें रक्त प्रवाह नहीं होता ।

हल्का - फुल्का व्यायाम आपके पैरों के रक्त प्रवाह को सुचारू रखेगा।

पर टिकाएं और 5 तक गिनें, फिर धीरे से सामान्य, फिर आगे की ओर 15 तक गिनें । इसे भी 5 बार दोहरा लें।

-गर्दन को दाएं कंधे पर लिटाएं, कंधा ऊपर न करें। गर्दन जहां तक लेट सके, लिटाएं, 5 तक गिनें, फिर धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में लाएं, फिर बाईं ओर ले जाएं, 5 तक गिनें, फिर सामान्य स्थिति में आएं। इसी प्रकार 3 से 5 बार इस क्रिया को दोहरा लें। इससे आपकी गर्दन में मूवमैंट होगी और खून का दौरा भी सामान्य होगा। गर्दन में अकड़न नहीं आएगी।

- इसी प्रकार गर्दन को धीरे-धीरे क्लॉकवाइज, फिर एंटी क्लॉकवाइज घुमाएं। चक्र पूरा करने पर एक दो लंबे गहरे श्वास लें । इस क्रिया को दो बार से प्रारंभ कर धीरे - धीरे 5 तक ले जाएं ।

-कम से कम 1 घंटे के उपरांत खड़े होकर अपनी पीठ को सीधा करें और थोड़ा रिलैक्स करें। चाहें तो धीरे-धीरे अपनी रीढ़ को पीछे की ओर मोड़ें। कुछ पल रुकें, पुनः सीधा करें। दो बार से प्रारंभ कर 5 बार तक ले जाएं।

-डॉक्टर की सलाह अनुसार कुछ अंतराल बाद अपने टैस्ट करवाते रहें जैसे बी.पी., शूगर और कोलेस्ट्रॉल का चैकअप आदि ताकि समय रहते इन पर काबू पाया जा सके।

-अपने दोनों कंधों को ऊपर की ओर उठाएं और 15 तक गिनती गिनें, फिर धीरे-धीरे सामान्य लाएं और 15 तक फिर गिनती गिनें । इसी प्रकार 5 बार दोहरा लें। कंप्यूटर पर काम करते हुए - ऑफिस में लंच टाइम 1 घंटे का हो तो कंधों में जकड़न महसूस नहीं होगी। सप्ताह में एक या दो बार अपनी आंखें बंद कर -अपनी गर्दन पीछे की ओर ले जाकर रीढ़ सिर मेज पर रखकर थोड़ा आराम कर लें। वैसे दोस्तों से बातचीत कर भी ताजगी आती है पर इससे आपकी नींद भी पूरी हो जाएगी और बाद का हाफ टाइम आप चुस्ती से काम कर पाएंगे।

- ऑफिस में सीढ़ियां हों और आपका ऑफिस ऊपर के तल पर हो तो जहां तक आप सीढ़ियों से चढ़ कर जा सकते हैं, जाएं। बाद में लिफ्ट का प्रयोग कर लें। हार्ट सुचारू रूप से चले, इसके लिए यह एक अच्छा व्यायाम है।

- इन व्यायामों के अतिरिक्त प्रातः आधा घंटा घर पर या पार्क में व्यायाम अवश्य करें ताकि आपका ध्यान पूरी तरह से व्यायाम पर रहे और शरीर स्वस्थ बना रहे।

विदेशी यूनिवर्सिटी में एडमिशन के लिए कौन सी प्रवेश परीक्षा पास करनी होगी? सिर्फ आईईएलटीएस से नहीं चलेगा काम

ग्लोबल एक्सपोजर, बेहतरीन लाइफस्टाइल और शानदार करियर की चाह में कई स्टूडेंट्स विदेश जाकर पढ़ाई करने का सपना देखते हैं. अमेरिका हो, यूके, कनाडा या ऑस्ट्रेलिया-मार्केट में विदेशी यूनिवर्सिटी की डिग्री की वैल्यू बहुत ज्यादा है. विदेशी यूनिवर्सिटी में एडमिशन से पहले एंट्रेंस एग्जाम्स की जानकारी होना जरूरी है. आईईएलटीएस (IELTS), TOEFL, जीआरई (GRE), जीमैट ये नाम सुनकर ही अच्छे-भले स्टूडेंट्स का सिर घूमने लगता है.

अगर आप भी इसी उलझन में हैं तो अब टेंशन मत लीजिए. ये एग्जाम्स सिर्फ यह परखने का जरिया हैं कि आप वहां के माहौल और पढ़ाई के तौर-तरीकों में खुद को ढाल पाएंगे या नहीं. इन एग्जाम्स को 2 भागों में बांटा जाता है- पहला, भाषा की समझ देखने वाले 'इंग्लिश प्रोफिशिएंसी टेस्ट' और दूसरा, दिमाग और लॉजिक को परखने वाले 'एप्टीट्यूड टेस्ट'. जानिए, कोर्स और देश के हिसाब से कौन सा एंट्रेंस एग्जाम देना होगा, जिससे विदेश यात्रा का रास्ता एकदम साफ हो सके.

इंग्लिश प्रोफिशिएंसी टेस्टः अंग्रेजी का 'लिटमस टेस्ट'

अगर किसी अंग्रेजी प्रमुख देश में पढ़ने जा रहे हैं तो आपको साबित करना होगा कि आप वहां जाकर प्रोफेसर की बातें समझ सकते हैं या नहीं. इसके लिए मुख्य रूप से 3 एग्जाम्स सबसे ज्यादा पॉपुलर हैं:

IELTS : यह दुनिया का सबसे लोकप्रिय टेस्ट है. यूके, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और न्यूजीलैंड में इसे सबसे ज्यादा मान्यता दी जाती है. इसमें इंग्लिश लिसनिंग, रीडिंग, राइटिंग और स्पीकिंग की क्षमता जांची जाती है.

TOEFL : अगर आपका टारगेट अमेरिका (USA) के कॉलेज हैं तो TOEFL बेस्ट है. यह टेस्ट कंप्यूटर आधारित होता है और अमेरिकन इंग्लिश पर ज्यादा फोकस करता है.

PTE : आज-कल कई स्टूडेंट्स पीटीई (PTE) भी दे रहे हैं क्योंकि इसका रिजल्ट बहुत जल्दी (आमतौर पर 48 घंटे में) आ जाता है.

12वीं के बाद अंडरग्रेजुएट कोर्स के लिए: SAT और ACT

अगर आप भारत में 12वीं करने के तुरंत बाद अमेरिका या कनाडा से ग्रेजुएशन (जैसे बैचलर डिग्री) करना चाहते हैं तो लैंग्वेज टेस्ट के साथ-साथ एप्टीट्यूड टेस्ट भी देना पड़ सकता है:

SAT : इस टेस्ट के जरिए यूनिवर्सिटीज मैथ्स, रीडिंग और राइटिंग स्किल्स को परखती हैं. इस टेस्ट के जरिए क्रिटिकल थिंकिंग मापी जाती है.

ACT : यह भी सैट की तरह ही है, लेकिन इसमें साइंस का सेक्शन भी होता है. स्टूडेंट्स अपनी पसंद के हिसाब से इन दोनों में से कोई भी एक एग्जाम चुन सकते हैं.

मास्टर्स और एमएस (MS) के लिए: GRE है सबसे जरूरी

अगर आप भारत से बीटेक, बीएससी या कोई अन्य ग्रेजुएशन कोर्स पूरा करने के बाद विदेश से टेक, साइंस या ह्यूमैनिटीज में मास्टर्स (MS) करना चाहते हैं तो GRE देना होगा.

इसमें क्या पूछा जाता है: जीआरई में वर्बल रीजनिंग, क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड (मैथ्स) और एनालिटिकल राइटिंग की परीक्षा होती है. दुनियाभर के हजारों ग्रेजुएट स्कूल्स (खासकर अमेरिका और यूरोप में) एडमिशन के समय जीआरई स्कोर को काफी अहमियत देते हैं.

एमबीए और बिजनेस कोर्स के लिए: GMAT का जलवा

अगर आप विदेश के किसी बड़े बिजनेस स्कूल से एमबीए या मैनेजमेंट का कोई टॉप कोर्स करना चाहते हैं तो GMAT का रास्ता चुनना होगा.

इसका महत्वः जीमैट को विशेष रूप से बिजनेस स्कूलों के लिए डिजाइन किया गया है. इसमें देखा जाता है कि आपके अंदर डेटा को समझने, बड़े फैसले लेने और बिजनेस को मैनेज करने का दिमाग (एनालिटिकल और क्रिटिकल स्किल्स) है या नहीं. कई बिजनेस स्कूल जीआरई (GRE) का स्कोर भी मान लेते हैं, लेकिन जीमैट को आज भी इस फील्ड का 'गोल्ड स्टैंडर्ड' माना जाता है.

राजस्थान में कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर के 3951 पदों पर बंपर भर्ती

अगर आप सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं और कंप्यूटर या आईटी की फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं, तो राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (RSSB) आपके लिए बड़ी भर्ती लेकर आया है. बोर्ड ने सीनियर कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर और बेसिक कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर के कुल 3951 पदों पर आवेदन आमंत्रित किए हैं. इच्छुक उम्मीदवार राजस्थान सरकार के एसएसओ पोर्टल या आरएसएसबी की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं.

कुल कितने पदों पर होगी भर्ती?

इस भर्ती अभियान के तहत माध्यमिक शिक्षा विभाग और संस्कृत शिक्षा विभाग में कुल 3951 पदों को भरा जाएगा. इनमें 3629 पद बेसिक कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर और 322 पद सीनियर कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर के लिए निर्धारित किए गए हैं. माध्यमिक शिक्षा विभाग में सीनियर कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर के 300 पद हैं, जबकि संस्कृत शिक्षा विभाग में इस पद के लिए 22 रिक्तियां रखी गई हैं. सबसे अधिक पद बेसिक कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर के हैं, जिससे बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों को मौका मिलेगा.

आवेदन की आखिरी तारीख

ऑनलाइन आवेदन और फीस जमा करने की आखिरी **तारीख 23 जून 2026 रात 11:59** बजे तक तय की गई है. अगर किसी उम्मीदवार से आवेदन पत्र में गलती हो जाती है, तो उसे 26 जून से 28 जून 2026 के बीच सुधार करने का अवसर भी दिया जाएगा.

सीनियर कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर

इस पद के लिए उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कंप्यूटर साइंस, आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल या संबंधित इंजीनियरिंग विषय में एमई-एमटेक की डिग्री होनी चाहिए. इसके अलावा, एमएससी (कंप्यूटर साइंस/आईटी), एमसीए, बी-लेवल या सी-लेवल योग्यता वाले उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं.

बेसिक कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर

इस पद के लिए उम्मीदवार का ग्रेजुएट होना जरूरी है. साथ ही उसके पास ए-लेवल सर्टिफिकेट या एक वर्षीय पीजीडीसीए होना चाहिए. बीई-बीटेक (कंप्यूटर साइंस, आईटी, ईसीई, ईई, ईईई, ईआईसी आदि), बीएससी कंप्यूटर साइंस/आईटी और बीसीए डिग्रीधारक अभ्यर्थी भी आवेदन के पात्र हैं.

आयु सीमा

भर्ती के लिए उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 40 वर्ष निर्धारित की गई है. आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को राजस्थान सरकार के नियमों के अनुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट मिलेगी.

कितनी मिलेगी सैलरी?

चयनित बेसिक कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर को पे मैट्रिक्स लेवल-08 के अनुसार वेतन मिलेगा, जबकि सीनियर कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर को पे मैट्रिक्स लेवल-10 के आधार पर सैलरी दी जाएगी. इसके साथ अन्य सरकारी भत्तों का लाभ भी मिलेगा.

कैसे होगा चयन?

उम्मीदवारों का चयन लिखित परीक्षा के आधार पर किया जाएगा. परीक्षा दो चरणों यानी पेपर-1 और पेपर-2 में आयोजित होगी. दोनों पेपर में प्रदर्शन के आधार पर फाइनल मेरिट लिस्ट तैयार की जाएगी.

आवेदन करने का तरीका

आवेदन के लिए सबसे पहले उम्मीदवार को राजस्थान के SSO पोर्टल पर लॉगिन करना होगा. इसके बाद Citizen Apps (G2C) में Recruitment Portal पर जाकर "Apply Now" विकल्प चुनना होगा. अगर उम्मीदवार ने पहले वन टाइम रजिस्ट्रेशन (OTR) नहीं कराया है, तो उसे अपनी कैटेगरी, दिव्यांगता की स्थिति और गृह राज्य की जानकारी भरकर निर्धारित शुल्क जमा करना होगा. OTR पूरा होने के बाद SSO आईडी के जरिए आवेदन फॉर्म भरा जा सकेगा.

बीटेक में एडमिशन नहीं मिला तो क्या करें? ये 5 कोर्स दिलाएंगे लाखों का पैकेज

अगर आपको किसी इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन नहीं मिला तो भी निराश होने की जरूरत नहीं है. बीटेक के अलावा भी कई बढ़िया कोर्स तगड़ा पैकेज दिला सकते हैं. जानिए डेटा साइंस, बीसीए और डिजाइनिंग जैसे बेहतरीन विकल्पों के बारे में.

12वीं के बाद ज्यादातर साइंस स्टूडेंट्स किसी अच्छे कॉलेज से बीटेक करने की चाह रखते हैं. इसके लिए वे दिन-रात एक करके जेईई की तैयारी भी करते हैं. लेकिन हर किसी को मनचाहा इंजीनियरिंग कॉलेज नहीं मिल पाता. ऐसे में कई छात्र निराश हो जाते हैं. उन्हें लगता है कि उनका करियर खत्म हो गया. अगर आपके साथ भी ऐसा है तो ध्यान रखिए, डिजिटल दौर में दुनिया बदल चुकी है और कामयाबी का रास्ता सिर्फ इंजीनियरिंग की डिग्री से होकर नहीं गुजरता.

अब मार्केट में ऐसे नए और एडवांस कोर्स आ चुके हैं, जो न सिर्फ बीटेक को कड़ी टक्कर दे रहे हैं, बल्कि सैलरी के मामले में भी कई इंजीनियर्स को पीछे छोड़ रहे हैं. अगर आपको कोडिंग का शौक है, डेटा से प्यार है या कुछ क्रिएटिव करना चाहते हैं तो मौकों की कोई कमी नहीं है. इसलिए बीटेक कोर्स में एडमिशन नहीं मिल पाने का दुख मनाने के बजाय जानिए कुछ ऐसे बेहतरीन और हाई-पेइंग ऑप्शन, जिनकी डिग्री लेकर आप अच्छी सैलरी वाली नौकरी हासिल कर सकते हैं.

बीटेक के अलावा भी हैं विकल्प

कई स्टूडेंट्स मानते हैं कि पीसीएम से 12वीं करने के बाद इंजीनियरिंग ही एकमात्र विकल्प बचता है, जबकि असल में ऐसा है नहीं. अगर आपकी बीटेक में

दिलचस्पी नहीं है या किसी वजह से एडमिशन से चूक गए हैं तो साल बर्बाद करने के बजाय ऑल्टरनेटिव कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं.

अगर कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर और कोडिंग में रुचि है तो बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (BCA) बेस्ट ऑप्शन है. बीटेक सीएस 4 साल का कोर्स है, जबकि बीसीए की डिग्री सिर्फ 3 साल में मिल जाएगी. इसमें प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेस, ऐप डेवलपमेंट और वेबसाइट डिजाइनिंग सिखाई जाती है. इसके बाद आप आसानी से सॉफ्टवेयर डेवलपर या वेब डिजाइनर बन सकते हैं.

सैलरीः शुरुआती पैकेज 3 लाख से 7 लाख रुपये सालाना तक होता है, जो अनुभव के साथ 15 लाख रुपये से ऊपर भी चला जाता है.

बीएससी डेटा साइंसः आज के दौर का सबसे हॉट ट्रेंड

आज-कल हर बड़ी कंपनी डेटा के दम पर चल रही है. ऐसे में डेटा साइंटिस्ट्स की मांग आसमान छू रही है. अगर आपकी मैथ्स और स्टेटिस्टिक्स पर अच्छी पकड़ है तो 3 साल का 'बीएससी डेटा साइंस या एआई' कोर्स लाइफ-चेंजिंग साबित हो सकता है. यह बीएससी कोर्स डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग और प्रेडिक्शन मॉडल बनाना सिखाता है.

सैलरीः फ्रेशर्स को भी आराम से 5 लाख से 8 लाख रुपये सालाना का पैकेज मिल जाता है. कुछ साल के अनुभव के बाद यह 20 लाख से 30 लाख रुपये तक पहुंच जाता है.

बीडिजाइन (B.Des): क्रिएटिविटी और टेक का संगम

अगर आप क्रिएटिव हैं और गैजेट्स या ऐप्स के लुक्स और फंक्शनलिटी को डिजाइन करना पसंद है तो बैचलर ऑफ डिजाइन कोर्स कर सकते हैं. आज-कल आईटी कंपनी में UI/UX डिजाइनर्स और प्रोडक्ट डिजाइनर्स की भारी डिमांड है. इनका काम ऐप्स को खूबसूरत और यूजर-फ्रेंडली बनाना होता है.

सैलरीः इस फील्ड में शुरुआती सैलरी 4 लाख से 9 लाख रुपये सालाना तक होती है. टॉप कंपनियों में सीनियर डिजाइनर्स का पैकेज हाई-फाई होता है.

बीआर्क (B.Arch): सपनों के आशियाने को हकीकत बनाने का हुनर

अगर आपको बिल्डिंग्स, इंफ्रास्ट्रक्चर और नक्शे बनाने में दिलचस्पी है तो 5 साल का बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर बेहतरीन करियर ऑप्शन है. इसके लिए नाटा (NATA) या जेईई पेपर-2 जैसी परीक्षाएं देनी होती हैं. इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में बूम के कारण आर्किटेक्ट्स की मांग हमेशा बनी रहती है. सैलरीः शुरुआत में4 लाख से 7 लाख रुपये सालाना कमा सकते हैं. खुद की प्रैक्टिस या बड़ी फर्म्स में जुड़ने पर कमाई की कोई लिमिट नहीं है.

एविएशन और मर्चेंट नेवीः ग्लैमर और हाई सैलरी का कॉम्बिनेशन

अगर आप लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं और घूमना भी पसंद है तो कमर्शियल पायलट ट्रेनिंग (CPL) या मर्चेंट नेवी (जैसे- डिप्लोमा इन नॉटिकल साइंस) जैसे करियर्स का रुख कर सकते हैं. पायलट बनने की पढ़ाई थोड़ी महंगी है, लेकिन इसका रिटर्न गजब है.

सेंट्रल बैंक में निकली 4500 पदों पर भर्ती, ग्रेजुएट करें आवेदन

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में अपरेंटिसशिप का मौका है. बैंक ने ग्रेजुएट युवाओं से अपरेंटिसशिप के लिए आवेदन मांगे हैं. स भर्ती अभियान के माध्यम से कुल 45000 पदों को भरा जाएगा.

क्या आपको बैंक में नौकरी की तलाश है? अगर हां, तो यह खबर आपके लिए है. सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया (CBI) ने आपके लिए अपरेंटिस पदों पर भर्ती निकाली है. इस भर्ती के लिए आवेदन ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर करना है. इस भर्ती अभियान के माध्यम से कुल 45000 पदों को भरा जाएगा. उम्मीदवार निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन कर इस भर्ती में शामिल हो सकते हैं.

इस भर्ती का नोटिफिकेशन 12 जून को जारी हुआ. इसी दिन ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया भी शुरू हुई. इसके लिए फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 22 जून है.

शैक्षणिक योग्यता

इन पदों के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी यूनिवर्सिटी से किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री होनी चाहिए. इसके समकक्ष अन्य योग्यता वाले अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकते हैं.

आयु सीमा

उम्मीदवार की आयु 20 से 28 वर्ष के बीच होनी चाहिए. यानी अभ्यर्थी का जन्म 31 मई 1998 से पहले और 31 मई 2006 के बाद नहीं हुआ होना चाहिए. दोनों तिथियां इसमें शामिल हैं.

साथ ही उम्मीदवार को उस राज्य की स्थानीय भाषा की अच्छी समझ होनी चाहिए, जहां के लिए वह आवेदन कर रहा है. नोटिफिकेशन के अनुसार, आरक्षित श्रेणियों जैसे ओबीसी को तीन साल और एससी/एसटी वर्ग के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र सीमा में पांच साल की छूट दी जाएगी.

एप्लीकेशन फीस

इस भर्ती के लिए सामान्य, इडब्लूएस और ओबीसी वर्ग के पुरुष उम्मीदवारों को 944 रुपये शुल्क देना होगा. वहीं महिला उम्मीदवारों के लिए शुल्क 708 रुपये है. एससी/एसटी, दिव्यांग और ट्रांसजेंडर उम्मीदवारों को 236 रुपये आवेदन शुल्क का भुगतान करना होगा.

100फीसद इथेनॉल ईंधन को हरी झंडी

पेट्रोल-डीजल की होगी छुट्टी! गडकरी बोले- रात 8 बजे फाइल पर साइन किए

नई दिल्ली,14 जून (एजेंसियां)। भारत की ईंधन आत्मनिर्भरता और ग्रीन एनर्जी की दिशा में केंद्र सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने देश में 100 प्रतिशत इथेनॉल ईंधन के इस्तेमाल को कानूनी रूप से मंजूरी दे दी है।

इस फैसले का मुख्य उद्देश्य पेट्रोल-डीजल के महंगे आयात पर भारत की निर्भरता को कम करना और वैकल्पिक ऊर्जा को बढ़ावा देना है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस बारे में शुक्रवार को जानकारी देते हुए कहा, 'कल यानी शनिवार रात ठीक 8 बजे मैंने 100 प्रतिशत इथेनॉल के उपयोग को कानूनी रूप से अधिकृत करने वाले नियमों की फाइल पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।' उन्होंने पुराने दिनों को याद करते हुए भावुक अंदाज में कहा कि शुरुआत में जब वे इस तकनीक की बात करते थे, तो लोग उन पर हंसते थे और आलोचना करते थे, लेकिन आज यह हकीकत बन चुका है।

आयात बिल घटाने की तैयारी

गडकरी ने भारत के भारी ईंधन आयात बिल का जिक्र करते हुए कहा कि देश फिलहाल 22 लाख करोड़ रुपये का आयात करता है। इस आयात को धीरे-धीरे कम करने के संकल्प के तहत अब देश में ही गैस का उत्पादन होगा और पेट्रोल-डीजल के विकल्प पूरी तरह तैयार हो जाएंगे, जिसमें इथेनॉल एक बेहद व्यावहारिक और मजबूत विकल्प बनकर उभरेगा।

क्या है कार कंपनियों की तैयारी?

नितिन गडकरी ने मारुति सुजुकी की 100% इथेनॉल पर चलने वाली वैगनआर के फ्लेक्स-फ्यूल मॉडल को लॉन्च करने पर खुशी जाहिर की। इस तकनीक में टू-व्हीलर्स भी पीछे नहीं हैं। गडकरी ने बताया कि लॉन्च की गई मोटरसाइकिलों में से तीन हीरो मोटोकॉर्प की हैं, जिनमें से दो को पहले ही 100% इथेनॉल पर लॉन्च किया जा चुका है। अगले दो महीनों के भीतर टोयोटा, सुजुकी और हुंडई जैसी बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनियां भी अपने ऐसे वाहन बाजार में उतारेंगी जो पूरी तरह से 100% इथेनॉल पर चलेंगे।

समय से पहले पूरा हुआ लक्ष्य

पिछले हफ्ते ही सरकार ने फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के लिए ई85 ईंधन (85% इथेनॉल और 15% पेट्रोल का मिश्रण) बाजार में उतारा है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भारत के इथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम की तारीफ करते हुए कहा कि देश ने अपने तय लक्ष्यों को समय से बहुत पहले हासिल कर लिया है। साल 2014 में पेट्रोल में इथेनॉल का मिश्रण महज 1.5 प्रतिशत था, जो नवंबर 2022 तक बढ़कर 10 प्रतिशत हो गया। हरदीप पुरी ने बताया कि सरकार का लक्ष्य साल 2030 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण हासिल करने का था, लेकिन इसे समय से छह साल पहले यानी साल 2024 में ही पूरा कर लिया है।

उधर अमेरिका-यूरोप बैन लगाते रहे

इधर भारत की मदद से रूस ने खेल दिया मास्टरस्ट्रोक, एक लूपहोल ने बदली स्क्रिप्ट

नई दिल्ली,14 जून (एजेंसियां)। रूसी कच्चे तेल पर अमेरिका समेत पश्चिमी देशों और यूरोपीय संघ ने कड़े बैन लगाए हैं। वहीं इन कड़े प्रतिबंधों और एम्बार्गो (आयात प्रतिबंध) के बावजूद एक बड़ा लूपहोल सामने आया है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर की ताजा रिपोर्ट से यह खुलासा हुआ है कि प्रतिबंध लगाने वाले देशों को सीधे तेल न बेच पाने के बाद भी, रूसी तेल अन्य देशों की रिफाइनरियों के जरिए प्रोसेस होकर घूम-फिरकर वापस उन्हीं देशों के बाजारों में पहुंच रहा है। मई 2026 में भारत, तुर्की, ब्रुनेई और जॉर्जिया जैसे देशों ने रूसी कच्चे तेल को रिफाइन कर बड़े पैमाने पर उन देशों को पेट्रोलियम उत्पाद निर्यात किए हैं, जिन्होंने खुद रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए हुए हैं। अमेरिका समेत पश्चिमी देशों और यूरोपीय संघ को पेट्रोलियम प्रोडक्ट बेचने में भारत ने भी रूस की मदद में योगदान दिया।

7052 करोड़ की बिक्री

सीआरईए की रिपोर्ट के अनुसार भारत सहित चार देशों की रिफाइनरियों ने मई 2026 में कुल 641 मिलियन यूरो (करीब 7052 करोड़ रुपये) के तेल उत्पादों का निर्यात सीधे तौर पर प्रतिबंध लगाने वाले देशों को किया है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस कुल रकम में से अनुमानित 214 मिलियन यूरो के प्रोडक्ट सीधे तौर पर रूसी कच्चे तेल को रिफाइन करके ही तैयार किए गए थे।

बैन लगाने वाले इन देशों ने की खरीदारी

ऑस्ट्रेलिया: 275 मिलियन यूरो मूल्य का तेल आयात किया।

यूरोपीय संघ: खुद प्रतिबंध लगाने के बावजूद 174 मिलियन यूरो के तेल उत्पाद खरीदे।

अमेरिका: 147 मिलियन यूरो मूल्य के रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों का आयात किया।

न्यूजीलैंड: 45 मिलियन यूरो मूल्य के उत्पाद अपने यहां मंगाए।

इस रिपोर्ट में सीधे तौर पर उन रिफाइनरियों का जिक्र किया गया है, जहां से रिफाइंड तेल उत्पाद वापस अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे देशों में भेजे जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका को किए गए अधिकांश निर्यात का मूल स्रोत भारत में रिलायंस इंडस्ट्रीज की गुजरात स्थित जामनगर रिफाइनरी, तुर्की की स्टार रिफाइनरी और तुप्रास इजमित रिफाइनरी रही है।आंकड़ों के मुताबिक पिछले तीन महीनों के दौरान तुर्की की स्टार रिफाइनरी के कुल क्रूड ऑयल फीडस्टॉक (कच्चे माल) का 39 प्रतिशत हिस्सा रूस से आया था। वहीं, भारत की विशालकाय 'जामनगर रिफाइनरी' के कुल फीडस्टॉक का 15 प्रतिशत हिस्सा रूसी क्रूड ऑयल पर आधारित था।

एलपीजी तेल और खाद का पर्याप्त भंडार

सरकार ने सब कर दिया क्लियर, जानें भारत के भंडार कितने सुरक्षित

नई दिल्ली,14 जून (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ईरान संकट के बीच केंद्र सरकार ने देशवासियों और किसानों को बड़ी राहत दी है। सरकार ने साफ कर दिया है कि देश में कच्चे तेल, एलपीजी, प्राकृतिक गैस और खेती के लिए जरूरी खादों (उर्वरकों) का पर्याप्त भंडार मौजूद है, इसलिए किसी भी तरह की किल्लत की कोई आशंका नहीं है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने देश को आश्वस्त किया कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति पूरी तरह से सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि भारत के पास 60 दिनों से अधिक की खपत के लिए कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) और प्राकृतिक गैस का स्टॉक मौजूद है। वहीं इंदौर में ब्रिक्स कृषि बैठक के समापन के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों को खाद की उपलब्धता और कीमतों को लेकर बड़ी राहत दी।

एलपीजी में आत्मनिर्भरता

भारत ने घरेलू उत्पादन बढ़ाकर एलपीजी (रसोई गैस) के आयात पर अपनी निर्भरता को काफी कम कर लिया है। पहले जहां घरेलू उत्पादन 32,000 मीट्रिक टन प्रतिदिन था, वह अब बढ़कर 54,000 मीट्रिक टन प्रतिदिन हो गया है। देश के पास फिलहाल 75 से 80 दिनों का एलपीजी स्टॉक उपलब्ध है।

वैश्विक मुकाबले भारत में घटे दाम

हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि मई 2022 से मई 2026 के बीच जहां दुनिया भर में पेट्रोल की कीमतें आसमान छू रही थीं, वहीं भारत में कीमतों में 3.1% की गिरावट आई है।हाल ही में एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती से सरकारी खजाने पर 1 लाख करोड़ रुपये का बोझ पड़ा, लेकिन आम जनता को राहत मिली।सरकार वैकल्पिक ईंधन पर तेजी से काम कर रही है। दिसंबर 2026 तक ई85 (ई85) ईंधन पंपों की संख्या बढ़ाकर 500 और दिसंबर 2027 तक 5,000 करने का लक्ष्य है।

खाद की कोई किल्लत नहीं

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि खरीफ और रबी फसलों के लिए देश में खाद की कोई किल्लत नहीं है। उन्होंने कहा कि चालू खरीफ सीजन के लिए देश में पर्याप्त खाद उपलब्ध है और आने वाले रबी सीजन के लिए भी अग्रिम व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

बाजार में तेजी के बीच 8 बड़ी कंपनियों का बढ़ा मार्केट कैप

आईसीआईसीआई बैंक ने किया शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार ने पिछले सप्ताह शानदार प्रदर्शन किया, जिसका सीधा फायदा देश की सबसे बड़ी कंपनियों को मिला. बीएसई सेंसेक्स में 1,284 अंकों और एनएसई निफ्टी में 256 अंकों की तेजी के बीच टॉप-10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से 8 के मार्केट कैप में 1.90 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई. इस दौरान आईसीआईसीआई बैंक सबसे बड़ा लाभ पाने वाली कंपनी रही. पिछले सप्ताह आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 56,223 करोड़ रुपये बढ़कर 9.61 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया. इसके बाद एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्य 38,571 करोड़ रुपये बढ़कर 11.89 लाख करोड़ रुपये हो गया. वहीं, भारतीय स्टेट बैंक के मार्केट कैप में 36,137 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ और यह 9.38 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया.बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में 18,366 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई, जबकि भारती एयरटेल का मार्केट कैप 14,380 करोड़ रुपये बढ़ा. लार्सन एंड टुब्रो की वैल्यू 13,241 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर की वैल्यू 10,984 करोड़ रुपये बढ़ी. देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के मार्केट कैप में भी 2,097 करोड़ रुपये का इजाफा दर्ज किया गया.जहां अधिकांश कंपनियों ने बढ़त हासिल की, वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और भारतीय जीवन बीमा निगम को नुकसान उठाना पड़ा. टीसीएस का मार्केट कैप 13,296 करोड़ रुपये घटकर 7.82 लाख करोड़ रुपये रह गया, जबकि एलआईसी की वैल्यू 822 करोड़ रुपये कम होकर 5.05 लाख करोड़ रुपये पर आ गई. विशेषज्ञों के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक के विदेशी मुद्रा प्रवाह को बढ़ावा देने वाले कदमों और अमेरिका-ईरान के बीच संभावित शांति समझौते की उम्मीदों ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया. इससे वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव कम होने और ऊर्जा बाजार में स्थिरता आने की उम्मीद बढ़ी, जिसका सकारात्मक असर भारतीय शेयर बाजार पर देखने को मिला.

कैसे होगी डॉलर की घर वापसी? आरबीआई ने शुरू किया बड़ा मिशन

रुपये को सहारा देने मैदान में उतरा केंद्रीय बैंक

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक ने देश में डॉलर की आवक बढ़ाने और रुपये को मजबूती देने के लिए एक बड़ा अभियान शुरू किया है। केंद्रीय बैंक के डिप्टी गवर्नर रोहित जैन ने हाल में देश के बड़े सरकारी और निजी बैंकों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ एक बैठक में विदेशी मुद्रा जुटाने के प्रयासों को तेज करने का निर्देश दिया है।

आरबीआई ने बैंकों से प्रवासी भारतीयों के जरिए एफसीएनआर(बी) यानी फॉरेन करेंसी नॉन-रेसिडेंट (बैंक) डिपॉजिट स्कीम के तहत ज्यादा से ज्यादा विदेशी फंड जुटाने को कहा है। बैठक की जानकारी रखने वाले बैंकरों के मुताबिक, रिजर्व बैंक ने बेहद कड़ा और स्पष्ट संदेश दिया है कि इस समय देश को विदेशी मुद्रा की सख्त जरूरत है।

आरबीआई के इस रुख के बाद लगभग सभी बड़े बैंकों ने अपनी ब्याज दरों में 200 से 300 बेसिस पॉइंट्स (bps) का इजाफा कर दिया है। अब बैंकों की ओर से 3 से 5 साल के एफसीएनआर(बी) डिपॉजिट पर 5.25% से 7.1% तक ब्याज ऑफर किया जा रहा है। इस स्कीम का सबसे आकर्षक पहलू यह है कि आरबीआई खुद पूरी हेजिंग कॉस्ट का बोझ उठा रहा है, जिससे बैंकों के लिए यह सौदा बेहद फायदेमंद हो गया है।

रुपये को संभालने की कवायद

पिछले वित्त वर्ष में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया करीब 11% तक कमजोर हुआ था। इसी साल मई महीने में रुपया गिरकर 96.96 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया था, जो शुक्रवार को सुधरकर 95.11 पर बंद हुआ।अमेरिका-ईरान संघर्ष के बाद वैश्विक बाजार में मची उथल-पुथल के कारण आरबीआई को लगातार दखल देना पड़ा है। फरवरी में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 728 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था, जो जून की शुरुआत तक घटकर 681 अरब डॉलर रह गया। यही वजह है कि आरबीआई अब बाजार को स्थिर करने के लिए आक्रामक रूप से डॉलर वापस देश लाने की कोशिश में है। अर्थशास्त्रियों और बाजार विश्लेषकों का मानना है कि आरबीआई के इन कदमों से देश में बड़े पैमाने पर विदेशी डॉलर आएगा।

जानकारों के मुताबिक इस कदम से रुपया मजबूत होकर दोबारा 92 से 93 के स्तर पर आ सकता है। इस अभियान से देश में 30 से 50 अरब डॉलर आने की उम्मीद है, जबकि आईसीआईसीआई बैंक की एक रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक यह आंकड़ा 70 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। आरबीआई ने बैंकों के लिए कई पाबंदियां भी हटा दी हैं, जिससे इन डिपॉजिट्स के बदले लेटर ऑफ क्रेडिट (एलसी) या गारंटी जारी की जा सकेगी। इससे पूंजी का प्रवाह 10 से 20 गुना तक बढ़ सकता है। विदेशी मुद्रा के अलावा डिप्टी गवर्नर रोहित जैन ने बैंक प्रमुखों से घरेलू स्तर पर भी कुछ खास प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने कहा कि बैंक आम रिटेल निवेशकों के लिए यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस, रिटेल सरकारी सिक्योरिटीज और सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी तक पहुंच को और आसान बनाएं ताकि देश की डिजिटल इकॉनमी को मजबूती मिल सके।

'100 साल के बाद भी मजबूत रहेगी'

एलआईसी ने कसी कमर! 57 लाख करोड़ की संपत्ति के साथ रहेगी सबसे ताकतवर

नई दिल्ली,14 जून (एजेंसियां)। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक आर. दुरईस्वामी ने कहा है कि जीवन बीमा क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बावजूद एलआईसी बाजार में अपनी अग्रणी स्थिति को और मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेगी तथा देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती रहेगी।

अभी जीवन बीमा क्षेत्र में एलआईसी की बाजार हिस्सेदारी करीब 60 प्रतिशत है और यह 57 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परिसंपत्तियों का प्रबंधन करती है। कंपनी की रियल एस्टेट संपत्तियों का मूल्य लगभग 60,000 करोड़ रुपये है। दुरईस्वामी ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा कि एलआईसी की विकास यात्रा भारत की प्रगति से गहराई से जुड़ी रही है और भविष्य में भी यह संबंध कायम रहेगा।

उन्होंने कहा कि 1956 में स्थापना के बाद से एलआईसी ने राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और अब 'विकसित भारत' के लक्ष्य की दिशा में भी अपनी भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि एलआईसी न केवल भारत बल्कि पूरे एशिया की सबसे बड़ी वित्तीय संस्थाओं में से एक है और इतने बड़े आकार के साथ समाज तथा देश के प्रति विशेष जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा, "हमारी आकांक्षा है कि 75वें वर्ष, 100वें वर्ष और उसके बाद भी एलआईसी समृद्ध और मजबूत संस्था बनी रहे तथा राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देती रहे।" एलआईसी की स्थापना एक सितंबर, 1956 को जीवन बीमा कारोबार के विस्तार, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों तक इसकी पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थी।

पतंजलि सिविल सर्विसेज अकादमी के शंखनाद की घोषणा

हरिद्वार, 14 जून (एजेंसियां)। पतंजलि ने ट्रस्टी (संरक्षक) प्रशासकों की एक नई पीढ़ी तैयार करने और भारतीय नौकरशाही को औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त करने के लिए सिविल सर्विस अकादमी शुरू करने की घोषणा की। हरिद्वार, भारत पतंजलि ने आधिकारिक तौर पर पतंजलि सिविल सर्विसेज अकादमी के शंखनाद (शुभारंभ) की घोषणा की है। यह एक क्रांतिकारी शैक्षिक पहल है जिसे भारतीय मूल्यों, आधुनिक विज्ञान और राष्ट्र-सेवा की भावना से ओत-प्रोत बेहतरीन आईएएस, आईपीएस और अन्य केंद्रीय सेवा अधिकारियों को तैयार करने के लिए बनाया गया है।

अकादमी का लक्ष्य प्राचीन ज्ञान और आधुनिक शासन की ज़रूरतों का मेल कराकर भारत के प्रशासनिक ढांचे को बदलना है। इसका उद्देश्य कम से कम एक करोड़ ऐसे नागरिक तैयार करना भी है जो भारत माता की सेवा के लिए समर्पित हों। इसकी शुरुआत सिविल सेवकों के एक बेहतरीन समूह से होगी जो देश को समृद्ध और सशक्त बनाने की दिशा में नेतृत्व करेंगे। स्वामी रामदेव ने विरासत और विज्ञान के माध्यम से राष्ट्रीय चरित्र के निर्माण पर ज़ोर दिया। स्वामी रामदेव ने इस अकादमी को शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक और युग-परिवर्तनकारी योगदान बताया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भले ही भारत का शासन संविधान के अनुसार चलता है, लेकिन कानूनों का क्रियान्वयन पूरी तरह से अधिकारियों के चरित्र पर निर्भर करता है। स्वामी रामदेव ने कहा शिक्षा दुनिया का सबसे बड़ा रचनात्मक कार्य है क्योंकि यह मन, चरित्र और नेतृत्व क्षमता का निर्माण करती है।

उन्होंने बताया कि अकादमी त्रि-शिक्षा मॉडल का पालन करती है ज्ञान का एक ऐसा त्रिकोण जिसमें आध्यात्मिक ज्ञान, प्रशासनिक उत्कृष्टता और अकादमिक कठोरता शामिल है, जो ऋग्वेद, यजुर्वेद और सामवेद के संगम के समान है। इसका पाठ्यक्रम नई शिक्षा नीति और भारतीय ज्ञान प्रणाली के अनुरूप है, जिसमें विरासत और विज्ञान और बोधि और शोध पर ध्यान केंद्रित किया गया है। स्वामी रामदेव ने उच्च-स्तरीय शासन के लिए ज़रूरी आत्म-बल और मनो-बल के निर्माण में योग और प्राणायाम की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। डॉ. एन.पी. सिंह, जो एक प्रतिष्ठित पूर्व आईएएस हैं और वर्तमान में पूरे भारत में शिक्षा में जैविक बदलाव लाने के लिए काम कर रहे हैं, ने प्रशासनिक मानसिकता को औपनिवेशिक प्रभाव से मुक्त करने की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए स्वामी रामदेव के दृष्टिकोण को और विस्तार से समझाया। डॉ. एन.पी. सिंह ने कहा कि मौजूदा प्रशासनिक ढांचा अक्सर 1835 की शिक्षा प्रणाली से मिली औपनिवेशिक सोच से ग्रस्त रहता है, जिसे सेवा करने के बजाय शासन और नियंत्रण करने के लिए बनाया गया था। डॉ. सिंह ने कहा, हमें 'शासक' की मानसिकता से हटकर 'ट्रस्टी' (अमानतदार) की मानसिकता अपनानी होगी। उन्होंने बताया कि अकादमी संवैधानिक भावना और शुक्र नीति जैसी भारतीय परंपराओं को अपनाना चाहती है, जिसमें अधिकारी खुद को मालिक नहीं, बल्कि जनता के कर्तव्य-निष्ठ सेवक के रूप में देखते हैं। अकादमी का नेतृत्व जाने-माने शिक्षक अवध ओझा करेंगे, जिन्हें स्वामी रामदेव ने इस मिशन का अग्रदूत बताया है। पिछले 25 वर्षों में 1,000 से अधिक अधिकारियों को मार्गदर्शन देने का शानदार अनुभव रखने वाले ओझा, इतिहास और प्रेरणा पर केंद्रित एक महीने का गहन शुरुआती सत्र आयोजित करेंगे। अवध ओझा ने कहा कि अकादमी का मुख्य लक्ष्य छात्रों के दिमाग में केवल जानकारी भरना नहीं, बल्कि विवेक जगाना है।

ओझा ने यह भी बताया कि अकादमी बेहतरीन तैयारी सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली और अन्य शिक्षा केंद्रों के बेहतरीन शिक्षकों के साथ मिलकर काम करेगी। इस विज़न को आगे बढ़ाने के लिए, अकादमी अतिरिक्त कोर्स और करियर काउंसलिंग सेवाएं भी शुरू करेगी, जिससे छात्र कई तरह के पेशेवर मौकों को जान सकें और अपनी खूबियों व आकांक्षाओं के आधार पर सही करियर चुन सकें। पतंजलि सिविल सर्विस अकादमी एक सात्विक (शुद्ध) माहौल में पूरा रेजिडेंशियल प्रोग्राम (आवासीय कार्यक्रम) देती है।

छात्र अपने दिन की शुरुआत योग और प्रार्थना से करेंगे, इसके बाद पूरे दिन अखंड पुरुषार्थ (ज़बरदस्त और लगातार कड़ी मेहनत) करेंगे और दिन का समापन एक छोटी सी प्रार्थना के साथ करेंगे। अकादमी ने प्रतिभाशाली छात्रों के लिए स्कॉलरशिप और राष्ट्रीय परीक्षाओं में टॉप रैंक हासिल करने वालों के लिए विशेष पुरस्कारों की भी घोषणा की।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति

गृह	राशि		लग्नारम्भ समय	
सूर्य	वृष	में	वृष	03-46 बजे
चंद्र	वृष	में	मिथुन	05-46 बजे
मंगल	मेष	में	कर्क	07-59 बजे
बुध	मिथुन	में	सिंह	10-11 बजे
गुरु	कर्क	में	कन्या	12-18 बजे
शुक्र	कर्क	में	तुला	14-23 बजे
शनि	मीन	में	वृश्चिक	16-33 बजे
राहु	कुंभ	में	धनु	18-47 बजे
केतु	सिंह	में	मकर	20-52 बजे
			कुंभ	22-44 बजे
			मीन	00-21 बजे
			मेष	01-57 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर** , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551** , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
सूर्योदय **05-45**
सूर्यास्त. **18 -47**
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - अधिक ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष सोमवार **15 June 2026**
तिथि - अमावस्या **08-23** तक उपरान्त शुक्ल प्रतिपदा
नक्षत्र - मृगशिरा **19-08** रात्रि तक उप आर्द्रा
योग. - शूल **08-55** तक उप गण्ड
करण - चतुष्पाद **08-23** तक उप नाग
विशेष: देवकार्ये सोमवती अमावस्या
मिथुने अर्क १२-५३ से,अधिकमास पूर्ण

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावें व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल
07-21 से
08-59 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा अतापुर **Ph. 9247132654**

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
अमृत **05-45 - 07-21** शुभ	चंचल **18-47 - 20-12** शुभ
काल **07-21 - 08-59** अशुभ	रोग **20-12 - 21-34** अशुभ
शुभ **08-59 - 10-38** शुभ	काल **21-34 - 22-55** अशुभ
रोग **10-38 - 12-17** अशुभ	लाभ **22-55 - 00-17** शुभ
उत्पात **12-17 - 13-55** अशुभ	उत्पात **00-17 - 01-38** अशुभ
चंचल **13-55 - 15-34** शुभ	शुभ **01-38 - 02-59** शुभ
लाभ **15-34 - 17-12** शुभ	अमृत **02-59 - 04-22** शुभ
अमृत **17-12 - 18-47** शुभ	चंचल **04-22 - 05-45** शुभ

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आप ऊर्जावान हैं और चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं। रचनात्मक विचार आसानी से प्रवाहित होते हैं, जो आपकी प्रगति को बढ़ावा देते हैं। ईमानदारी से चिंतन करने से आपकी रणनीतियाँ और भी बेहतर होती हैं। दृढ़ता की भावना से आप जल्दी निर्णय ले सकते हैं, इसलिए बातचीत में विचारशील रहें।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आप ऊर्जावान हैं और चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं। रचनात्मक विचार आसानी से प्रवाहित होते हैं, जो आपकी प्रगति को बढ़ावा देते हैं। ईमानदारी से चिंतन करने से आपकी रणनीतियाँ और भी बेहतर होती हैं। दृढ़ता की भावना से आप जल्दी निर्णय ले सकते हैं, इसलिए बातचीत में विचारशील रहें।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आप एक शांतिपूर्ण मानसिक स्थिति में हैं और आज अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना आसान रहेगा । आज अपने करियर के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्णय लेने में आप सक्षम होंगे , लेकिन अपने वरिष्ठ अधिकारियों से समर्थन की कमी की वजह से आप थोड़ा पीछे हटने को मजबूर होंगे इसलिए आप उन्हें मनाने के लिए प्रयास करें ताकि सब अच्छी तरह से पूर्ण हो और आप ख्याति एवं धन प्राप्ति की तरफ अग्रसर हो ।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आपका करियर सार्थक बदलावों से गुजर सकता है, जो दयालुता के कार्यों और प्रेरक महिलाओं के मार्गदर्शन द्वारा समर्थित है। एक पोषण करने वाला माहौल आपको आत्मविश्वास और रचनात्मक ऊर्जा बढ़ाने के साथ-साथ जमीन पर टिके रहने में मदद करता है।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

रचनात्मक ऊर्जा आपके आत्मविश्वास को बढ़ाती है, जबकि व्यावहारिक मानसिकता आपको केंद्रित रखती है। हालाँकि भ्रम के क्षण आ सकते हैं, लेकिन आपका सामान्य ज्ञान आपको आगे बढ़ने का मार्गदर्शन करता है। चुनौतियों पर विजय पाने के लिए तीक्ष्ण और केंद्रित रहें। संतुलन और दृढ़ संकल्प के साथ, आप आज काम और पढ़ाई दोनों में स्थिर प्रगति करने के लिए तैयार हैं।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आपकी रचनात्मक ऊर्जा मजबूत है, जो आपको काम और पढ़ाई में चमकने में मदद करती है। कलात्मक प्रतिभाएँ उजागर होती हैं, जिससे यह दृश्यात्मक रूप से आकर्षक कार्यों के लिए एक अच्छा समय है। दूसरों के साथ अप्रत्याशित तनाव के लिए तैयार रहें, लेकिन शांत रहें - जल्दी सफलता मिल सकती है।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपका आत्मविश्वास और आकर्षण कार्यस्थल की गतिशीलता को बढ़ाता है, जबकि अनुशासन आपको उत्पादक बनाए रखता है। भावनात्मक तीव्रता उत्पन्न हो सकती है, इसलिए बातचीत में संतुलन बनाए रखने का प्रयास करें। व्यवहारिक संचार सहकर्मियों के साथ सामंजस्य को बढ़ावा देता है।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आपकी ऊर्जा और दृढ़ संकल्प मजबूत है, जो आपको अपने काम या पढ़ाई में आगे बढ़ने में मदद कर रहा है। आप अवसरों का पीछा करने और स्पष्ट रूप से सोचने के लिए प्रेरित हैं। यह तीव्र ध्यान आपको बेहतरीन परिणाम दे सकता है, लेकिन सावधान रहें कि बहुत जल्दी काम न करें या बहुत स्पष्ट रूप से न बोलें।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

अपने करियर को बढ़ाने वाली एकांत गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करें। आपकी कूटनीतिक कुशलता में वृद्धि हो सकती है, जिससे आपको काम की चुनौतियों से सफलतापूर्वक निपटने में मदद मिलेगी। हालाँकि, लाभहीन सट्टेबाज़ी से सावधान रहें क्योंकि इससे नुकसान हो सकता है। आज बहुत ज़्यादा सपने देखने से बचें।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज का दिन कार्यस्थल पर कुछ हद तक उबाऊ होगा , लेकिन आपको अपने जरुरी कार्य की अपेक्षा नहीं करनी है । अपनी कागजी कार्रवाई को पूरा करने और सभी सरकारी आवश्यकताओं को पूरा करने में सावधान रहें। आज आप एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण गलती अपनी लापरवाही के कारण कर सकते है।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज आप पा सकते हैं कि चुपचाप और स्वतंत्र रूप से काम करने से सबसे अच्छे परिणाम मिलते हैं। ज़िम्मेदारी की एक मज़बूत भावना आपको केंद्रित रखती है, जबकि भावनात्मक गहराई आपके प्रयासों को अर्थ देती है। सहानुभूति आपकी बातचीत का मार्गदर्शन करती है, और विनम्र बने रहने से आपको चुनौतियों से पार पाने में मदद मिलती है।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज आप अपने आस-पास के बारे में अधिक जागरूक होने के साथ व्यावहारिक मामलों के प्रति अधिक सजग महसूस कर सकते हैं। भावनात्मक तीव्रता के कारण ध्यान केंद्रित करना कठिन हो सकता है, लेकिन शांत, जानबूझकर कार्रवाई करने से मदद मिलेगी। तर्क और भावना के बीच संतुलन बनाने का लक्ष्य रखें।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

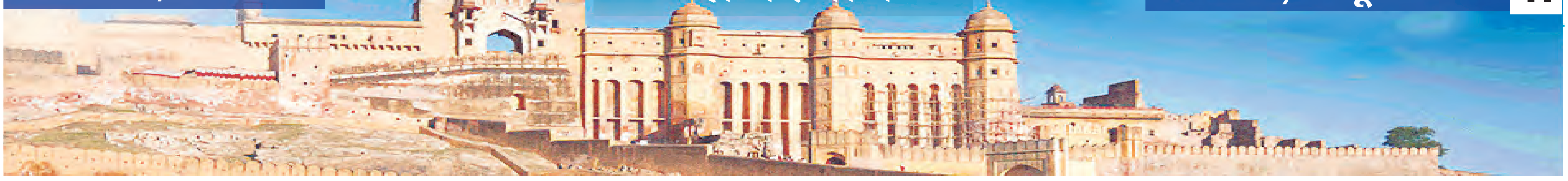

प्रदर्शन का एलान करने वाली कॉकरोच जनता पार्टी को लगा झटका, पुलिस ने नहीं दी परमिशन

जयपुर, 14 जून (एजेंसियां)। जयपुर में प्रदर्शन का एलान करने वाली कॉकरोच जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है। राजस्थान पुलिस ने जयपुर में प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। जयपुर (दक्षिण) के पुलिस उपायुक्त राजर्षि राज की ओर से कहा गया है कि परिस्थितियों के आधार पर कानून व्यवस्था की दृष्टि से कॉकरोच जनता पार्टी को जयपुर में प्रदर्शन करने की परमिशन देना संभव नहीं है। इसी मुद्दे को लेकर आज जयपुर कमिश्नरेट में मीटिंग भी होनी वाली है।

दोपहर बाद होने वाली बैठक में कॉकरोच जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका और समन्वयक शशि मीणा भी मौजूद रहेंगे। इसके बाद पार्टी की ओर दोपहर 3 बजे पिंकसिटी प्रेस क्लब में पार्टी की ओर से कॉफ्रेंस आयोजित की जाएगी।

बता दें कि कॉकरोच जनता पार्टी ने जयपुर के शहीद स्मारक पर 15 जून को प्रदर्शन का एलान किया था। साथ ही जयपुर पुलिस से प्रदर्शन के लिए परमिशन मांगी थी। लेकिन, पुलिस ने प्रदर्शन की परमिशन देने से इनकार कर दिया। जयपुर (दक्षिण) के पुलिस उपायुक्त राजर्षि राज की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से 15 जून को सुबह 10 बजे से जयपुर के शहीद स्मारक पर नीट पेपर लीक मुद्दे को लेकर धरना, प्रदर्शन करने की अनुमति के आवेदन किया गया था। लेकिन, जांच से सामने आये तथ्यों के आधार पर कानून व्यवस्था की दृष्टि से शहीद स्मारक पर धरना-प्रदर्शन करने की अनुमति दिया जाना सम्भव नहीं है।

इससे पहले 12 जून को कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से जयपुर के पिंकसिटी प्रेस कल्ब में प्रेस कांफ्रेंस हुई थी। जिसमें कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से 15 जून को जयपुर के शहीद स्मारक पर प्रदर्शन का एलान किया गया था। पार्टी प्रवक्ता आशुतोष रांका ने बताया था कि प्रदेशभर से छात्र, बेरोजगार युवा, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। प्रदर्शन में युवा संविधान की प्रति और तिरंगा लेकर पहुंचेंगे। प्रदर्शन में पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके के भी शामिल होने की संभावना है।

रांका ने बताया था कि प्रदर्शन का उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था, पेपरलीक मामलों, बढ़ती बेरोजगारी और युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर जनजागरण करना है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन जारी रहेगा। इसके तहत 20 जूनको दिल्ली में भी प्रदर्शन प्रस्तावित है।

कांग्रेस भ्रष्टाचार का एक भी सबूत दे, मैं मंत्री पद से इस्तीफा दे दूंगा : किरोड़ी लाल मीणा

अलवर, 14 जून (एजेंसियां)। अलवर जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा रविवार को अलवर दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिला प्रशासन एवं सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की ओर से आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और उपलब्धियों को आकर्षक तरीके से प्रदर्शित किया गया है। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

प्रभारी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा हमेशा की तरह अपने तीखे तेवरों में नजर आए। जिला कलक्टर आर्तिका शुक्ला की मौजूदगी में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने विपक्ष के आरोपों पर करारा पलटवार किया। किरोड़ी लाल ने कहा कि वे खुद हमेशा भ्रष्टाचार को उजागर करते आए हैं।

पिछली कांग्रेस सरकार ने जिन मामलों को दबा कर रखा था, मौजूदा सरकार उन पर लगातार कड़ी कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ काम कर रही है, भ्रष्टाचारियों को बचाने का नहीं। अगर कांग्रेस के पास कोई सबूत है तो सामने लाए, वे पद छोड़ने को तैयार हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उनके की ओर से उठाए गए मामलों पर अगर संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आगे बड़ा कदम उठाएंगे। प्रेस वार्ता के दौरान मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने केंद्र की मोदी सरकार के सफल कार्यकाल की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि देश इस समय प्रगति पथ पर है और विकसित भारत का संकल्प लगातार सच हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्पष्ट विजन है कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के आखिरी व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए।

उन्होंने बताया कि किसानों से लेकर मध्यम वर्ग को हर क्षेत्र में भारी छूट दी जा रही है। बिजली से लेकर कई कल्याणकारी योजनाओं में लोगों को राहत मिल रही है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 'लखपति दीदी' योजना चलाई जा रही है, जिसके तहत 14 लाख महिलाएं लाभ उठा चुकी हैं। इसके अलावा बेटियों के सुरक्षित भविष्य के लिए सुकन्या समृद्धि योजना के खाते खोले गए हैं। प्रभारी मंत्री ने बुनियादी ढांचे और विकास के आंकड़े रखते हुए कहा कि देश में अब तक 8 लाख किलोमीटर सड़कों का जाल बिछाया जा चुका है। शिक्षा और बुनियादी सुविधाएं बेहतर होने से बच्चों और बेटियों का स्कूल जाना अब आसान हो गया है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के जरिए देश की 109 लाख हेक्टेयर जमीन तक सिंचाई का पानी पहुंचाया गया है, जिससे हर खेत तक पानी पहुंच रहा है।

रेलवे और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हुए बदलावों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आज देश के कोने-कोने में 164 वंदे भारत ट्रेनें दौड़ रही हैं और शहरों में मेट्रो का विस्तार हो रहा है। देश को 23 नए एम्स की सौगात मिली है। उन्होंने यह भी बताया कि युवाओं के लिए 1.25 लाख सरकारी नौकरियों का कैलेंडर जारी हो चुका है। हरियाणा से यमुना के जरिए पानी लाने की योजना पर काम चल रहा है और रामजल सेतु के लिए 26 हजार करोड़ रुपये के वर्क ऑर्डर दिए जा चुके हैं।

पंचायत-निकाय चुनाव में नया संकेत
अरुण चतुर्वेदी बोले-अक्टूबर-दिसंबर में करवा लेंगे

भीलवाड़ा, 14 जून (एजेंसियां)। राजस्थान निर्वाचन आयोग हाईकोर्ट आदेश की पालना में पंचायत-निकाय चुनाव कराने के लिए राज्य सरकार से सहयोग मांग रहा है, वहीं राज्य सरकार के अनुसूचित जाति-जनजाति-अन्य पिछड़ा वर्ग और महिला आरक्षण तय किए बिना चुनाव कराने में लाचारी जता चुका है। उधर, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने कहा है कि 'एक राज्य, एक चुनाव' के संकल्प को पूरा करने के लिए राज्य सरकार अक्टूबर से दिसंबर महीने के बीच हर हाल में चुनाव करा लेगी।

भीलवाड़ा में मीडिया से बातचीत में राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि चुनाव कराने के लिए ओबीसी आयोग और सरकार समन्वय के युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं। उन्होंने विपक्ष के आरोपों पर कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय भी चुनाव ढाई साल की लंबी अवधि तक टाले गए थे।

आयोग ने 31 जुलाई तक चुनाव कराने के मकसद से राज्य सरकार को पत्र लिखा है, जिसमें एससी, एसटी, ओबीसी और महिला आरक्षण तय करने के लिए कहा है। आयोग के अनुसार कोर्ट के आदेशानुसार ओबीसी आरक्षण का इंतजार किए बिना भी चुनाव कार्यक्रम घोषित करने के लिए भी एससी-एसटी-महिला आरक्षण आवश्यक होगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि आरक्षण के लिए लॉटरी प्रक्रिया कराने का अधिकार राज्य सरकार के पास है।

राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए वित्त आयोग बेहद संजीदगी से काम कर रहा है। इसके लिए विभिन्न स्तरों पर व्यापक अध्ययन किया जा रहा है और आमजन व विशेषज्ञों से जरूरी सुझाव भी आमंत्रित किए जा रहे हैं, ताकि जमीनी स्तर पर विकास कार्यों को नई गति दी जा सके।

सरकार के जनकल्याणकारी रुख को रेखांकित करते हुए अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि शहरी विकास शिविरों का सीधा लाभ समाज की अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक पहुंचाना ही मुख्य ध्येय है। इसके लिए सरकार सभी महत्वपूर्ण विभागों को एक ही छत के नीचे लेकर आई है, जिससे जनता को प्रशासनिक स्तर पर त्वरित राहत दी जा सके।

उन्होंने आश्वस्त किया कि नगर विकास न्यास सहित जिले के अन्य सरकारी महकमों में लंबे समय से खाली पड़े पदों को भी स्थानांतरण की सतत प्रक्रिया के माध्यम से जल्द ही भर दिया जाएगा, ताकि आमजन के काम न अटकें।

इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार के शानदार 12 वर्षों के कार्यकाल और उसकी ऐतिहासिक उपलब्धियों का भी जिक्र किया। इस दौरान विधायक अशोक कोठारी, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा व पूर्व महापौर राकेश पाठक सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई, बेंगलुरु पुलिस के तीन कर्मियों को रिश्वत लेते पकड़ा

जयपुर, 14 जून (एजेंसियां)। राजस्थान एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने आज एक बड़ी कार्रवाई कर बेंगलुरु पुलिस के तीन पुलिसकर्मियों को रिश्वतखोरी के आरोप में ट्रैप किया। इसमें बेंगलुरु पुलिस के एक महिला सब इंस्पेक्टर और दो हेड कांस्टेबल शामिल हैं। बताया जा रहा है कि बेंगलुरु पुलिस दहेज के एक केस में अनुसंधान के लिए जयपुर आए थे। इन पर आरोप है कि जांच के दौरान बेंगलुरु पुलिस कर्मियों ने पीड़ित पक्ष को डराया-धमकाया था। साथ ही राहत के नाम पर 2 लाख रुपए की मांग की थी। बताया जा रहा कि गिरफ्तारी के बाद महिला सब इंस्पेक्टर अनीता की तबीयत बिगड़ गई थी।

बताया जा रहा है कि पीड़ित ने इसकी शिकायत एसीबी से की। शिकायत के बाद एसीबी ने जाल बिछाया। फिर जयपुर के होटल गणगौर में आरोपियों को 40 हजार रुपए की रिश्वत के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। एसीबी ने बेंगलुरु पुलिस की सब इंस्पेक्टर अनीता, 2 हैड कांस्टेबल यतीश कुमार, उल्वप्पा ट्रैप को गिरफ्तार किया।

एसीबी के एडिशनल एसपी भूपेंद्र चौधरी की अगुवाई में इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। इस पूरे अभियान का पर्यवेक्षण डीआईजी ओम प्रकाश मीणा ने किया, जबकि कार्रवाई महानिदेशक गोविंद गुप्ता और अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के निर्देश पर अंजाम दी गई।

बताया जा रहा है कि बाहरी राज्य से आए पुलिसकर्मियों का दूसरे राज्य में रिश्वतखोरी का प्रयास एक गंभीर मामला माना जा रहा है। एसीबी ने तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। आगे की जांच शुरू कर दी है।

एसीबी टीम की ओर से ट्रैप होने के बाद महिला एसआई अनीता की तबीयत अचानक खराब हो गई। एसीबी टीम ने तुरंत मेडिकल सहायता मुहैया कराई। बताया जा रहा है कि बीपी की बीमारी की वजह से महिला एसआई अनीता की तबीयत बिगड़ी थी। खबर अपडेट हो रही है।

हथियारों के जखीरे के साथ 20 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार
बुटेरी फायरिंग कांड से जुड़े तार

कोटपूतली-बहरोड़, 14 जून (एजेंसियां)। जिले में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने बुटेरी फायरिंग मामले से जुड़े 20 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद किए हैं।

जिला पुलिस ने अवैध हथियार तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए 20 हजार रुपये के इनामी बदमाश सचिन को गिरफ्तार किया है। कोटपूतली थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) की संयुक्त कार्रवाई में आरोपी के कब्जे से अवैध हथियारों का जखीरा बरामद किया गया है। पुलिस का मानना है कि आरोपी की गिरफ्तारी से क्षेत्र में सक्रिय अवैध हथियार तस्करी नेटवर्क के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ सकती हैं। पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह ने बताया कि जिले में अपराधियों और अवैध हथियार तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि 20 हजार रुपये का इनामी आरोपी सचिन अवैध हथियारों के साथ क्षेत्र में सक्रिय है। सूचना के आधार पर कोटपूतली थाना पुलिस और डीएसटी ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए घेराबंदी की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से छह देशी पिस्टल, 10 जिंदा कारतूस और पांच खाली मैगजीन बरामद कीं। इसके अलावा अवैध गतिविधियों में उपयोग की जा रही एक मोटर साइकिल भी जब्त की गई है। बरामद हथियारों की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इन हथियारों का इस्तेमाल किन-किन आपराधिक घटनाओं में किया गया है।

स्टेट लेवल कबड्डी खिलाड़ी की जोधपुर से किडनैपिंग
फिर पीट-पीट कर मार डाला, खौफनाक वारदात

जोधपुर, 14 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के जोधपुर में एक राज्य स्तर के कबड्डी खिलाड़ी की खौफनाक हत्या से पूरे इलाके में खौफ पसर गया है। बताया जा रहा है कि अज्ञात लोगों ने 26 साल के कबड्डी खिलाड़ी को किडनैप कर लिया। कथित तौर पर उनकी बेरहमी से पिटाई की गई। इस पिटाई की वजह से उनकी मौत हो गई। इस वारदात के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

मारे गए कबड्डी खिलाड़ी का नाम मनोज भादू था और वो जोधपुर के रावर गांव के रहने वाले थे। पुलिस को शुरुआती जांच में ये आपसी रंजिश का मामला लग रहा है। पुलिस ने जब कबड्डी खिलाड़ी की हत्या की जांच शुरू की तो पता चला कि मनोज भादू का हाल ही में महेंद्र नाम के एक नौजवान के साथ झगड़ा हुआ था। बताया जा रहा है कि उसमें मनोज पर मारपीट का आरोप लगा था। इसको लेकर एक केस बिलारा थाने में दर्ज भी कराया गया था।

पुलिस को शक है कि महेंद्र और उसके साथी हफ्ते भर से मनोज पर नजर रखे हुए थे। आरोपी भी जोधपुर का ही रहने वाला था। पुलिस के अनुसार कबड्डी खिलाड़ी मनोज भादू को किडनैप कर उसे पीटने वालों में 7-8 लोग शामिल थे। पुलिस उनकी तलाश में कई जगह रेड कर रही है।

मनोज के घरवालों के मुताबिक 2017 से 2018 के बीच मनोज स्टेट लेवल कबड्डी प्लेयर थे। 2022 में मनोज ने उदयपुर से बीएड भी कर लिया था। मनोज शारीरिक शिक्षक (फिजिकल ट्रेनिंग इंस्ट्रक्टर) परीक्षा में भर्ती की तैयारी कर रहे थे। बताया जा रहा है कि गुरुवार की रात मनोज अपनी एसयूवी गाड़ी में एक जेसीबी खरीदने के लिए पाली के लिए निकले थे। उनके साथ 2 और लोग भी थे। लेकिन रास्ते में 4 से 5 गाड़ियों पर सवार अपराधी उन्हें उनकी स्कॉर्पियो से निकाल कर अपनी गाड़ी में उठा ले गए। मनोज के साथ मौजूद लोग किसी तरह भागने में कामयाब हो गए। इसके बाद मनोज पाली जिले के लांबा गांव के पास मिले।

मनोज को गंभीर चोट आई थी। उन्हें सिर, पैर और हाथ में काफी बुरी तरह से चोट लगी हुई थी। उन्हें जोधपुर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में ले जाया गया। बाद में उन्हें मथुरादास माथुर अस्पताल भेजा गया। लेकिन इलाज के दौरान डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। पुलिस ने इस मामले में 7 लोगों पर नामजद केस दर्ज की है। पुलिस उनकी सरगर्मी से तलाश कर रही है।

मानसून से पहले ही बदला राजस्थान का मौसम
8 डिग्री तक लुढ़का पारा; कई जिलों में बारिश-ओले

जयपुर, 14 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में प्री-मानसून गतिविधियां तेज होने से कई जिलों में बारिश, आंधी और ओलावृष्टि हुई। तापमान 8 डिग्री तक गिरा। मौसम विभाग ने 9 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राजस्थान में मानसून की आधिकारिक एंट्री से पहले ही मौसम ने करवट ले ली है। पिछले कुछ दिनों से 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा तापमान अचानक नीचे आ गया है। आंधी, बारिश और ओलावृष्टि के कारण प्रदेश के कई शहरों में पारा 6 से 8 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया, जिससे लोगों को भीषण गर्मी और उमस से बड़ी राहत मिली है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने और अरब सागर से लगातार नमी मिलने के कारण प्रदेश में प्री-मानसून गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसका असर जयपुर, सीकर, चूरू, बीकानेर, झुंझुनूं, अलवर और आसपास के जिलों में साफ देखने को मिला, जहां कई जगह तेज बारिश और ओलावृष्टि हुई। सबसे ज्यादा असर सीकर में देखने को मिला। यहां एक ही दिन में तापमान 43 डिग्री से गिरकर 35 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। शहर में करीब तीन इंच बारिश दर्ज की गई। जयपुर में भी आधा इंच बारिश हुई, जिससे दिनभर मौसम सुहावना बना रहा।

बारिश का असर सिर्फ तापमान पर ही नहीं दिखा, बल्कि कई इलाकों में जनजीवन भी प्रभावित हुआ। भीलवाड़ा में तेज तूफान और बारिश के कारण दुकानों के बोर्ड गिर गए, जबकि कई क्षेत्रों में देर रात तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 24 घंटे भी प्रदेश के लिए राहत भरे रह सकते हैं। विभाग ने रविवार को 9 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जबकि जैसलमेर को छोड़कर लगभग पूरे राजस्थान में यलो अलर्ट घोषित किया गया है।

वाह शिक्षक हो तो ऐसा! वादा किया तो निभाया
90% अंक लाने वाली बेटियों को अपनी जेब से करवाई हवाई यात्रा

बाड़मेर, 14 जून (एजेंसियां)। शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह सपनों को पंख देने का माध्यम भी बनती है। बाड़मेर जिले से ऐसी ही एक प्रेरणादायक कहानी सामने आई है, जहां एक सरकारी शिक्षक ने अपनी घोषणा को हकीकत में बदलते हुए तीन मेधावी छात्राओं के हवाई यात्रा के सपने को साकार कर दिया। जिले के धोरीमन्ना क्षेत्र स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पाबूबेरा में कार्यरत स्टेट अवार्डी शिक्षक जगदीश प्रसाद विश्नोई ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के प्रति प्रेरित करने के लिए एक अनोखी पहल की थी। उन्होंने सत्र 2025-26 के दौरान घोषणा की थी कि कक्षा 12वीं में 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को वे अपनी निजी आय से हवाई यात्रा करवाएंगे। शिक्षक की इस घोषणा ने विद्यार्थियों के भीतर पढ़ाई के प्रति नया उत्साह भर दिया। जब परीक्षा परिणाम घोषित हुए तो विद्यालय की छात्राएं हर्षिता, गीता और शांति ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए। अपने वादे के अनुसार शिक्षक जगदीश प्रसाद विश्नोई ने इन तीनों छात्राओं को 12 जून को अहमदाबाद से बेंगलुरु तक हवाई यात्रा करवाई। लगभग ढाई घंटे की इस उड़ान ने छात्राओं के जीवन में एक यादगार अनुभव जोड़ दिया। ग्रामीण परिवेश से आने वाली इन बेटियों के लिए यह यात्रा किसी सपने के सच होने से कम नहीं थी।

विमान में बैठने के बाद उनके चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दे रही थी। यात्रा पूरी होने के बाद छात्राओं ने बताया कि उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि वे इतनी जल्दी हवाई जहाज में सफर करेंगी। उन्होंने कहा कि उनके शिक्षक ने जो वादा किया था, उसे पूरी ईमानदारी से निभाया है। इस अनुभव ने उन्हें आगे और अधिक मेहनत करने तथा जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करने की प्रेरणा दी है।

चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर बुलडोजर एक्शन से हड़कंप, एक होटल ढहा

चित्तौड़गढ़, 14 जून (एजेंसियां)। यूनेस्को की वर्ल्ड हैरिटेज लिस्ट में शामिल ऐतिहासिक चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर बड़ा एक्शन हुआ। यहां जिला प्रशासन और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने अब तक की सबसे बड़ी संयुक्त कार्रवाई की है। बता दें कि रविवार14 जून तड़के भारी पुलिस जाब्ते के साथ पहुंचे प्रशासनिक अमले ने दुर्ग के भीतर पुरातत्व विभाग की संरक्षित भूमि पर अवैध रूप से बनाए जा रहे एक दो मंजिला होटल को पूरी तरह से ढहा दिया। ऐतिहासिक चित्तौड़गढ़ दुर्ग में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की खातेदारी जमीन पर बने एक बड़े अवैध निर्माण पर प्रशासन के इस एक्शन की पूरे शहर में चर्चा हो रही है। यह पूरी कार्रवाई इतनी गोपनीय और योजनाबद्ध तरीके से की गई कि किसी को कानों-कान खबर तक नहीं हुई। पिछले दिनों जिला कलेक्ट्रेट में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में इस ऑपरेशन का खाका तैयार किया गया था। जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने अवैध निर्माणकर्ताओं के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए तुरंत कार्रवाई और एफआईआर के निर्देश दिए थे। कलक्टर के आदेश के बाद पुरातत्व विभाग ने शहर कोतवाली में एक नामजद मामला भी दर्ज कराया था। रविवार सुबह ठीक 4 बजे, जब पूरा शहर गहरी नींद में सोया था, प्रशासनिक दस्ता लाव-लश्कर के साथ दुर्ग पर धमक गया। सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दुर्ग की तरफ आने-जाने वाले सभी रास्तों को पूरी तरह ब्लॉक कर दिया गया और चप्पे-चप्पे पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया।

एयरपोर्ट पर सेना के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग
बीमार जवान के लिए बनाया ग्रीन कॉरिडोर

जयपुर, 14 जून (एजेंसियां)। जयपुर एयरपोर्ट पर सेना के एक हेलीकॉप्टर की मेडिकल इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। सूरतगढ़ में तैनात सेना का एक जवान अचानक गंभीर रूप से बीमार हो गया था, जिसे बेहतर इलाज के लिए तुरंत जयपुर लाया गया।

बता दें कि जैसे ही हेलीकॉप्टर जयपुर एयरपोर्ट पर उतरा, वहां पहले से तैयार एंबुलेंस और सुरक्षाकर्मी अलर्ट मोड पर आ गए।

समय बचाने और जवान को बिना किसी देरी के अस्पताल पहुंचाने के लिए प्रशासन ने एयरपोर्ट से लेकर मिलिट्री अस्पताल तक ग्रीन कॉरिडोर बनाया। इसके बाद जवान को तुरंत आर्मी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज शुरू कर दिया गया है।

जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक बड़ा हादसा टल गया। जयपुर से जेद्दा (सऊदी अरब) जा रहे एक विमान से उड़ान भरते ही एक पक्षी टकरा गया। इसके बाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने मुस्तैदी दिखाते हुए विमान को तुरंत वापस बुला लिया।

सऊदी अरब की 'फ्लाइनास एयरलाइंस' का एक विमान हाजियों को लेकर जयपुर पहुंचा था।

यात्रियों को छोड़ने के बाद, रात करीब 10:10 बजे इस खाली विमान ने वापस जेद्दा के लिए उड़ान भरी। लेकिन टेकऑफ के कुछ ही मिनटों बाद विमान से एक पक्षी टकरा गया।

बर्ड हिट होते ही पायलट ने तुरंत इसकी सूचना एटीसी को दी। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विमान को वापस जयपुर उतारने का फैसला किया गया। उड़ान भरने के महज 30 मिनट बाद, रात 10:40 बजे विमान को जयपुर एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंड करा लिया गया।

विमान के लैंड होते ही इंजीनियरों और तकनीकी टीम ने उसके विंग्स और इंजन की गहन जांच की। जब सुरक्षा मानकों के तहत सब कुछ सही पाया गया, तब जाकर विमान को दोबारा उड़ान भरने की मंजूरी मिली। इसके बाद रात 1:05 बजे विमान ने जेद्दा के लिए फिर से उड़ान भरी।

बारिश के दौरान सतर्कता बरतने के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के सख्त निर्देश

ट्रैफिक जाम और नागरिकों को हुई असुविधा पर नाराजगी जताई > पेयजल आपूर्ति में किसी प्रकार का प्रदूषण या गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए

हैदराबाद, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने राज्य में आगामी बारिश के मौसम को देखते हुए सभी विभागों को उच्चतम सतर्कता बरतने के सख्त निर्देश दिए हैं।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और लापरवाह अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई तय है। मुख्यमंत्री ने एमसीआर एचआरडी के बोधि पवेलियन में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में वर्चुअल एवं प्रत्यक्ष रूप से मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मानसून तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में राज्यसभा सदस्य वेनम नरेन्द्र रेड्डी, सरकारी सलाहकार सुदर्शन रेड्डी, मुख्य सचिव ए. रामकृष्ण राव, डीजीपी सी.वी. आनंद और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने 9 जून को कोर अर्बन रीजन में हुई भारी बारिश के दौरान उत्पन्न ट्रैफिक जाम और नागरिकों को हुई असुविधा पर कड़ा आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मौसम विभाग की चेतावनियों के बावजूद नगर प्रशासन, पुलिस और ट्रैफिक विभाग की ओर से अपेक्षित सतर्कता नहीं दिखाई गई, जो अत्यंत गंभीर लापरवाही है। उन्होंने निर्देश दिया कि बारिश के दौरान म्युनिसिपल प्रशासन, पुलिस, ट्रैफिक, जलमंडली, हाइड्रा और अन्य आपदा प्रबंधन एजेंसियों के सभी अधिकारी और कर्मचारी अनिवार्य रूप से फील्ड में मौजूद रहें।

आवश्यकता पड़ने पर वे स्वयं भी सड़कों पर उतरेंगे। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि ट्रैफिक जाम या जलभराव की स्थिति में किसी भी तरह की देरी अस्वीकार्य होगी। ट्रैफिक विभाग में खाली पदों को तुरंत भरने के निर्देश भी डीजीपी को दिए गए। जलभराव वाले क्षेत्रों, ब्लैक स्पॉट्स और संवेदनशील स्थानों का डेटा तैयार कर पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने को कहा गया। बिजली आपूर्ति बाधित होने की घटनाओं पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने त्वरित पुनर्स्थापना और मोबाइल ट्रांसफॉर्मर की व्यवस्था के निर्देश दिए। सिंचाई विभाग को सभी परियोजनाओं पर सतत निगरानी रखने और इंजीनियरों की अनिवार्य तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वहीं कृषि विभाग को आगामी खरीफ सीजन में बीज एवं यूरिया वितरण को सुचारू बनाने और किसानों को समय पर जानकारी उपलब्ध कराने को कहा गया। मुख्यमंत्री ने यह भी चेतावनी दी कि पेयजल आपूर्ति में किसी प्रकार का प्रदूषण या गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए। जल गुणवत्ता की नियमित जांच, दवाओं का पर्याप्त भंडारण और मौसमी बीमारियों से निपटने की पूरी तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिए गए। मुख्य सचिव और सभी विभागीय प्रमुखों को आपसी समन्वय मजबूत करने और नियमित समीक्षा करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता को किसी भी स्थिति में परेशानी नहीं होनी चाहिए और शासन पूरी तरह सक्रिय मोड में रहे।

विमेंस वर्ल्डकप

भारत ने पाकिस्तान को 64 रन से हराया

दीप्ति ने 10 रन देकर 5 विकेट लिए; स्मृति मंधाना ने 68 रन बनाए

बर्मिंघम, 14 जून (एजेंसियां)। भारत ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को 64 रन से हरा दिया। एजबेस्टन में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी और 20 ओवर में 6 विकेट पर 170 रन बनाए।

भारत की ओर से स्मृति मंधाना ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 44 गेंदों में 68 रन बनाए। 9 चौके और 2 छक्के भी लगाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 36 रन की पारी खेली।

ऋचा घोष ने 17 बॉल पर 34 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से सादिया इकबाल और फातिमा सना ने 2-2 विकेट लिए। तस्मिया रुबाब और रामीन शमीम को 1-1 सफलता मिली।

171 रन का पीछा कर रही पाकिस्तान 17 ओवर में 106 रन पर ऑलआउट हो गई। मुनीबा अली ने सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। भारत से दीप्ति शर्मा ने 10 रन देकर 5 विकेट लिए। श्री चरणी को 3 और शेफाली वर्मा को एक विकेट मिला।

महिला से धोखाधड़ी और यौन शोषण के आरोप में सब-इंस्पेक्टर पर मामला दर्ज

शादी का झांसा देकर संबंध बनाने और धमकी देने का आरोप

हनमकोंडा, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल पुलिस आयुक्तालय के केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीएस) में तैनात एक सब-इंस्पेक्टर के खिलाफ एक विवाहित महिला से कथित धोखाधड़ी, यौन शोषण और धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। महिला द्वारा पुलिस महानिरीक्षक से न्याय की गुहार लगाने के बाद यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार महिला का बयान शनिवार को भरोसा केंद्र में दर्ज किया गया, जिसके बाद मामला हनमकोंडा पुलिस थाने को स्थानांतरित कर दिया गया। शिकायत के आधार पर आरोपी पुलिस अधिकारी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि वर्ष 2022 में पारिवारिक विवाद के चलते उसने अपने पति के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। इसी दौरान संबंधित पुलिस अधिकारी ने न्याय दिलाने और वैवाहिक विवाद सुलझाने का भरोसा देकर उसका विश्वास जीता। महिला का आरोप है कि बाद में उसने शादी का आश्वासन देकर उसके साथ संबंध बनाए। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने कई बार महिला का शोषण किया तथा कथित रूप से उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। महिला ने दावा किया कि जब उसने विवाह संबंधी वादे को पूरा करने की बात कही तो आरोपी ने उसे धमकाना शुरू कर दिया और निजी तस्वीरों के दुरुपयोग की चेतावनी दी। महिला के अनुसार आरोपी लगातार उसका पीछा करता रहा और विभिन्न तरीकों से दबाव बनाता रहा। परेशान होकर उसने उच्च पुलिस अधिकारियों से शिकायत की और कार्रवाई की मांग की। हनमकोंडा पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

‘मार्गदर्शक’ कार्यक्रम के दूसरे बैच की शुरूआत

नागरिक सुरक्षा में सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने पर जोर

हैदराबाद, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी सिक्योरिटी काउंसिल (एचसीएससी) और शहर पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को टीजीआईसीसीसी, बंजारा हिल्स में ‘मार्गदर्शक’ कार्यक्रम के प्रथम बैच के प्रतिभागियों के प्रमाणन समारोह का आयोजन किया गया। इसी अवसर पर कार्यक्रम के दूसरे बैच का भी औपचारिक शुभारंभ किया गया। यह ‘मार्गदर्शक’ कार्यक्रम एक सामुदायिक पहल है, जिसका उद्देश्य प्रशिक्षित स्वयंसेवकों और सुरक्षा दूतों का नेटवर्क तैयार करना है, जो शहर में सुरक्षित वातावरण बनाने के लिए नागरिक सहभागिता को मजबूत कर सकें। इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों को सार्वजनिक सुरक्षा, आपातकालीन प्रतिक्रिया, महिलाओं की सुरक्षा, साइबर जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाता है। पहले बैच में समुदाय से उत्साहजनक प्रतिक्रिया देखने को मिली, जिसमें 80 से अधिक प्रतिभागियों ने निर्धारित प्रशिक्षण मॉड्यूल सफलतापूर्वक पूरा कर प्रमाणपत्र प्राप्त किया। पहले बैच की सफलता के आधार पर दूसरे बैच की शुरूआत की गई है, जिसमें अब तक 280 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। इससे नागरिकों और संस्थानों में सामुदायिक पुलिसिंग तथा सहयोगात्मक सुरक्षा पहलों के प्रति बढ़ती रुचि स्पष्ट होती है। इस अवसर पर हैदराबाद पुलिस आयुक्त एवं एचसीएससी के अध्यक्ष वी.सी. सज्जनार ने मुख्य भाषण में कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ‘मार्गदर्शक’ जैसे कार्यक्रम पुलिस और समुदाय के बीच मजबूत साझेदारी बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वायरल ऑडियो को शब्बीर अली ने बताया फर्जी और छेड़छाड़ किया हुआ

कहा- छवि खराब करने और कांग्रेस में अविश्वास पैदा करने की साजिश

हैदराबाद, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस में विवाद का कारण बनी कथित ऑडियो बातचीत के वायरल होने के बाद सरकारी सलाहकार मोहम्मद शब्बीर अली ने इसे पूरी तरह फर्जी, छेड़छाड़ किया हुआ और राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी छवि खराब करने और कांग्रेस पार्टी के भीतर अविश्वास पैदा करने के उद्देश्य से यह साजिश रची गई है। शब्बीर अली ने रविवार को जारी बयान में कहा कि उनके खिलाफ सुनियोजित तरीके से भ्रामक सामग्री प्रसारित की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह दावा पूरी तरह निराधार है कि उन्होंने तेलंगाना कांग्रेस के नेताओं या पार्टी से जुड़ी महिलाओं के बारे में कोई अपमानजनक टिप्पणी की है।

यह विवाद उस कथित ऑडियो बातचीत के सामने आने के बाद शुरू हुआ, जिसमें उनके द्वारा तेलंगाना कांग्रेस में पदों की खरीद-फरोख्त और महिलाओं के यौन शोषण संबंधी आरोप लगाए जाने का दावा किया गया था। मामला बढ़ने पर तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अनुशासन समिति ने उनसे स्पष्टीकरण मांगा था। नोटिस के जवाब में शब्बीर अली ने तीन पृष्ठों का विस्तृत स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि वायरल ऑडियो वास्तविक नहीं है और उसे संपादित कर भ्रामक तरीके से प्रसारित किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार की मनगढ़ंत सामग्री अक्सर लोगों को भड़काने, भ्रम फैलाने और राजनीतिक नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से फैलाई जाती है।

शब्बीर अली ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ या कांग्रेस से जुड़ी महिलाओं के खिलाफ उनके द्वारा किसी प्रकार की आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने का आरोप पूरी तरह गलत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका पार्टी नेतृत्व और संगठन के प्रति पूरा सम्मान है। पूर्व मंत्री ने कहा कि फर्जी ऑडियो तैयार करने और बिना सत्यापन के उसे प्रसारित करने वालों के खिलाफ मानहानि समेत अन्य कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस मामले में कामारेड्डी कांग्रेस इकाई पहले ही स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज करा चुकी है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

बिना भेदभाव के सभी का विकास कर रही है तेलंगाना सरकार : सचिन सावंत

एआईसीसी सचिव से उत्तर भारतीयों के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

हैदराबाद, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। विभिन्न संगठनों से जुड़े उत्तर भारतीयों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार रात प्रजा भवन, हैदराबाद में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सचिव एवं तेलंगाना कांग्रेस के सह-प्रभारी सचिन सावंत से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर भारतीय समाज से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और मांगों को उनके समक्ष रखा।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल विभिन्न उत्तर भारतीय संगठनों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सचिन सावंत को बताया कि तेलंगाना उनकी कर्मभूमि है और वे कई पीढ़ियों से यहां निवास कर रहे हैं। साथ ही राज्य के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर भारतीय समाज की कुछ समस्याएं हैं, जिनका समाधान किया जाना आवश्यक है। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि सिकंदराबाद से बिहार के दानापुर के लिए प्रतिदिन केवल एक ही ट्रेन संचालित होती है। एकमात्र ट्रेन होने के कारण यात्रियों को आरक्षित सीटें नहीं मिल पाती हैं, जिससे उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने मांग की कि सिकंदराबाद से वाराणसी और पटना के लिए नई ट्रेनें शुरू कराने के लिए कांग्रेस पार्टी पहल करे।

इसके अलावा छठ पूजा, उत्तर भारतीय भवन सहित विभिन्न मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल की सभी बातों को ध्यानपूर्वक सुनने के बाद सचिन सावंत ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना कांग्रेस सरकार बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों के विकास के लिए कार्य कर रही है। सरकार राज्य में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए दिन-रात अथक प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ भी राज्य में रहने वाले अन्य राज्यों के लोगों को पार्टी से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों से आकर तेलंगाना में रहने वाले लोगों से कांग्रेस पार्टी का साथ देने का आह्वान किया। सचिन सावंत ने कहा कि कांग्रेस पार्टी विशेष रूप से शहरी युवाओं पर फोकस कर रही है। राहुल गांधी लगातार देश के युवाओं से संवाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में बदलाव की आवश्यकता है और जनता अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार से ऊब चुकी है। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में सीएम एवं सामाजिक कार्यकर्ता मधुसूदन अग्रवाल, तेलंगाना भाषाई अल्पसंख्यक कांग्रेस कमेटी के चेयरमैन राजेश अग्रवाल, बिहार सहयोग समिति तेलंगाना के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव, नॉर्थ पीपुल्स एसोसिएशन तेलंगाना के अध्यक्ष राज नारायण सिंह, श्याम मोहन यादव, वीरेंद्र सिंह तथा मराठी समाज के विनोद पवार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

एससीआर हैदराबाद मंडल में प्राणिक हीलिंग सत्र आयोजित

कर्मचारियों को तनाव प्रबंधन के दिए गए व्यावहारिक गुर

हैदराबाद, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के हैदराबाद मंडल ने कर्मचारी कल्याण और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए हैदराबाद भवन स्थित ‘गुलिस्तान’ में प्राणिक हीलिंग पर एक परिचयात्मक सत्र का आयोजन किया। कार्यस्थल कल्याण और मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों एवं प्रशासनिक कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सत्र का उद्देश्य कर्मचारियों को दैनिक तनाव से निपटने, भावनात्मक संतुलन बनाए रखने तथा समग्र स्वास्थ्य में सुधार के लिए व्यावहारिक उपायों से परिचित कराना था। संवादात्मक कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को कॉर्पोरेट थकान (बर्नआउट) के प्रबंधन, मानसिक स्पष्टता बढ़ाने तथा अधिक सामंजस्यपूर्ण कार्य वातावरण विकसित करने के लिए उपयोगी तकनीकों की जानकारी दी गई। कर्मचारियों ने श्वास संबंधी अभ्यासों और ऊर्जा-जागरूकता गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की तथा तत्काल मानसिक शांति, शारीरिक विश्राम और स्पष्ट सोच का अनुभव साझा किया। कार्यशाला में प्राणिक हीलिंग के विज्ञान पर विस्तृत मास्टरक्लास भी आयोजित की गई।

विशेषज्ञों ने बताया कि प्राणिक हीलिंग एक प्रभावी गैर-स्पर्श (नॉन-टच) ऊर्जा चिकित्सा प्रणाली है, जिसे वर्ष 1987 में ग्रैंडमास्टर चोआ कोक सुई ने औपचारिक रूप प्रदान किया था। यह पद्धति इस सिद्धांत पर आधारित है कि मानव शरीर में स्वयं को स्वस्थ करने की प्राकृतिक क्षमता होती है, जिसे ‘प्राण’ अर्थात जीवन शक्ति के माध्यम से और अधिक सक्रिय किया जा सकता है। प्रस्तुतकर्ताओं ने बताया कि इस प्रक्रिया में बिना किसी शारीरिक संपर्क अथवा दवाओं के मानव आभामंडल और चक्रों (ऊर्जा केंद्रों) को शुद्ध एवं संतुलित करने के लिए विशेष तकनीकों का उपयोग किया जाता है। तनाव के कारण उत्पन्न नकारात्मक अथवा अवरुद्ध ऊर्जा को हटाकर उसके स्थान पर नई जीवन शक्ति का संचार किया जाता है, जिससे ऊर्जा शरीर के असंतुलन को शारीरिक अथवा मानसिक बीमारी का रूप लेने से पहले ही संतुलित करने में सहायता मिलती है। सत्र का समापन एक विशेष मार्गदर्शित समूह ध्यान के साथ हुआ, जिसका उद्देश्य कर्मचारियों के बीच शांति, एकाग्रता और टीम भावना को मजबूत करना था। आयोजकों ने स्पष्ट किया कि प्राणिक हीलिंग पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का विकल्प नहीं, बल्कि शारीरिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य लाभ की प्रक्रिया को गति देने वाला एक प्रभावी पूरक माध्यम है।

बिजली हादसों के बाद टीजीएसपीडीसीएल का विशेष अभियान शुरू

जर्जर खंभों की मरम्मत, पेड़ों की छंटाई और आपातकालीन टीमें की गईं तैनात

हैदराबाद, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हाल के दिनों में बिजली के झटके से चार लोगों की मौत के बाद आलोचनाओं का सामना कर रहे तेलंगाना दक्षिणी विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (टीजीएसपीडीसीएल) ने बिजली वितरण प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। मानसून के दौरान भारी बारिश और तेज हवाओं के बीच निर्बाध एवं सुरक्षित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभाग ने व्यापक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी हैं। टीजीएसपीडीसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक जितेश वी. पाटिल के निर्देश पर सभी परिचालन केंद्रों में क्षतिग्रस्त और जर्जर बिजली खंभों की मरम्मत तथा रखरखाव कार्य को प्राथमिकता दी जा रही है। विभाग द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार पूरे नेटवर्क में बिजली खंभों और लाइनों के निरीक्षण तथा सुधार के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान के तहत नए बिजली खंभे लगाए जा रहे हैं, ढीली बिजली लाइनों को ठीक किया जा रहा है तथा मुड़े और क्षतिग्रस्त खंभों की मरम्मत एवं पुनर्स्थापन का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसके साथ ही बिजली लाइनों के आसपास बड़े पैमाने पर वृक्षों की छंटाई भी कराई जा रही है ताकि बारिश और तेज हवाओं के दौरान पेड़ों की शाखाएं तारों पर गिरने से होने वाली दुर्घटनाओं और बिजली आपूर्ति बाधित होने की घटनाओं को रोका जा सके। इन कार्यों के लिए विभाग ने आधुनिक उपकरणों की व्यवस्था की है। कुल 208 पोल प्रूनर उपलब्ध कराए गए हैं, जिनमें 168 नए खरीदे गए उपकरण और 40 पहले से मौजूद यूनिट शामिल हैं। इसके अलावा 59 नई चेन सॉ और 530 प्रूनिंग कटर भी फील्ड कर्मचारियों को उपलब्ध कराए गए हैं। आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने और बिजली आपूर्ति की शीघ्र बहाली के लिए 189 आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (ईआरटी) वाहन तैयार रखे गए हैं। वहीं कोर अर्बन रीजन (सीयूआरई) में बिजली संबंधी शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए 213 फ्यूज-ऑफ-कॉल (एफओसी) टीमें भी तैनात की गई हैं। विभाग ने कहा है कि बिजली लाइनों के पास वृक्षों की छंटाई शुरू करने से पहले स्थानीय निवासियों को पूर्व सूचना दी जाएगी। साथ ही जनता से सहयोग की अपील की गई है। उपभोक्ताओं की शिकायतों के निवारण के लिए 1912 टोल-फ्री हेल्पलाइन चौबीसों घंटे उपलब्ध है। इसके अलावा टीजीएसपीडीसीएल सिटीजन ऐप और व्हाट्सएप नंबर 87124 41912 के माध्यम से भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। टीजीएसपीडीसीएल ने मानसून के दौरान लोगों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील करते हुए कहा है कि यदि कहीं बिजली का तार टूटकर गिरा हुआ दिखाई दे तो उसे किसी भी परिस्थिति में न छुएं और तत्काल बिजली विभाग या 1912 हेल्पलाइन को इसकी सूचना दें।

नौ वर्षीय बच्ची के साथ बलात्कार करने का किया प्रयास

कोत्तागुडेम, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के अश्वराओपेट मंडल में एक 60 वर्षीय व्यक्ति ने कथित तौर पर नौ वर्षीय बच्ची के साथ बलात्कार करने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार, आंध्र प्रदेश के कुकुनूर मंडल की कक्षा 5 की छात्रा यह लड़की गर्मियों की छुट्टियों में मंडल के एक गांव में अपनी मौसी के घर गई हुई थी। शनिवार को वह नाश्ता खरीदने के लिए घर के सामने स्थित एक किराने की दुकान पर गई थी। दुकानदार पद्दम लक्ष्मण राव (60 वर्ष) ने लड़की को शीतल पेय दिया, उसे एक कमरे में ले गया और उसके साथ बलात्कार करने का प्रयास किया। दुकान पर आए एक अन्य बच्चे ने यह सब देखा, घर भागा और लड़की की दादी को सूचना दी।

दादी, एक अन्य महिला के साथ, दुकान पर गईं और उन्होंने देखा कि बुजुर्ग व्यक्ति केवल एक तौलिया पहने हुए था और लड़की के साथ दुर्व्यवहार करने की कोशिश कर रहा था। जब उन्होंने शोर मचाया, तो स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और लक्ष्मण राव की पिटाई कर दी। आरोपी फरार हो गया और शरण लेने के लिए अश्वराओपेट पुलिस स्टेशन चला गया। एक राजनीतिक दल के नेता बड़ी संख्या में पुलिस स्टेशन पर आरोपियों के बचाव में जमा हो गए। परिवार ने आरोप लगाया कि पुलिस ने मामला दर्ज करने में देरी की। अश्वराओपेट के सब-इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस ययाति राजू ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पीओसीएसओ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

युवक के खिलाफ पीओसीएसओ का मामला दर्ज

कोत्तागुडेम, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के भद्राचलम कस्बे में 15 वर्षीय स्कूली छात्रा के परिवार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद एक युवक के खिलाफ पीओसीएसओ (नशे की सजा न देने का अपराध) का मामला दर्ज किया गया है। परिवार ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि युवक च राजेश ने निजी स्कूल की छात्रा को बाहर ले जाने का लालच देकर बहला-फुसलाकर एक स्थानीय लॉज में ले गया और शनिवार को उसके साथ यौन उत्पीड़न किया। लड़की ने घटना के बारे में अपने परिवार को बताया, जिसके बाद उन्होंने स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर, सब-इंस्पेक्टर श्याम ने पीओसीएसओ अधिनियम और एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत बलात्कार का मामला दर्ज किया।

पेट्रोल टैंकर की टक्कर से युवक की मौत

परिवार से मिलने आए संविदा कर्मी की सड़क हादसे में गई जान

महबूबाबाद, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। महबूबाबाद जिले के थोरूर मंडल मुख्यालय में रविवार को हुए एक सड़क हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। दुर्घटना अन्नाराम मार्ग पर स्थित भद्रकाली मंदिर के निकट हुई, जहां एक तेज रफ्तार पेट्रोल टैंकर ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान गुरतुरु गांव निवासी जडाला नवीन (32) के रूप में हुई है। वह नेल्लिकुदुर मंडल विकास अधिकारी कार्यालय में संविदा ऑपरेटर के पद पर कार्यरत थे। रविवार की छुट्टी होने के कारण वह अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए थोरूर आए हुए थे। बताया गया कि नवीन मोटरसाइकिल से जा रहे थे, तभी भद्रकाली मंदिर के पास उनकी बाइक एक तेज रफ्तार पेट्रोल टैंकर की चपेट में आ गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल व्याप्त हो गया। स्थानीय सुरक्षा अधिकारी टी. महेंद्र रेड्डी ने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस टैंकर चालक की भूमिका और हादसे की परिस्थितियों की भी जांच कर रही है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सहवाग के क्लब में शामिल हुए रोहित शर्मा

बतौर ओपनर 16 हजार रन पूरे किए, गिल वनडे में 3 हजार रन बनाने वाले फास्टेस्ट इंडियन

धर्मशाला, 14 जून (एजेंसियां)। भारत ने पहले वनडे में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया। धर्मशाला में कप्तान शुभमन गिल ने 84 रन की पारी खेली। वे वनडे में सबसे तेज 3 हजार रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए। वहीं, रोहित शर्मा ने बतौर ओपनर इंटरनेशनल क्रिकेट में 16 हजार रन पूरे किए। उनसे पहले वीरेंद्र सहवाग ने यह कारनामा किया था।

रोहित भारत के लिए वनडे क्रिकेट खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 39 साल और 44 दिन की उम्र में मैच खेला। रोहित से पहले पूर्व ऑलराउंडर मोहिंदर अमरनाथ ने 1989 में 39 साल और 36 दिन की उम्र में वनडे मैच खेला था। रोहित ने इंटरनेशनल क्रिकेट में बतौर ओपनर 16 हजार रन पूरे किए। उन्होंने 16 रन की पारी के दौरान छठा रन बनाते यह अचीवमेंट हासिल किया। वे ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय और दुनिया के 7वें बल्लेबाज बन गए। श्रीलंका के पूर्व ओपनर सनथ जयसूर्या ने सबसे ज्यादा 19,298 रन बनाए हैं।

गिल ने वनडे में 3,000 रन पूरे किए। वे सबसे कम पारियों में इस आंकडे. तक पहुंचने वाले पहले भारत और दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बने। गिल ने महज 62 पारियों में यह आंकड़ा हासिल किया। साउथ अफ्रीका के हाशिम अमला पहले नंबर पर हैं। उन्होंने सिर्फ 57 पारियों में यह कारनामा किया था।

भारत के खिलाफ गुरबाज ने 48 गेंद में शतक जड़ा। वे भारत के खिलाफ वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाजों में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। पहले स्थान पर पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी हैं। उन्होंने 2005 में कानपुर में भारत के खिलाफ सिर्फ 45 गेंद में शतक लगाया था।

गुरबाज ने भारत के खिलाफ सिर्फ 48 गेंदों में शतक जड़ा। यह वनडे क्रिकेट में किसी भी अफगानिस्तानी बल्लेबाज का सबसे तेज शतक था। गुरबाज ने मोहम्मद शहजाद का 16 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने 2010 में स्कॉटलैंड के खिलाफ 72 गेंद में शतक जड़ा था।

गुरबाज ने वनडे में अपना 9वां शतक जड़ा। वे 50 ओवर के फॉर्मेट में अफगानिस्तान के लिए सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। इब्राहिम जादरान और पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद शहजाद के नाम 6-6 वनडे शतक दर्ज हैं। गुरबाज वनडे में सबसे बेहतरीन कन्वर्जन रेट (56.25%) वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 9 शतक लगाए हैं। दूसरे नंबर पर स्कॉटलैंड के कैलम मैकलियोड हैं, जिन्होंने 43.48% कन्वर्जन रेट से 10 शतक लगाए हैं। इस लिस्ट में वे खिलाड़ी शामिल हैं, जिन्होंने वनडे में कम से कम 7 शतक लगाए हैं।

गुरनूर बरार ने अफगानिस्तान के खिलाफ 4.5 ओवर में 27 रन देकर 3 विकेट लिए। यह डेब्यू वनडे में किसी भारतीय का चौथा बेस्ट प्रदर्शन है। पहले स्थान पर तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा हैं, जिन्होंने 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ पुणे में 54 रन देकर 4 विकेट लिए थे।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय बैडमिंटन टीम घोषित

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू करेंगी अगुआई

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)। भारतीय बैडमिंटन संघ ने 19 सितंबर से चार अक्तूबर तक जापान में होने वाले एशियाई खेलों के लिए बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग मई 2026 के आधार पर भारतीय टीम घोषित कर दी है।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और पुरुष युगल के मौजूदा एशियाड चैंपियन सात्विकसाईराज रेंकिरेड्डी और चिराग शेट्टी भारतीय दल की अगुआई करेंगे। टीम में लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी भी शामिल हैं।

भारतीय शटलर पीवी सिंधू ऑस्ट्रेलियाई ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में शीर्ष वरीय जापान की अकाने यामागुची से 20-22, 12-21 हार गईं थीं। पहले गेम में सिंधू ने जापानी प्रतिद्वंद्वी को कड़ी टक्कर दी, लेकिन वह गेम पॉइंट नहीं बचा स कीं । दूसरे गेम में वह एकतरफा हार गईं। हालांकि, एशियाई खेलों से पहले सिंधू को फॉर्म में वापसी करने के कई मौके मिलेंगे।

टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम

पुरुष वर्गः लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी, एचएस प्रणय, किदांबी श्रीकांत, तरुण मन्नेपल्ली, सात्विक साईराज रैंकिरेड्डी, चिराग शेट्टी, हरिहरन अमसाकरुणन, एमआर अर्जुन, ध्रुव कपिला।

महिला वर्गः पीवी सिंधू, उन्नति हुड्डा, देविका सिहाग, तन्वी शर्मा, ईशारानी बरुआ, त्रिषा जॉली, गायत्री गोपीचंद पुलेला, कविप्रिया सेल्वम, सिमरन सिंघी, तनिषा क्रैस्टो।

व्यक्तिगत चैंपियनशिप के लिए भारतीय शटलर

पुरुष एकलः लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी

महिला एकलः पीवी सिंधू, उन्नति हुड्डा

पुरुष युगलः सात्विक-चिराग, हरिहरन-अर्जुन

महिला युगलः त्रिषा-गायत्री, कविप्रिया-सिमरन

मिश्रित युगलः ध्रुव-तनिषा

विमेंस वर्ल्डकप- वेस्टइंडीज ने डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड को हराया

अमेलिया केर ने 100वां मैच खेला; ऑस्ट्रेलिया और स्कॉटलैंड भी जीते

खेल डेस्क, 14 जून (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में बड़ा उलटफेर किया। उन्होंने डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया। इस मुकाबले में न्यूजीलैंड की कप्तान अमेलिया केर करियर का 100वां टी-20 भी खेला।

साउथैम्पटन में वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 162/6 का स्कोर बनाया था। जवाब में वेस्टइंडीज ने 19.5 ओवर में 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। शेमेन कैंपबेल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। दिन के अन्य मुकाबलों में ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका को 65 रन से और स्कॉटलैंड ने आयरलैंड को 40 रनों से मात दी। आगे तीनों मैचों की रिपोर्ट पढ़िए...

पहले बैटिंग कर रही न्यूजीलैंड की ओर से ब्रुक हॉलिडे ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। मैडी ग्रीन ने आखिरी ओवर्स में अटैकिंग बैटिंग की। उन्होंने 35 रन की पारी खेली। वेस्टइंडीज के लिए आलिया एलीन ने 4 विकेट झटके। विंडीज ने कप्तान कप्तान हेली मैथ्यूज (48) और शेमेन कैंपबेल (90*) की पारियों के दम पर 3 विकेट खोकर टारगेट चेज कर दिया। न्यूजीलैंड ने 8 कैच छोड़े।

वेस्टइंडीज की गेंदबाज एलीन ने टी-20 इंटरनेशनल करियर में पहली बार पारी में चार विकेट झटके। उन्होंने 4 ओवर में 27 रन देकर 4 विकेट झटके और 6.80 की इकॉनमी रेट से गेंदबाजी की। यह मौजूदा टी-20 वर्ल्ड कप का दूसरा सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। एलीन ने अब तक टी-20 वर्ल्ड कप में 10 मैच खेले हैं। 8 पारियों में उन्होंने 27 की औसत से 5 विकेट लिए हैं, जबकि उनकी इकॉनमी रेट 7.10 रही है।

न्यूजीलैंड की कप्तान अमेलिया केर ने अपना 100वां टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला। न्यूजीलैंड के लिए ये उपलब्धि हासिल करने वाली केर छठी खिलाड़ी हैं। इस टीम के लिए सबसे ज्यादा मैच (183) सूजी बेट्स ने खेले हैं। अमेलिया ने साल 2016 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था।

वेस्टइंडीज की बल्लेबाज कैंपबेल ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला अर्धशतक जमाया। उन्होंने 62 गेंदों में 90 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 145.16 का रहा।

कैंपबेल का यह स्कोर टी-20 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज की ओर से दूसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। इस सूची में शीर्ष पर डिएंड्रा डॉटिन हैं। उन्होंने 2010 टी-20 वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 45 गेंदों में नाबाद 112 रन बनाए थे। उस पारी में उनके बल्ले से 7 चौके और 9 छक्के निकले थे, जबकि स्ट्राइक रेट 248.88 का रहा था।

ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका को 65 रन से हराकर विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में जीत से शुरुआत की है। उसने 20 ओवर में 8 विकेट पर 172 रन बनाए। जवाब में साउथ अफ्रीका 16.4 ओवर में 107 रन पर सिमट गई।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही और टीम ने 62 रन तक चार विकेट गंवा दिए। इसके बाद फीबी लिचफील्ड (50), एलिस पेरी (36), जॉर्जिया वेयरहम (32) और एनाबेल सदरलैंड (21) की उपयोगी पारियों की बदौलत टीम चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंची।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका की बल्लेबाजी नियमित अंतराल पर बिखरती रही। कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट ने 44 रन बनाए, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला और टीम बड़ा लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज फीबी लिचफील्ड ने 24 गेंदों में 50 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 9 चौके और 1 छक्का लगाया। यह उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का तीसरा अर्धशतक रहा। साथ ही, यह टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरा सबसे तेज अर्धशतक भी है। ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे तेज वर्ल्ड कप अर्धशतक का रिकॉर्ड एलिसा हीली के नाम दर्ज है, जिन्होंने 2018 में आयरलैंड के खिलाफ 21 गेंदों में पचासा जड़ा था।

क्रिकेट मैदान बना अखाड़ा! टी20 मुंबई लीग के फाइनल में लड़ाई पर उतारू हुए खिलाड़ी

मुंबई, 14 जून (एजेंसियां)। टी20 मुंबई लीग 2026 के फाइनल में काफी बवाल देखने को मिला. वानखेड़े स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में खिलाड़ियों के बीच जमकर बहस हुई. दोनों टीमों के खिलाड़ियों और अंपायर्स को आकर मामले को शांत कराना पड़ा. इस मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. दरअसल, एमएससी मराठा रॉयल्स और एआरसीएस अंधेरी के बीच फाइनल मैच हुआ था, जिसमें खिलाड़ियों के बीच बहस से माहौल गरमा गया और वो मारपीट के लिए उतारू हो गए थे.

फाइनल में एआरसीएस अंधेरी के रन चेज के दौरान मामला गंभीर हो गया. गौरव जथार ने इरफान उमैर की गेंद पर छक्का जड़ दिया लेकिन अगली ही गेंद पर इरफान ने उनका विकेट झटक लिया. इस विकेट के बाद मराठा रॉयल्स ने आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया. अपना विकेट गंवाने के बाद जथार गुस्से में नजर आए और उनकी भारतीय तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे के साथ बहस हुई. अंपायर्स और खिलाड़ियों ने आकर मामले को शांत कर दिया.

तनाव यहीं खत्म नहीं हुआ, क्योंकि एआरसीएस अंधेरी के डगआउट के पास भी मराठा रॉयल्स के एक खिलाड़ी के साथ गौरव की बहस हुई. अंधेरी के कप्तान शिवम दुबे और अन्य खिलाड़ियों को बीच-बचाव के लिए आना पड़ा। मराठा रॉयल्स के खिलाड़ियों और अंपायरों ने भी मामला शांत कराया.

एमएससी मराठा रॉयल्स ने पिछले साल टी20 मुंबई का खिताब जीता था और वो इस साल फाइनल में इसे डिफेंड करने उतरे थे. पहले बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने 154 रन बनाए. जवाब में एआरसीएस अंधेरी की टीम 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 146 रन ही बना पाई. मराठा रॉयल्स ने 8 रन से जीत दर्ज की और लगातार दूसरे खिताब पर कब्जा किया. तुषार देशपांडे ने अपनी गेंदबाजी से मैच का रुख पलट दिया. उन्होंने 51 रन पर बल्लेबाजी कर रहे दिव्यांश सक्सेना का विकेट झटका और फिर अंधेरी के कप्तान शिवम दुबे का अहम विकेट भी लिया.

गौतम गंभीर की 'क्लास' भारत पर ही पड़ी भारी!

गुरबाज ने टीम इंडिया के हेड कोच को क्यों दिया पहले वनडे में शतक का क्रेडिट?

धर्मशाला, 14 जून (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने धर्मशाला में खेले गए पहले वनडे मैच में अफगानिस्तान को हरा दिया. बारिश के कारण केवल 25-25 ओवरों का मैच ही संभव हो पाया और अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज ने पहली पारी में जोरदार शतक जड़ा. उन्होंने 51 गेंदों में 102 रन बना दिए, जिसके दम पर अफगानी टीम 195 रनों का लक्ष्य दे पाई. गुरबाज की इस पारी की भारतीय फैंस ने भी जमकर तारीफ की. अब अफगानिस्तान के इस खिलाड़ी ने अपने शतक का क्रेडिट टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर को दिया.

शतक जड़ने के बाद रहमानुल्लाह गुरबाज ने इंटरव्यू दिया. इसी दौरान उन्होंने बताया कि भारत बनाम अफगानिस्तान टेस्ट मैच के बाद गौतम गंभीर ने उन्हें बल्लेबाजी में सुधार के लिए कुछ सलाह दी थी. गुरबाज ने इस पर काम किया और उन्हें पहले वनडे में इसका फायदा मिला. उन्होंने कहा, 'टेस्ट मैच के बाद मेरी गौतम गंभीर सर के साथ काफी अच्छी बातचीत हुई और इसने मुझे बहुत मदद की.'

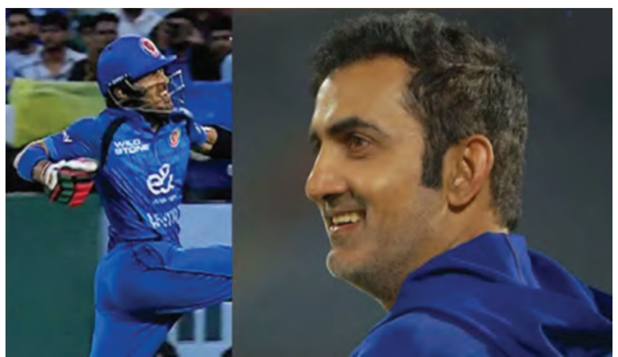

रहमानुल्लाह गुरबाज ने आगे कहा, 'मैंने नेट्स में उन आईडिया पर काम किया और मैं मार्गदर्शन के लिए काफी शुक्रगुजार हूं. जब टेस्ट मैच खत्म हुआ था, तो मैंने उन्हें बताया था कि मुझे अपने शॉट सिलेक्शन को बेहतर करना है. उन्होंने मुझे कुछ सुझाव दिए और मैं आज उन्हें लागू करने में सफल रहा. मैंने सकारात्मक तरीके से खेलने की कोशिश की और मेरे लिए यह चीज काम की.'

टीम इंडिया ने 22.5 ओवरों में ही 195 रनों के लक्ष्य का 7 विकेट से सफलतापूर्वक पीछा कर लिया. हार के बावजूद रहमानुल्लाह गुरबाज ने भारत के खिलाफ अपने शतक को यादगार बताया. उन्होंने कहा, 'मुझे पता था कि 25 ओवरों का मैच है और मुझे अपना खेलने का तरीका पता है. मैंने टीम के लिए खेला और योगदान देकर मुझे खुशी हुई. मुझे अपनी ट्रेनिंग और तैयारियों पर पूरा भरोसा है. भारत के खिलाफ भारत में शतक जड़ना खास बात है. मैंने जो मेहनत की है, मुझे इसका फल मिला है.'

क्रिकेट में घटी अनोखी घटना, दो अलग-अलग देशों के लिए टी20 वर्ल्ड कप खेलने उतरीं ये 2 खिलाड़ी

लंदन, 14 जून (एजेंसियां)। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के इतिहास में एक ऐसा अनोखा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है, जो इससे पहले कभी नहीं देखा गया. स्कॉटलैंड की बाएं हाथ की स्पिनर कीर्स्टी गॉर्डन ने मैदान पर कदम रखते ही इतिहास के पन्नों में अपना नाम सुनहरे अक्षरों से लिखवा लिया है. वह महिला टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में दो अलग-अलग देशों के लिए खेलने वाली दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर बन गई हैं.

कीर्स्टी गॉर्डन का जन्म स्कॉटलैंड में हुआ था और उन्होंने अपने शुरुआती करियर में 2012 से 2017 तक स्कॉटलैंड के लिए ही क्रिकेट खेला. लेकिन बाद में वह इंग्लैंड के घरेलू क्रिकेट में शामिल हो गईं और साल 2018 में उन्होंने इंग्लैंड की नेशनल टीम के लिए डेब्यू किया. उन्होंने 2018 में वेस्टइंडीज में खेले गए महिला टी20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड की तरफ से हिस्सा लिया था. उस टूर्नामेंट में उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड को फाइनल तक पहुंचाने में मदद की थी.

लगभग 9 साल के लंबे समय और नागरिकता बदलने के बाद, कीर्स्टी गॉर्डन ने एक बार फिर अपनी मातृभूमि स्कॉटलैंड के लिए खेलने का फैसला किया. इंग्लैंड और वेल्स की मेजबानी में शुरू हुए महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में वह स्कॉटलैंड की जर्सी पहनकर मैदान पर उतरीं. आयरलैंड के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए इस मुकाबले में कीर्स्टी गॉर्डन ने सिर्फ इतिहास ही नहीं रचा, बल्कि अपनी जादुई गेंदबाजी से मैच को भी यादगार बना दिया. उन्होंने अपने 4 ओवर के कोटे में सिर्फ 16 रन खर्च किए और घातक गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट चटकाए.

कीर्स्टी गॉर्डन के ठीक बाद, ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज किम गार्थ ने भी इस जादुई और अनोखी लिस्ट में अपना नाम दर्ज करा लिया. वह महिला टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में दो अलग देशों का प्रतिनिधित्व करने वाली दुनिया की दूसरी खिलाड़ी बन गईं. उन्होंने अपने इंटरनेशनल क्रिकेट करियर की शुरुआत आयरलैंड की टीम से की थी, लेकिन अब वह दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में से एक, ऑस्ट्रेलिया की जर्सी में नजर आ रही हैं.

किम गार्थ ने साल 2014, 2016 और 2018 के महिला टी20 वर्ल्ड कप में आयरलैंड की टीम की तरफ से हिस्सा लिया था. लेकिन किम गार्थ साल 2019 में ऑस्ट्रेलिया चली गईं. वहां घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने के बाद उन्हें ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह मिली और अब वह 2026 के इस वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मैदान पर उतरीं.

स्कॉटलैंड 44 साल बाद फुटबॉल वर्ल्डकप में पहला मैच जीता

हैती को हराकर ग्रुप-सी में टॉप पर, मोरक्को ने 5 बार के चैंपियन ब्राजील को ड्रॉ पर रोका

ईस्ट रदरफोर्ड, 14 जून (एजेंसियां)। दुनिया की 37वें नंबर की टीम स्कॉटलैंड ने 44 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप में जीत से शुरुआत की है। उसने रविवार को ग्रुप-सी के मैच में हैती को 1-0 के अंतर से हराया। बूस्टन स्टेडियम में स्कॉटलैंड की ओर से 28वें मिनट में जॉन मैक्गिन ने गोल दागा। यह मैच का निर्णायक गोल साबित हुआ। इस ग्रुप के एक अन्य मैच में मोरक्को ने 5 बार के चैंपियन ब्राजील को ड्रॉ पर रोक दिया। ब्राजील अपने पहले वर्ल्ड कप मैच में 1934 से अजेय है। न्यू जर्सी स्टेडियम में मोरक्को ने इस्माइल साइबारी के गोल से बढ़त बनाई, लेकिन स्टार फॉरवर्ड विनिसियस जूनियर के गोल के सहारे ब्राजील ने वापसी करते हुए एक अंक हासिल कर लिया।

इन मैचों के बाद स्कॉटलैंड ग्रुप-सी के पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर आ गई है। जबकि, मोरक्को दूसरे और ब्राजील तीसरे स्थान पर है। स्कॉटलैंड के पास 3 अंक हैं, जबकि ब्राजील और मोरक्को के पास एक-एक अंक ही हैं। हैती हार के बाद सबसे निचले स्थान पर है।

यह पहली बार है, जब विनिसियस जूनियर ने ब्राजील के लिए गोल किया और टीम जीत नहीं सकी है। इससे पहले विनिसियस ने आठ मैचों में ब्राजील के लिए गोल दागे, उन सभी में टीम को जीत मिली। ब्राजील ने वर्ल्ड कप के पहले मैचों में अपना 21 मैचों का अपराजित क्रम बरकरार रखा। ब्राजील आखिरी बार 1934 में स्पेन के खिलाफ वर्ल्ड कप का पहला मैच हारा था। इस दौरान उसने 17 जीत दर्ज की हैं।

स्कॉटलैंड को फुटबॉल वर्ल्ड कप में 36 साल बाद जीत मिली है। पिछली जीत 1990 में मिली थी। इतना ही नहीं, स्कॉटलैंड ने 1982 के बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप में अपना पहला मैच जीता था। इससे पहले टीम ने 1982 फीफा वर्ल्ड कप (स्पेन) में न्यूजीलैंड को 5-2 से हराया था।

मोरक्को ने अटैकिंग शुरुआत की और 21वें मिनट में बढ़त हासिल कर ली। नुसैर मजराउई ने ब्राजील के मिडफील्डर लुकास पाकेटा से गेंद छिनने के बाद ब्राहिम डियाज को पास दिया। फिर डियाज की शानदार थ्रू बॉल पर इस्माइल साइबारी ने दौड़ लगाई और गोलकीपर एलिसन बेकर के ऊपर से गेंद चिप करते हुए गोल दाग दिया। ब्राजील ने 11 मिनट बाद जवाब दिया। 32वें मिनट में विनिसियस जूनियर ने ब्रूनो गिमारेस के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाया। बाएं फ्लैंक से अंदर की ओर बढ़ते हुए उन्होंने जोरदार राइट फुट शॉट लगाया, जो मोरक्को के गोलकीपर यासीन बूनू को छकाते हुए गोल में चला गया।

श्रीलंका ने दूसरे टी-20 में वेस्टइंडीज को हराया

सीरीज 1-1 से बराबर; मिशारा-शनाका ने फिफ्टी लगाई

किंग्स्टन, 14 जून (एजेंसियां)। श्रीलंका ने टी-20 सीरीज के दूसरे मैच में वेस्टइंडीज को 37 रन से हराया। इस जीत से टीम ने 3 मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली। पहला मैच वेस्टइंडीज ने जीता था। किंग्स्टन में रविवार को श्रीलंका ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 194 रन का स्कोर खड़ा किया। कामिल मिशारा ने नाबाद 61 रन और दासुन शनाका ने 58 रन की अर्धशतकीय पारियां खेलीं।

195 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी कैरेबियाई टीम 18.1 ओवर में 157 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका के लिए दुष्मंथा चमीरा और वानिंदु हसरंगा ने 3-3 विकेट चटकाए।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 40 रन के स्कोर पर ओपनर पथुम निसांका (7) के रूप में पहला विकेट गंवाया। इसके बाद कुसल मेंडिस ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन वे भी 31 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। फिर श्रीलंका ने जल्दी-जल्दी दो और विकेट गंवाए।

एक समय टीम का स्कोर 43/3 था। यहां से कामिल मिशारा और कामिंदु मेंडिस ने चौथे विकेट के लिए 35 गेंदों में 45 रन की पार्टनरशिप की। कामिंदु 24 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन उन्होंने टीम को संकट से बाहर निकाल दिया था।

कामिंदु के आउट होने के बाद कामिल मिशारा को कप्तान दासुन शनाका का साथ मिला। दोनों ने वेस्टइंडीज के गेंदबाजों की जमकर क्लास लगाई और पांचवें विकेट के लिए महज 41 गेंदों में 103 रन की तूफानी साझेदारी कर टीम को 194 के स्कोर तक पहुंचाया।

सिंगरेणी कर्मियों के परिश्रम का अपमान बर्दाश्त नहीं : भट्टी विक्रमार्क

मंत्री श्रीधर बाबू के साथ श्रीरामपुर ओपन कास्ट माइन का निरीक्षण

हैदराबाद, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने एक बार फिर बीआरएस नेताओं पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वे सिंगरेणी कर्मियों की मेहनत और आत्मसम्मान को कमतर आंकने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस नेता राजनीतिक स्वार्थों के चलते सिंगरेनी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाले बयान दे रहे हैं। विपक्ष की ओर से सिंगरेणी को लेकर की जा रही आलोचनाओं का जवाब देने के लिए उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने मंत्री डी. श्रीधर बाबू के साथ रविवार को मंचेरियल जिले के श्रीरामपुर ओपन कास्ट माइन का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने मौके पर खुली समीक्षा करते हुए स्थिति को जनता के सामने रखा। जनसभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सिंगरेणी कर्मियों के परिश्रम का अपमान किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह ओपन-हाउस निरीक्षण सिंगरेनी के खिलाफ चल रहे अभियान की सच्चाई सामने लाने के लिए आयोजित किया गया है, ताकि तथ्य और झूठ के बीच अंतर स्पष्ट हो सके। भट्टी विक्रमार्क ने आरोप लगाया कि बीआरएस नेता अपने राजनीतिक और व्यक्तिगत हितों के लिए गलत जानकारी फैला रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे राजनीति करने नहीं आए हैं, बल्कि जनता के सामने केवल तथ्य रखने आए हैं। उन्होंने कहा कि जनता की सरकार केवल सत्य के आधार पर काम करती है और जनता को सच्चाई बताना उसकी जिम्मेदारी है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सिंगरेणी की सफलता उसके कर्मियों के पसीने और अथक मेहनत पर आधारित है, और किसी को भी उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि बीआरएस नेता सिंगरेणी प्रबंधन की प्रतिबद्धता और संगठन की पारदर्शी व्यवस्था को लेकर झूठा प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिंगरेणी केवल एक कंपनी नहीं, बल्कि तेलंगाना की जनता की संपत्ति है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार पूरी सतर्कता के साथ काम करेगी ताकि कोई भी शोषक या अवसरवादी संस्था पर नजर न डाल सके। किसी भी राजनीतिक उद्देश्य से सिंगरेणी का दुरूपयोग करने के प्रयास का कड़ा विरोध किया जाएगा। उन्होंने दोहराया कि सिंगरेनी पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य करती रहेगी।

कोत्तागुडेम जिले में तड़के महसूस हुए भूकंप के झटके

रिक्टर पैमाने पर 3.8 रही तीव्रता, जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं

कोत्तागुडेम, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कोत्तागुडेम जिले में रविवार तड़के भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, जिससे कुछ समय के लिए लोगों में दहशत फैल गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.8 दर्ज की गई। भूकंप के झटके सुबह करीब 2:26 बजे कोत्तागुडेम, पालोंचा, मुलकलापल्ली, बुर्गमपाड, भद्राचलम, मनुगुरु तथा आसपास के अन्य क्षेत्रों में महसूस किए गए। अधिकांश लोग उस समय गहरी नींद में थे, इसलिए केवल कुछ लोगों को ही झटकों का स्पष्ट एहसास हुआ। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के अनुसार भूकंप का केंद्र आंध्र प्रदेश के राजामहेंद्रवरम (राजामंड्री) से लगभग 111 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम दिशा में स्थित था। भूकंपीय गतिविधि धरती की सतह से करीब 10 किलोमीटर की गहराई पर दर्ज की गई।

स्थानीय लोगों ने बताया कि अचानक बिस्तरों, घरेलू सामानों और रसोई के बर्तनों में कंपन महसूस होने लगा, जिससे वे घबरा गए। कुछ लोग घरों से बाहर निकल आए और स्थिति सामान्य होने तक सतर्क रहे। हालांकि भूकंप की तीव्रता अपेक्षाकृत कम होने के कारण किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं मिली।

विकास तभी संभव जब केंद्र और राज्य मिलकर काम करें : बंडी संजय

वेमुलावाड़ा क्षेत्र में सड़क विस्तार कार्य का शिलान्यास

हैदराबाद, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने कहा कि जैसे तालियों के लिए दो हाथों का साथ जरूरी होता है, वैसे ही विकास तभी संभव है जब केंद्र और राज्य सरकारें आपसी सहयोग से काम करें। उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना को पिछली सरकार की गलत नीतियों के कारण भारी नुकसान हुआ, जबकि वर्तमान सरकार के केंद्र के साथ सहयोग से विकास कार्यों के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि गांवों को मंडल मुख्यालयों से जोड़ने के लिए केंद्र से निरंतर फंड मिल रहा है और पिछले सात वर्षों में करिमनगर संसदीय क्षेत्र के विकास के लिए उन्होंने लगभग 22,000 करोड़ रुपये की निधि दिलाई है। बंडी संजय कुमार रविवार को राजन्ना सिरसिल्ला जिले के वेमुलावाड़ा विधानसभा क्षेत्र के बोल्लारम गांव पहुंचे, जहां उन्होंने स्थानीय विधायक और सरकारी व्हिप आदि श्रीनिवास के साथ मिलकर बोल्लारम से सिरकोंडा तक सड़क चौड़ीकरण कार्य का शिलान्यास किया। यह परियोजना वेंमुलावाड़ा-सिरकोंडा सड़क विस्तार योजना का हिस्सा है।

शिलान्यास कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने बताया कि यह परियोजना केंद्रीय सड़क अवसंरचना निधि के तहत स्वीकृत 23 करोड़ रुपये की लागत से पूरी की जाएगी। कार्य पूरा करने की समयसीमा छह माह निर्धारित की गई है। परियोजना के अंतर्गत सड़क चौड़ीकरण, सीसी सड़क निर्माण, पाइप कलवर्ट, गांवों में नालियों का निर्माण तथा सड़क सुरक्षा उपाय शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से ममिडिपल्ली, बौसाईपेटा, रामन्नापल्ली और गोविंदरावपेटा थांडा जैसे गांवों के यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी और यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी। बंडी संजय कुमार ने कहा कि विकास केवल तभी संभव है जब केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर काम करें। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीति केवल चुनावों तक सीमित होती है, जबकि चुनाव के बाद जनप्रतिनिधियों का पूरा ध्यान क्षेत्र के विकास पर होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि करीमनगर-जगतियाल सड़क विस्तार परियोजना के लिए 2,003 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिल चुकी है। इस कार्य में स्थानीय विधायकों का सहयोग मिल रहा है और जल्द ही कार्य प्रारंभ किया जाएगा। अंत में उन्होंने सभी दलों के जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर करिमनगर संसदीय क्षेत्र को एक आदर्श क्षेत्र बनाने के लिए साथ आएं।

मलकाजगिरि में ड्रंक एंड ड्राइव अभियान, 124 चालक पकड़े गए

तीन लोगों का बीएसी स्तर 300 मिलीग्राम से अधिक, अदालत में होगी पेशी

हैदराबाद, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरि ट्रैफिक पुलिस द्वारा चलाए गए विशेष ड्रंक एंड ड्राइव अभियान के दौरान 124 लोगों को शराब के नशे में वाहन चलाते हुए पकड़ा गया। सभी आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए लोगों में 112 दोपहिया वाहन चालक, सात तिपहिया वाहन चालक और पांच चार पहिया वाहन चालक शामिल हैं। जांच के दौरान इन सभी के शराब पीकर वाहन चलाने की पुष्टि हुई।

अधिकारियों ने बताया कि पकड़े गए कुल व्यक्तियों में से तीन का ब्लड अल्कोहल कंसंट्रेशन (बीएसी) स्तर 300 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर से अधिक पाया गया, जो अत्यधिक नशे की स्थिति को दर्शाता है और सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा माना जाता है। मलकाजगिरि ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों को नियमानुसार अदालत में पेश होना होगा, जहां उनके खिलाफ कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

जो सरकार शहर को पानी नहीं दे सकती, वह फ्यूचर सिटी कैसे बनाएगी? : पूर्व मंत्री तलसानी

हैदराबाद, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए सवाल किया कि जो सरकार शहर को पेयजल उपलब्ध कराने में असमर्थ है, वह फ्यूचर सिटी का निर्माण कैसे कर सकती है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर आरोप लगाया कि वे मुख्यमंत्री जैसे गरिमामय पद पर रहते हुए भी आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। वे रविवार को शहर के तेलंगाना भवन में खैरताबाद विधानसभा क्षेत्र की बीआरएस पार्टी बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि बीआरएस पार्टी का गठन 2001 में पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में तेलंगाना राज्य की प्राप्ति के लक्ष्य के साथ किया गया था। उन्होंने कहा कि केसीआर एक महान नेता हैं, जिन्होंने तेलंगाना राज्य को साकार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि संयुक्त आंध्र प्रदेश के समय पानी, धन और रोजगार के मामले में जो

अन्याय हुआ था, उसके खिलाफ बीआरएस ने संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि दस वर्षों के बीआरएस शासन में राज्य का विकास हुआ और तेलंगाना देश के लिए एक मॉडल बना। तलसानी श्रीनिवास यादव ने दावा किया कि केसीआर के शासनकाल में सभी वर्गों के लोग संतुष्ट थे, जबकि पिछले ढाई वर्षों में कांग्रेस सरकार से जनता परेशान है। उन्होंने कहा कि खैरताबाद क्षेत्र में विकास केवल बीआरएस शासन के दौरान ही हुआ था। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे जनसमस्याओं को लेकर संघर्ष करें और आगामी जीएचएमसी चुनावों की तैयारी अभी से शुरू करें।

राजस्व बढ़ाने के लिए भूमि मुद्रीकरण पर सरकार का जोर

30 महीनों में 20 हजार एकड़ जमीन का हस्तांतरण और नीलामी, 5 हजार एकड़ और तैयार

हैदराबाद, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बढ़ते वित्तीय दबाव और पारंपरिक राजस्व स्रोतों से सीमित आय की स्थिति के बीच तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने भूमि और सार्वजनिक संपत्तियों के मुद्रीकरण को राजस्व जुटाने का प्रमुख माध्यम बना लिया है। सरकार ने पिछले 30 महीनों में लगभग 20 हजार एकड़ भूमि की नीलामी, हस्तांतरण, पट्टे और गिरवीकरण के माध्यम से संसाधन जुटाए हैं, जबकि आने वाले महीनों में 5 हजार एकड़ अतिरिक्त भूमि के हस्तांतरण और नीलामी की तैयारी की जा रही है। उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का की अध्यक्षता वाली राजस्व जुटाने संबंधी मंत्रिमंडलीय उपसमिति ने हाल ही में अधिकारियों को भूमि और सार्वजनिक परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है। इसके तहत सरकार हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) के अंतर्गत भूमि अधिग्रहण परियोजनाओं में तेजी लाने, नई सरकारी जमीनों की पहचान करने और हैदराबाद इंफ्रास्ट्रक्चर एंड लैंड ट्रांसफॉर्मेशन (एचआईएलटी) परियोजना को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

कांग्रेस सरकार 'पूरी तरह फ्लॉप फिल्म' : केटीआर

खैरताबाद में उपचुनाव होकर रहेगा

हैदराबाद, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव (केटीआर) ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर अपनी ही पार्टी के नेताओं की पीठ में छुरा घोंपने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी संकीर्ण राजनीति के कारण कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और राहुल गांधी की विश्वसनीय सहयोगी मीनाक्षी नटराजन को निशाना बनाया गया।

रविवार को तेलंगाना भवन में खैरताबाद विधानसभा क्षेत्र की बीआरएस आमसभा को संबोधित करते हुए केटीआर ने आरोप लगाया कि मीनाक्षी नटराजन ने भूमि सौदों और ठेकों में कथित भ्रष्टाचार की जानकारी कांग्रेस आलाकमान को दी थी, जिसके चलते मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने उनके खिलाफ हैदराबाद में झूठा मामला दर्ज कराया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने इस कथित फर्जी मामले का विवरण भाजपा नेतृत्व को भी उपलब्ध कराया ताकि मीनाक्षी नटराजन की राज्यसभा उम्मीदवारी को रोका जा सके। केटीआर ने यह भी कहा कि रेवंत रेड्डी द्वारा हिटलर को अपना आदर्श बताना लोकतांत्रिक देश के लिए शर्मनाक है। बीआरएस नेता ने

कांग्रेस सरकार को 'पूरी तरह फ्लॉप फिल्म' करार देते हुए कहा कि कार्यकाल के आधे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद सरकार अपने वादों को पूरा करने में पूरी तरह विफल रही है।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार किसी फिल्म के ट्रेलर से उसके हिट या फ्लॉप होने का अंदाजा लगाया जा सकता है, उसी तरह कांग्रेस सरकार भी शुरूआत से ही फ्लॉप साबित हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि ढाई वर्षों में सरकार एक भी प्रमुख वादा पूरा नहीं कर सकी। केटीआर ने सरकार के पहले वर्ष में दो लाख नौकरियां देने के वादे पर सवाल उठाते हुए कहा कि अब तक चार हजार नौकरियां भी नहीं भरी गई हैं। उन्होंने बेरोजगारों को प्रति माह चार हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता देने के वादे को भी पूरा न करने का आरोप लगाया। महिला कल्याण संबंधी गारंटी पर मुख्यमंत्री को चुनौती देते हुए केटीआर ने कहा कि यदि रेवंत रेड्डी यह साबित कर दें कि उनकी सरकार ने एक करोड़ महिलाओं को लखपति बनाया है तो वह इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने दावा किया कि सरकार पर प्रत्येक लाभार्थी का 1.25 लाख रुपये बकाया है। खैरताबाद विधायक दानम नागेंद्र पर जनता के जनादेश के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाते हुए केटीआर ने कहा कि उनके कांग्रेस में शामिल होने के कारण खैरताबाद में उपचुनाव अवश्यंभावी है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से मतदाता सूचियों में कथित हेरफेर के प्रयासों के प्रति सतर्क रहने का आह्वान किया और जुबली हिल्स में संदिग्ध मतदाताओं का उदाहरण दिया। बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष ने बूथ स्तर के एजेंटों को 25 जून से 31 जुलाई तक चलने वाले व्यापक गृह सर्वेक्षण (एसआईआर) में सक्रिय रूप से भाग लेने तथा रिकॉर्ड स्तर पर डिजिटल पार्टी सदस्यता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए।

वोटों की सुरक्षा के लिए एसआईआर प्रक्रिया में घर-घर सत्यापन जरूरी : सांसद वामसी

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची की शुद्धता बनाए रखने के दिए निर्देश

हैदराबाद, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दापल्ली सांसद गड्डम वामसी कृष्ण ने कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं और बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) से अपील की है कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान अत्यंत सतर्क रहते हुए हर पात्र मतदाता के नाम की सुरक्षा सुनिश्चित करें। वे रविवार को मंचेरियल शहर के पद्मावती गार्डन्स में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, बीएलए और पार्टी नेताओं के लिए आयोजित जागरूकता एवं प्रशिक्षण बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर सांसद ने कहा कि

मतदान का अधिकार भारतीय संविधान द्वारा दिया गया एक पवित्र लोकतांत्रिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए मतदाता सूची की शुद्धता और सटीकता अत्यंत आवश्यक है। गद्दम वामसी कृष्ण ने बीएलए को निर्देश दिया कि वे घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करें, यह सुनिश्चित करें कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से न हटे तथा 18 वर्ष पूरे कर चुके युवाओं का नाम अनिवार्य रूप से जोड़ा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि स्थानांतरण, मृत्यु और पते में बदलाव से संबंधित मामलों की जानकारी तुरंत चुनाव अधिकारियों को दी जाए। सांसद ने बीएलए को फॉर्म 6, 7 और 8 की पूरी जानकारी रखने तथा जनता को इनके बारे में जागरूक करने की सलाह दी। उन्होंने चेतावनी दी कि पात्र मतदाताओं के नाम हटाने के किसी भी प्रयास को तुरंत पहचानकर उसका विरोध किया जाए। उन्होंने बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को पार्टी और लोकतंत्र की रीढ़ बताते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को जमीनी स्तर पर सक्रिय रहकर कांग्रेस को मजबूत करना चाहिए और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करनी चाहिए।

रक्तदान आंदोलन को ग्रामीण तेलंगाना तक विस्तारित किया जाए : शिव प्रताप शुक्ल

राज्यपाल ने स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने रक्तदान को मानवता की सर्वोच्च सेवा बताते हुए कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान के माध्यम से किसी व्यक्ति का जीवन बचाने से बड़ा कोई उपहार नहीं हो सकता। उन्होंने रक्तदान आंदोलन को ग्रामीण तेलंगाना तक विस्तारित करने का आह्वान किया।

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर रविवार को लोक भवन स्थित संस्कृति कम्युनिटी हॉल में भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी की तेलंगाना राज्य शाखा द्वारा आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का उद्घाटन करने के बाद राज्यपाल ने यह बात कही। अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि रक्तदान केवल एक चिकित्सीय आवश्यकता नहीं, बल्कि करुणा, मानवता और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि दान किए गए रक्त की प्रत्येक बूंद जरूरतमंद मरीजों के लिए आशा, साहस और जीवन का नया अवसर लेकर आती है। भारतीय संस्कृति में दान की परंपरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि रक्तदान को सबसे महान दानों में से एक माना जाता है। बिना किसी प्रतिफल की अपेक्षा के अनजान लोगों का जीवन बचाने के लिए आगे आने वाले स्वैच्छिक रक्तदाता समाज के सच्चे नायक हैं। भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी की तेलंगाना राज्य शाखा के अध्यक्ष के रूप में राज्यपाल ने स्वैच्छिक रक्तदाताओं की सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयास मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं और 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना को साकार करते हैं। उन्होंने कहा कि रक्तदान आंदोलन को गांवों, कस्बों, शैक्षणिक संस्थानों और युवा संगठनों तक पहुंचाने की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं, महिलाओं और समाज के सभी वर्गों से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने का आह्वान किया। शिव प्रताप शुक्ल ने क्षय रोग (टीबी) मुक्त और नशामुक्त तेलंगाना के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार, स्वयंसेवी संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थानों, युवा संगठनों और नागरिक समाज के संयुक्त प्रयास आवश्यक हैं।

वीकेंड अभियान में 53 लोग नशे में वाहन चलाते पकड़े गए

हैदराबाद, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने सप्ताहांत के दौरान विशेष अभियान चलाकर शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 53 लोगों को पकड़ा है। पुलिस द्वारा दर्ज मामलों में 48 दोपहिया वाहन चालक, तीन तिपहिया वाहन चालक तथा दो चारपहिया वाहन चालक शामिल हैं। आरोपियों के खिलाफ उनके रक्त में अल्कोहल की मात्रा (बीएसी) के आधार पर मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस के अनुसार 38 आरोपियों के बीएसी स्तर 36 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर से 200 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर के बीच पाए गए। वहीं सात आरोपियों के बीएसी स्तर 201 से 300 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर तथा आठ आरोपियों के बीएसी स्तर 301 से 550 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर के बीच दर्ज किए गए। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस ने दोहराया कि शराब के नशे में वाहन चलाना गंभीर अपराध है। यदि कोई व्यक्ति नशे की हालत में वाहन चलाते हुए घातक दुर्घटना का कारण बनता है, तो उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस)-2023 की धारा 105 के तहत मामला दर्ज किया जाएगा, जो हत्या के बराबर न होने वाले आपराधिक मानव वध (कपलपेबल होमिसाइड) से संबंधित है। इस अपराध में अधिकतम 10 वर्ष के कारावास और जुर्माने का प्रावधान है। साइबराबाद पुलिस के अनुसार 8 से 13 जून के बीच अदालतों ने शराब पीकर वाहन चलाने से संबंधित 210 मामलों का निपटारा किया। इनमें से आठ लोगों को जुर्माने के साथ सामाजिक सेवा की सजा दी गई, जबकि 202 लोगों पर केवल जुर्माना लगाया गया।

टीजीएसआरटीसी अलर्ट, छात्रों के समयानुसार चलेंगी बसें : नागी रेड्डी

परिवहन संबंधी सभी व्यवस्थाएं पहले से तैयार

हैदराबाद, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद सोमवार (15 जून) से 2026-27 शैक्षणिक वर्ष के लिए विद्यालय पुनः खुलने जा रहे हैं। इसे ध्यान में रखते हुए टीजीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक वाई. नागी रेड्डी ने सभी क्षेत्रों के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि छात्रों को किसी प्रकार की परिवहन समस्या का सामना न करना पड़े, इसके लिए सभी मार्गों पर पर्याप्त संख्या में बसों का संचालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि नए शैक्षणिक वर्ष में कुल 227 कार्य दिवस होंगे और छात्रों को सुरक्षित तथा समय पर उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए परिवहन संबंधी सभी व्यवस्थाएं पहले से तैयार कर ली गई हैं। एमडी ने सभी क्षेत्रों के अधिकारियों और डिपो प्रबंधकों को फील्ड स्तर पर सतर्क रहने तथा

परिवहन व्यवस्था की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों से आने-जाने वाले विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए स्कूल समय के अनुरूप बस सेवाओं को सुव्यवस्थित करने पर जोर दिया तथा पहले संचालित सभी स्कूल बस मार्गों को बहाल करने के निर्देश दिए। नागी रेड्डी ने फील्ड स्टाफ को यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि सुबह और शाम के समय बसों का संचालन निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार हो, ताकि विद्यार्थियों को बसों के लिए अधिक समय तक प्रतीक्षा न करनी पड़े। उन्होंने आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त बस फेरे चलाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सुविधा और सुरक्षा टीजीएसआरटीसी की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा नए शैक्षणिक सत्र के दौरान परिवहन सेवाओं को प्रभावी और सुचारु बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

श्री पद्मावती अम्मावारी तेप्पोत्सवम 25 से 29 जून तक

प्रतिदिन शाम 6.30 से 7.30 बजे तक दिव्य नौका विहार

तिरुपति, 14 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुचनूर स्थित तिरुचनूर में स्थित श्री पद्मावती अम्मावारी मंदिर के वार्षिक तेप्पोत्सवम इस वर्ष 25 जून से 29 जून तक भव्य रूप से आयोजित किए जाएंगे। यह आयोजन अत्यंत श्रद्धा और धार्मिक उत्साह के साथ संपन्न होगा। प्रत्येक दिन शाम 6.30 बजे से 7.30 बजे तक देवी पद्मावती अम्मावारु भक्तों को पवित्र पद्म सरोवरम में दिव्य नौका विहार के माध्यम से दर्शन देंगी। मंदिर प्रशासन ने इस अवसर पर विशेष आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी व्यवस्था की है।

25 जून को कृष्ण स्वामी रुक्मिणी एवं सत्यभामा के साथ तेप्पोत्सवम में भाग लेंगे। 26 जून को सुंदरराज स्वामी की शोभायात्रा आयोजित होगी, जबकि शेष तीन दिनों में स्वयं पद्मावती अम्मावारु नौका विहार में विराजमान रहेंगी। 27 से 29 जून तक स्नपन तिरुमंजनम अनुष्ठान भी किया जाएगा। 28 जून को गज वाहन सेवा और 29 जून को गरुड़ वाहन सेवा का आयोजन होगा, जो भक्तों के लिए विशेष आकर्षण रहेगा। टीटीडी (तिरुमला तिरुपति देवस्थानम) ने देश-विदेश के श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में भाग लेकर देवी पद्मावती अम्मावारु का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.